राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 201 | रांची, सोमवार, 28 सितंबर 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

इतिहास के पन्नों में 28 सितंबर : आज ही हुआ था सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का जन्म भारतीय संगीत के इतिहास में 28 सितंबर का दिन खास महत्व रखता है। इसी दिन वर्ष 1929 में इंदौर में महान गायिका लता मंगेशकर का जन्म हुआ था। संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर के घर जन्मी लता ने आगे चलकर अपनी आवाज और गायकी से भारतीय संगीत को दुनिया भर में अलग पहचान दिलाई। लता मंगेशकर ने बेहद कम उम्र में संगीत की कठिन साधना शुरू कर दी थी। लगातार अभ्यास और सुरों पर मजबूत पकड़ ने उन्हें गायन के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान दिलाया। उन्होंने हिंदी के अलावा कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी गीत गाए।

मन की बात: आम लोगों से जनगणना में भागीदारी की अपील, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में जनगणना में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह प्रत्येक नागरिक की राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराते हुए कहा कि साल 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक आतंकवाद के खिलाफ भारत के निर्णायक रुख का प्रतीक थी और आज का भारत आतंकवाद का करारा जवाब देने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों रखता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम के 138वें संस्करण में कहा कि देश में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों का डेटा दर्ज किया जा चुका है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के दूरदराज तथा बर्फीले इलाकों में भी जनगणना का काम जारी है। उन्होंने उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 83 वर्षीय पूर्णिमा रावत से जनगणना प्रक्रिया की शुरूआत हुई, जबकि उत्तरकाशी के बगोरी गांव में होम-स्टे संचालक हरदेव सिंह राणा ने डिजिटल माध्यम से स्वयं अपना विवरण दर्ज किया।

प्रधानमंत्री ने लोगों को जनगणना के लिए उपलब्ध स्व-पंजीकरण सुविधा का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने मोबाइल फोन से जनगणना पोर्टल पर जाकर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह सुविधा हिंदी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि अब तक 2 करोड़ 60 लाख से अधिक लोग स्वयं अपना विवरण दर्ज कर चुके हैं। यह प्रक्रिया केवल 15 से 20 मिनट में पूरी की जा सकती है और इसके लिए किसी दस्तावेज को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। विवरण जमा करने के बाद एक विशेष पहचान संख्या जारी की जाती है, जिसे गणनाकर्मी के साथ साझा किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सटीक जनगणना किसी भी देश के भविष्य की सही तस्वीर तैयार करने का आधार होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राष्ट्रहित में इसमें सक्रिय भागीदारी करें।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पार कर पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई की थी और पूरी दुनिया भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर हैरान रह गई थी। सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक पीड़ा झेली है। एक समय ऐसा था जब देश में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट आम बात बन गए थे। उन्होंने 13 सितंबर 2008 के दिल्ली सिलसिलेवार बम धमाकों और उसके कुछ सप्ताह बाद हुए 26 नवंबर, 2008 के मुंबई आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि उस दौर में आतंकवादी घटनाओं के बाद कार्रवाई की मांग तो उठती थी लेकिन अक्सर केवल समय बीतने का इंतजार किया जाता था। पिछले एक दशक में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट हवाई कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यदि आतंकवादी भारत की ओर बुरी नजर डालेंगे तो उन्हें करारा जवाब मिलेगा। आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और इसके परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की 25वीं वर्षगांठ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले में अमेरिकियों के बाद सबसे अधिक भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

प्रधानमंत्री ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल ने समाज में रहते हुए तपस्वी की तरह जीवन जीया। राम जन्मभूमि आंदोलन को जो दिशा और ऊर्जा उन्होंने दी, उसका परिणाम आज अयोध्या में भव्य राममंदिर के रूप में दिखाई देता है। संपन्न परिवार से होने और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अशोक सिंघल ने अपना पूरा जीवन समाज और संस्कृति के लिए समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने ह्यसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्न का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1026 में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त किया था लेकिन भारत की पहचान और आस्था को मिटाया नहीं जा सका। उसी वर्ष गुजरात के मोढेरा स्थित सूर्य मंदिर पर भी हमला हुआ था। उस समय राजा भीमदेव प्रथम ने न केवल आक्रमणकारियों का सामना किया बल्कि कम समय में मंदिर का पुनर्निर्माण भी कराया। बाद के काल में अलाउद्दीन खिलजी ने भी इस मंदिर को नष्ट किया लेकिन भारतीय समाज की पुनर्निर्माण की शक्ति ने इसे जीवित रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मोढेरा केवल सूर्य मंदिर के लिए ही नहीं बल्कि देश के पहले ह्यसौर ग्रामह्न के रूप में भी प्रसिद्ध है। पूरा गांव सौर ऊर्जा से संचालित होता है और वहां पर्यटकों के लिए कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। उन्होंने लोगों से मोढेरा का भ्रमण कर भारत की इस विरासत को देखने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में इतिहास और संस्कृति से जुड़े प्रयासों का जिक्र करते हुए कि तमिल अध्ययन विभाग से जुड़े ए सेल्वराजु ने छात्रों के साथ क्षेत्रीय भ्रमण कर कई प्राचीन मूर्तियों और मंदिरों का पता लगाया है। इस तरह के प्रयास देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं।

जयशंकर ने न्यूयॉर्क में कनाडा, मैक्सिको और वेनेजुएला के विदेशमंत्रियों से मुलाकात की

एजेंसी

न्यूयॉर्क। भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार (स्थानीय समय) को 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान कनाडा, मैक्सिको और वेनेजुएला के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग मुलाकात कर बैठक की। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी सचित्र साझा की। भारत के विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि उन्होंने कनाडा की विदेशमंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और उनसे सार्थक चर्चा की। दोनों पक्ष अपने संबंधों को एक ऊंचे स्तर पर ले जाने की तैयार हैं। जयशंकर ने मैक्सिको के विदेशमंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ अपनी बैठक की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वेनेजुएला के विदेशमंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया गोंजालेज के साथ उनकी अच्छी बैठक हुई। दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों के अलावा, हमारे ऊर्जा संबंध भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने इससे पहले 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। एआई मानव सशक्तिकरण, आर्थिक समृद्धि और आबादी से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए एक परिवर्तनकारी कारक है। उन्होंने तकनीक के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक समझ की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

जब लहरें तेज हों, तब समुद्र में तैरना पसंद है : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण **(SIR)** को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, मुझे तब समुद्र में तैरना पसंद है, जब लहरें तेज हों। यह आपको सिखाता है कि उथल-पुथल भी शांति का ही दूसरा रूप है। राहुल गांधी ने इस पोस्ट में किसी व्यक्ति, संस्था या घटना का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया। हालांकि, यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब रक्फ़ की प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में रक्फ़ से जुड़े कुछ फैसलों और आदेशों पर औपचारिक रूप से आपत्तियां दर्ज कराई थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि दोनों अधिकारियों ने कम से कम 14 बार ऐसे फैसलों या आदेशों पर सवाल उठाए, जिनके बारे में उनका कहना था कि वे उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना लिए या जारी किए गए थे।

देशभर में निर्वाचन आयोग की निगरानी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना और पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करना है। निर्वाचन आयोग के नागरिक सेवा पोर्टल पर **SIR**-2026 के तहत मतदाता अपना नाम खोजने, गणना प्रपत्र भरने और नोटिस के जवाब में दस्तावेज जमा करने जैसी सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

राहुल गांधी पहले भी चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनावों में अनियमितता के आरोप लगाए थे। अब रक्फ़ को लेकर सामने आई रिपोर्टों के संदर्भ में उनका यह सोशल मीडिया संदेश राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। वहीं, **SIR** के तहत कई राज्यों में मतदाता सूची में नाम और विवरण की जांच तथा दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। उदाहरण के तौर पर, निर्वाचन आयोग ने 2026 के रक्फ़कार्यक्रम में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की है।

इस बीच विपक्षी दल **SIR** की प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता और मतदाता अधिकारों से संबंधित सवाल उठा रहे हैं, जबकि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की ओर से मतदाता सूची के सत्यापन और सुधार की प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। राहुल गांधी की पोस्ट ने इस राजनीतिक बहस के बीच एक संक्षिप्त लेकिन चर्चा योग्य संदेश दिया है। हालांकि, उन्होंने अपने संदेश में यह स्पष्ट नहीं किया कि तेज लहरों और उथल-पुथल से उनका सीधा संदर्भ किस मुद्दे से है

पति ने पत्नी को पुल से नीचे धकेला, टापू पर पूरी रात जिंदगी के लिए जूझती रही पत्नी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को एक सनकी पति ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी. आरोप है कि मृत्युंजय महतो नामक शख्स ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को जान से मारने की नीयत से पुल से नीचे धकेल दिया, लेकिन लखिमनी कुमारी की किस्मत अच्छी थी कि ग्रामीणों ने उसे टापू पर देख लिया और उसकी जान बचा ली। महिला के द्वारा पुलिस से की गई शिकायत के अनुसार, शनिवार की रात बहाने से पति मृत्युंजय महतो ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को नदी के किनारे ले गया. जान से मारने की नीयत से उसने लखिमनी को पुल से नीचे धकेल दिया. पुल से नीचे गिरने के बाद लखिमनी पानी के तेज बहाव में बहते हुए एक टापू पर जा फंसी. रात का अंधेरा और चारों ओर पानी होने के कारण वह रात के वक्त वहां से निकल नहीं सकी. पूरी रात वह ठंड में कांपते हुए मदद का इंतजार करती रही। सुबह ग्रामीणों की नजर टापू पर पड़ी महिला पर गई. ग्रामीणों ने जब करीब जाकर देखा तो लखिमनी बेहोशी की हालत में थी. इसके बाद तत्काल उसे वहां से बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया गया. काफी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित टापू से बाहर निकाला गया।

अशोक सिंघल का जीवन त्याग और संघर्ष का प्रतीक : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अशोक सिंघल का संपूर्ण जीवन त्याग, सादगी, धर्मनिष्ठा, उत्कृष्ट राष्ट्रभक्ति और स्वयंसेवकत्व का अद्वितीय उदाहरण रहा है। आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा और प्रेरणा देने के लिए अशोक सिंघल का जीवन-दर्शन जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह आज दिल्ली स्थित भारत मंडपम में विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) के वरिष्ठ प्रचारक एवं रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार दिवंगत अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ 100 वैदिक आचार्यों द्वारा शंखनाद और मंत्रोच्चार के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि शाह ने अशोक सिंघल के साथ अपने व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए उनके अप्रतिम त्याग को रेखांकित करते हुए कहा, जब कांग्रेस पार्टी ने मुझे जेल में डाला और मैं दिल्ली में तीन साल के संकट के दौर से गुजर रहा था, तब मैं अक्सर विहिप कार्यालय में उनसे मिलने जाता था। इतने समृद्ध परिवार से आने के बावजूद वे 20 वर्गमीटर के एक छोटे-से कमरे में रहते थे, जहां एक ही जगह रसोई, बिस्तर और स्नानघर था। उन्होंने अपने जीवन के 20 वर्ष इसी सादगी के साथ उसी कमरे में बिताए।

उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल की केंद्रीय भूमिका का उल्लेख किया और कहा कि 550 वर्षों के संघर्ष और बलिदान के बाद आज जो भव्य राममंदिर का निर्माण हुआ है, उसकी नींव में उनका संकल्प रचा-बसा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन दौर का स्मरण कराते हुए कहा कि जब कारसेवकों पर निर्मम लाठीचार्ज किया जा रहा था, तब वे भेष बदलकर मोर्चे पर डटे रहे। सिर पर गहरी चोट लगने के बाद जब खून बहने लगा, तो उन्होंने गमछे से खून पोंछते हुए संघर्ष जारी रखा। यह दृश्य राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा था, जिसे आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी।

एक सच्चे स्वयंसेवक के अनुशासन का उदाहरण देते हुए गृह मंत्री ने एक कार्यक्रम का संस्मरण सुनाया। उन्होंने बताया कि गंभीर अस्वस्थता और सांस फूलने के बावजूद जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने उनसे गीत गाने का आग्रह किया तो अशोक सिंघल ने तुरंत माइक संभालते हुए कहा जब सरसंघचालक जी ने कह दिया तो मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचता। यह भाव केवल एक निष्ठावान और समर्पित स्वयंसेवक के भीतर ही हो सकता है।

22 अक्टूबर से सभी सरकारी-गैरसरकारी स्वास्थ्य सेवा ठप करने की चेतावनी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेस एसोसिएशन (झासा) और झारखंड इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की संयुक्त बैठक के बाद बड़ा ऐलान हुआ है. मांगें पूरी नहीं होने पर 22 अक्टूबर से राज्य की सभी सरकारी और प्राइवेट स्वास्थ्य सेवाएं ठप कर दी जाएंगी. यह घोषणा आईएमए और झासा ने संयुक्त रूप से की है.

चरणबद्ध आंदोलन से सरकार को मिलेगा मौका

पूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था ठप करने से पहले आईएमए और झासा जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे. काला बिल्ला लगाकर सेवा देंगे और कई चरणबद्ध आंदोलन करेंगे. इससे सरकार को मौका मिलेगा कि वह राज्य के चिकित्सकों की मांगें मान ले।

आईएमए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने की घोषणा

आज की बैठक में विशेष रूप से शामिल होने के लिए रांची आए आईएमए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. धन्वंतरी तिवारी ने बैठक के बाद इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड के डॉक्टरों का आंदोलन इतना व्यापक होगा कि सिर्फ सरकारी अस्पतालों को छोड़कर निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और निजी क्लिनिक में इमरजेंसी सेवा भी ठप कर दी जाएगी।

मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और उच्च शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता पर डॉ. अमित कुमार पांडेय सम्मानित

काके टॉक्स के 'संवाद' कार्यक्रम में शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और झारखंड की प्रतिभाओं को अवसर देने के संकल्प को मिला सम्मान

उज्जवल दुनियां संवाददाता

राँची। रांची के सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल में कांके टॉक्स द्वारा आयोजित 'संवाद' कार्यक्रम में शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों को विशेष सम्मान मिला। इस अवसर पर आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, रांची के प्रोल उप-कुलपति (प्रो-वाइस चांसलर) डॉ. अमित कुमार पांडेय को प्रतिष्ठित कांके टॉक्स संवाद सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। डॉ. अमित कुमार पांडेय को यह सम्मान उच्च शिक्षा के माध्यम से झारखंड के युवाओं को सशक्त बनाने, मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने तथा शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सकारात्मक पहल को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा जी ने स्वयं मंच पर डॉ. अमित कुमार पांडेय को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री महेश पोद्दार, पद्म श्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक श्री बलबीर दत्त तथा पद्म श्री से सम्मानित प्रसिद्ध नागपुरी लोक कलाकार एवं गायक श्री मुकुंद नायक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'प्रतिभा को पहचान, सम्मान और अवसर देना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी' सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. अमित कुमार पांडेय ने कहा–

'राज्य के मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पहचान, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर दिलाना केवल हमारा दायित्व ही नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। प्रतिभा को सही दिशा और उचित मंच मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, रांची विद्यार्थियों के हितों और उज्ज्वल भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, कौशल विकास, उचित मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।' उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि (डिग्री) प्राप्त करना नहीं, बल्कि युवाओं को ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य के साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 'आज की प्रतिभा ही कल का सशक्त झारखंड और मजबूत भारत बनाएगी'

डॉ. पांडेय ने कहा–

'आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, रांची का संकल्प है कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके कौशल, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का भी समग्र विकास हो। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर अपने सपनों को साकार करें और झारखंड के विकास तथा देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।'

उन्होंने आगे कहा–

'हमारा विश्वास है कि आज का प्रतिभाशाली विद्यार्थी ही कल का सशक्त झारखंड और मजबूत भारत बनाएगा। हमारा संकल्प है–झारखंड की प्रतिभा को अवसर देना, युवाओं को सक्षम बनाना और उनके सपनों को उड़ान देना। विद्यार्थियों की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके परिवार, समाज, झारखंड और देश की प्रगति की शक्ति बनेगी। विद्यार्थियों की सफलता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि और हमारी प्रतिबद्धता की सबसे सशक्त पहचान होगी।'

शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा 'संवाद'

कांके टॉक्स का 'संवाद' कार्यक्रम शिक्षा, सामाजिक सरोकार, युवा सशक्तिकरण और झारखंड की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन, युवाओं के लिए बेहतर अवसरों के निर्माण तथा झारखंड की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, रांची विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, कौशल विकास, उचित मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर मजबूत करने के लिए कार्यरत है।

बीआईटी मेसरा में एयरोस्पेस सोसाइटी द्वारा 'एरोकॉन' का तीन दिवसीय आयोजन

उज्जवल दुनियां संवाददाता

राँची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा की एयरोस्पेस सोसाइटी द्वारा 'एरोकॉन' के तीन दिवसीय आयोजन के दौरान एरियल टेक्नोलॉजी, विमानन, रॉकेट्री और तकनीकी नवाचार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एरोकॉन के पहले चरण का आयोजन 25 सितंबर 2026 को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शाम *5:30 बजे एक शानदार ड्रोन शो के साथ हुई, जिसमें एरियल टेक्नोलॉजी और शानदार तालमेल का प्रदर्शन किया गया। उद्घाटन की इस शानदार शाम ने एरोकॉन को तकनीकी नवाचार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया और आधुनिक विमानन प्रौद्योगिकी की अपार संभावनाओं को उजागर किया।

एरोकॉन के दूसरे दिन का शुभारंभ 26 सितंबर 2026 को सुबह 10:00 बजे हुआ। दिन की शुरूआत प्रथम कार्यक्रम 'सिमुलेशन जीरो' से हुई, जो सुबह 10:00 बजे आयोजित किया गया। प्रतिभागियों को सिम्युलिंक की मूलभूत अवधारणाओं पर एक कार्यशाला प्रदान की गई, जिसके बाद दोपहर 12:00 बजे प्रतियोगिता शुरू हुई। शीर्ष तीन विजेताओं को पिज्जा और आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। दूसरा कार्यक्रम एरोबिड वर्ष दोपहर 1:00 बजे आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक विमान नीलामी पर आधारित था, जिसमें प्रतिभागियों को एक मिशन उद्देश्य दिया गया। उन्हें विभिन्न विमान पुर्जों की नीलामी में भाग लेकर ऐसे पुर्जे. खरीदने थे, जिनकी सहायता से वे दिए गए मिशन को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त विमान तैयार कर सकें। सबसे अच्छा विमान विजेता घोषित किया गया। दिन का तीसरा कार्यक्रम स्काई ब्रीच था, जो दोपहर 3:00 बजे आयोजित हुआ। यह एक मॉडल रॉकेट निर्माण कार्यशाला एवं प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वयं मॉडल रॉकेट तैयार किए और अपनी तकनीकी एवं रचनात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। एरोकॉन के दूसरे दिन का सफलतापूर्वक समापन हुआ और इसने उद्घाटन दिवस से बनी शानदार गति को और आगे बढ़ाया।

आरपीएफ मुरी ने ईमानदारी और तत्परता की मिसाल पेश करते हुए महिला यात्री को सामान

उज्जवल दुनियां संवाददाता

मुरी। ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ मुरी ने ईमानदारी और तत्परता की मिसाल पेश की है। ट्रेन में छूटे लगभग 5.25 लाख रुपये मूल्य के स्वर्ण-आभूषण और नकद राशि को बरामद कर महिला यात्री को सुरक्षित लौटाया गया। जानकारी के अनुसार शोभा देवी (50), पति सपन कुमार दत्ता, थाना सिल्ली, जिला रांची, अपने परिवार के साथ ट्रेन संख्या 18427 पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थीं। मुरी स्टेशन पर उतरने के दौरान उनका एक बैग ट्रेन में ही छूट गया। बैग में सोने-चांदी के आभूषण और नकद रखे थे। सूचना मिलते ही पोस्ट कमांडर संजीव कुमार ने एसआई रवि शंकर, एसआई अश्विनी कुमार, एसआई एस.के. सिंह, कांस्टेबल अनूप कुमार, धर्मेंद्र कुमार तथा जीआरपी के एसआई कलीमुल्लाह खान और एएसआई एस. सिंह को कार्रवाई का निर्देश दिया। आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त टीम ने त्वरित समन्वय से बैग को ट्रेस कर बरामद किया। बैग में 2 सोने की चेन, 1 हार, 1 जोड़ी बाली, 3 अंगूठियां, 1 अन्य स्वर्ण आभूषण, 1 चांदी की वस्तु, 23,200 रुपये नकद और अन्य सामान थे। सत्यापन के बाद पूरा सामान शोभा देवी को सौंपा गया। यात्री ने आरपीएफ और जीआरपी को धन्यवाद दिया।

बीसीआई प्लेटिनम का 'पावर वन टू वन' कार्यक्रम आयोजित

राँची। बीसीआई प्लेटिनम की ओर से अमोन मार्केटिंग मॉड्यूलर किचन शोरूम, करमटोली रोड में 'पावर वन टू वन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमोन मार्केटिंग के निदेशक अमित कुमार पाठक ने प्रतिष्ठान में उपलब्ध कुचिना ब्रांड के मॉड्यूलर किचन की विशेषताओं, उपयोगिता, उपलब्धता और कीमतों की जानकारी दी। इस दौरान बीसीआई द्वारा रेफरल मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों और वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में बीसीआई के निदेशक शिव कुमार सिंह, अजय कुमार, परामर्शी राजीव शर्मा, अध्यक्ष सुनील कालरा, उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश गुप्ता, सचिव सुबोध कुमार वर्मा, डॉ. अरविंद आर्या सहित करीब 40 सदस्य शामिल हुए। संजय साहू ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रावण दहन 20 अक्टूबर को मोहराबादी मैदान में, भव्य आयोजन की तैयारी

उज्जवल दुनियां संवाददाता

राँची। पंजाबी हिन्दू बिरादरी, दशहरा कमेटी-2026 की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को पंजाबी भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बिरादरी के अध्यक्ष कुणाल अजमानी ने की। बैठक में इस वर्ष के दशहरा महोत्सव एवं रावण दहन कार्यक्रम को और अधिक भव्य, आकर्षक एवं दर्शनीय बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अधर्म पर धर्म की जीत, शक्ति एवं समर्पण के प्रतीक के रूप में रावण दहन का आयोजन 20 अक्टूबर 2026 को मोहराबादी मैदान में भव्य रूप से किया जाएगा। दशहरा कमेटी के अनुसार इस बार रावण दहन समारोह में रावण दहन एवं श्रीराम की विजय को आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें श्री राम दरबार, श्रीराम जी की जीवंत मूर्ति तथा रावण वध की जीवंत झांकी प्रमुख आकर्षण होंगे। समिति ने बताया कि इस वर्ष आयोजन स्थल पर रावण एवं लंका की संरचना तथा सज्जा को विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है, ताकि दर्शकों को पहले से अलग और नवीन अनुभव प्राप्त हो। आयोजन को अधिक प्रभावशाली एवं यादगार बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम में भव्य आकाशीय पायरो आतिशबाजी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी मुखर्जी फायरवर्क्स, कोलकाता को दी गई है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष विशेष लेजर शो भी आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगा। समिति का उद्देश्य रावण दहन कार्यक्रम को गरिमापूर्ण, मनोरंजक और यादगार स्वरूप प्रदान करना है।

टुंडी पंचायत सचिवालय के समक्ष विशालकाय वृक्ष गिरा, एक घंटे तक आवागमन बाधित

उज्जवल दुनियां संवाददाता

टुंडी। टुंडी प्रखंड मुख्यालय एवं थाना के बीच पंचायत सचिवालय के समक्ष शनिवार, लगातार चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और तेज आंधी-तूफान के कारण एक विशालकाय लिप्टस का पेड़ अचानक मुख्य मार्ग पर गिर गया। पेड़ गिरने से मुख्य सड़क पर करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी नरम हो जाने से विशाल पेड़ की जड़ कमजोर हो गई और वह सड़क की ओर जा गिरा। संयोगवश बारिश के कारण उस समय सड़क पर सामान्य दिनों की अपेक्षा आवागमन कम था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पेड़ गिरने से पंचायत सचिवालय की चारदीवारी को आंशिक क्षति पहुंची। वहीं, पास स्थित अर्जुन मंडल के भवन पर पेड़ गिरने से भवन को भी काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद टुंडी पंचायत की मुखिया रेखा देवी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय के माध्यम से सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि पंचायत सचिवालय परिसर में स्थित ऐसे सभी बड़े एवं जर्जर पेड़ों का यथासंभव निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कटाई कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके।

टुंडी थाना के मुख्य द्वार के सामने खड़े भारी वाहन दे रहे हादसों को न्योता

सड़क सुरक्षा को लेकर समाज सेवी नवीन चंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री से संज्ञान लेने की मांग की

टुंडी। टुंडी थाना के मुख्य द्वार के आसपास भारी-भरकम वाहनों का अक्सर सड़क किनारे खड़ा रहना सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। थाना के आसपास ही इस तरह बड़े वाहनों का जमावड़ा छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाओं को आमंत्रण देता प्रतीत होता है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि आखिर हादसा होने से पहले ऐसे वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? सड़क हादसों में आए दिन गरीब, मजदूर और सामान्य परिवारों के लोगों की जान चली जाती है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक चर्चा और कार्रवाई होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद मामला शांत हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि सड़क हादसों की रोकथाम के लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था कब लागू होगी? सड़क पर खड़े ट्रक, कंटेनर और अन्य भारी वाहनों के कारण पीछे से टक्कर की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। यदि कोई वाहन खराब होकर सड़क पर खड़ा है, तो उसे तत्काल हटाने की व्यवस्था होनी चाहिए। जब तक वाहन हटाया नहीं जाता, तब तक उसके पीछे पर्याप्त रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेतक, बैरियर और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का सवाल है कि ऐसी स्थिति में पुलिस, परिवहन विभाग और संबंधित सड़क सुरक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी क्या है? क्या विभागों की जवाबदेही केवल दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित है? यदि हादसे से पहले ही संभावित खतरे वाले स्थानों की पहचान कर कार्रवाई की जाए, तो कई दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। टुंडी थाना क्षेत्र के अलावा बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के खरनी, लोहारबरवा, किसान चौक से लेकर अजबडीह तक जीटी रोड के कई हिस्सों में सड़क किनारे भारी वाहनों के खड़े रहने की समस्या देखने को मिलती है। कई स्थानों पर बड़े वाहन सड़क के किनारे इस तरह खड़े रहते हैं कि पीछे से आने वाले वाहन चालकों को पर्याप्त दूरी से उनका पता नहीं चल पाता। ऐसी स्थिति विशेषकर रात के समय और कोहरे अथवा कम दृश्यता के दौरान और अधिक खतरनाक हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जीटी रोड को पार्किंग स्थल की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए। टुंडी थाना क्षेत्र और आसपास के इलाकों में सड़क पर खड़े भारी वाहनों से पीछे से टक्कर की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। थाना के सामने हजारीबाग पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी की गाड़ी के पीछे खड़े ट्रक से टकराने की घटना में एक पुलिस अधिकारी की मृत्यु होने की बात भी सामने आ चुकी है। इसके अलावा सड़क पर खड़े कोयला ट्रकों में पीछे से पिकअप वैन एवं अन्य वाहनों के टकराने की घटनाओं में भी लोगों की जान जाती रही है। ऐसे में सवाल यह है कि लगातार सामने आ रही घटनाओं के बावजूद प्रशासन इनसे स्थायी रूप से सबक लेकर सड़क सुरक्षा की व्यवस्था को मजबूत क्यों नहीं कर पा रहा है? हाल के दिनों में भीषण सड़क हादसे में मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह की कनिष्ठ पुत्री के निधन से परिवार गहरे सदमे में है। अपनों को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है। लेकिन सवाल केवल एक हादसे का नहीं है। सवाल यह है कि अगला घर उजड़ने से पहले प्रशासन जागेगा या फिर किसी और हादसे का इंतजार किया जाएगा? लम्बा सफर परिवार एवं नवीन चन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि जीटी रोड सहित प्रमुख सड़कों पर यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अत्यधिक गति पर नियंत्रण के लिए ऑटोमेटिक स्पीड कैमरे और निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए तथा सड़क पर अवैध पार्किंग करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जाए। साथ ही खराब होकर सड़क पर खड़े वाहनों के लिए तत्काल सहायता एवं हटाने की व्यवस्था, पर्याप्त रिफ्लेक्टर, चेतावनी बोर्ड, बैरियर और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। समाज सेवी नवीन चन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि सड़क सुरक्षा को लेकर स्पष्ट नियम बनाकर पुलिस, परिवहन विभाग और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

एक नजर

श्री जीण माता जी का मंगल पाठ मधुर भजनों से झूमे श्रद्धालु

राँची। श्री जीण माता प्रचार समिति रांची के तत्वाधान में आदि शक्ति श्री जीण माता जी के मंगल पाठ का आयोजन स्थानीय मारवाड़ी भवन हरमू रोड के प्रथम तल पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संध्या 4:00 बजे माता की ज्योत प्रज्वलित करके किया गया जिसके बाद पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं द्वारा मंगल पाठ का वाचन प्रारंभ हुआ। पाठ वाचन श्रीमती नूतन शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल,उपाध्यक्ष श्री विजय पालड़ीवाल, सचिव श्री नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष श्री बजरंग सोमानी,सह सचिव श्री प्रदीप शर्मा, संदीप अग्रवाल, संदीप शर्मा,विनोद अग्रवाल, संदीप विजयवर्गीय, शिव शर्मा, रमेश सोमानी, कविता, सुनीता,रितु, सविता, निधि, ऊषा, मीनू, ज्योति, सरिता, नीरा आदि सदस्य ने सहयोग दिया।

बैंक ऑफ इंडिया और झारखंड सरकार के बीच JeGRAS के लिए एमओयू : झारखंड सरकार के कर एवं गैर-कर राजस्व संग्रह को मिलेगी 2477 डिजिटल सुविधा

राँची। राज्य के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और झारखंड सरकार के वित्त विभाग के बीच झारखंड इलेक्ट्रॉनिक गवर्नमेंट रिसीट अकाउंटिंग सिस्टम (खीत्र्प्रम्अर) के तहत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के साथ बैंक ऑफ इंडिया को JeGRAS के लिए एजेंसी बैंक के रूप में जोड़ा गया है। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर झारखंड सरकार के वित्त विभाग की ओर से अपर सचिव श्री कर्ण सत्यार्थी एवं संयुक्त सचिव श्रीमती ज्योति कुमार झा उपस्थित रहीं। बैंक ऑफ इंडिया की ओर से फील्ड महाप्रबंधक श्री गुरु प्रसाद गोंड, श्री अमित भदानी, आंचलिक प्रबंधक, राँची अंचल सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित टीम उपस्थित रही। इस समझौते के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया झारखंड सरकार के कर एवं गैर-कर राजस्व के डिजिटल संग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। JeGRAS के माध्यम से नागरिकों एवं अन्य करदाताओं को सरकारी राजस्व का भुगतान अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं सुगम तरीके से करने की सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने कहा कि झारखंड सरकार के वित्त विभाग के साथ यह साझेदारी राज्य में डिजिटल बैंकिंग एवं डिजिटल राजस्व संग्रह व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक, सरकार एवं नागरिकों को बेहतर, तेज और सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

टूर एंड ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने पर्यटन दिवस मनाया

राँची। टूर एंड ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने रविवार को विश्व पर्यटन दिवस मनाया। स्टेशन रोड स्थित एसोसिएशन के कार्यालय में सदस्यों के बीच केक काटा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरदीप सहाय ने करते हुए कहा कि झारखंड प्राकृतिक सुंदरता, झरनों, धार्मिक स्थलों, वन्यजीव और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं रखता है। इन पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पर्यटकों को झारखंड की ओर आकर्षित करने के लिए ट्रैवल एजेंटों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में झारखंड में पर्यटन की संभावनाओं और राज्य के पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने पर चर्चा हुई। इसके अलावा पर्यटन क्षेत्र में योगदान देने वाले ट्रैवल एजेंट सदस्यों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सदस्यों ने झारखंड के पर्यटन स्थलों को देश-विदेश में बढ़ावा देने और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। मौके पर राजेश शुक्ला, अनूप खलखो, शुभम सिंह, संजीव रंजन, कौशल मित्तल, सानू, पूनम मधु, अंकित मित्तल, एस.आर. अशोक और नलीन कुमार समेत एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

22 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे झारखंड के डॉक्टर

राँची। झारखंड के विभिन्न चिकित्सक संगठनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर संयुक्त आंदोलन का ऐलान किया है। रविवार को रांची में आयोजित राज्यस्तरीय संयुक्त चिकित्सा बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे डॉक्टरों और चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधियों ने आंदोलन की चरणबद्ध रूपरेखा तय की। संगठनों के अनुसार झारखंड गठन के बाद विभिन्न चिकित्सक संगठनों की यह सबसे बड़ी संयुक्त बैठकों रही। बैठक में डॉक्टरों ने सरकार के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि चिकित्सकों की सुरक्षा, सेवा शर्तों और स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। बैठक में संयुक्त कोऑर्डिनेशन कमेटी गठित करने और साझा एजेंडे के तहत आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में डॉक्टरों की सुरक्षा एवं संरक्षण को प्रमुख मुद्दा बनाया गया।

निरसा खटाल में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प

निरसा बाजार। रविवार की सुबह निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत निरसा खटाल पूरी तरह से राणाक्षेत्र में बदल गया जहां दो पक्षों के बीच जमकर पत्थर बाजी हुई इस पत्थर बाजी में दर्जनों लोग घायल हुए जिनमें बच्चे बूढ़े महिलाएं नौजवान शामिल है वही कई आवास में भी तोड़फोड़ की गई। घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है जब निरसा खटाल और बिजली विभाग के कार्यालय के समीप स्थित एक चौरसिया परिवार का मकान और जमीन पर अपने कब्जे को लेकर खटाल के ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए इस भिड़ंत में दोनों तरफ से जमकर पत्थर बाजी हुई और देखते ही देखते कई लोग घायल हो गए और पूरी सड़क पत्थर से भर गए । घटना की सूचना मिलने पर निरसा पुलिस की गश्ती दल वहां पहुंची और पुलिस दल को भी उस पत्थरबाजी का सामना करना पड़ा जिसमें कई पुलिस वाले भी घायल हुए हालांकि अतिरिक्त सुरक्षा बल मंगा कर पूरी स्थिति पर पुलिस ने नियंत्रण किया और वहां कैंप लगा दिया। फिलहाल मौके से कई लोग फरार है वहीं कई लोग थाना पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करने में लगे हैं।

कांग्रेस की भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त : आदित्य

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि लगातार चुनावी पराजय से कांग्रेस हताश और बौखला गई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस को बार-बार नकार रही है, जिससे वह संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी खीझ निकाल रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में रविवार को आदित्य साहू ने कहा कि चुनाव आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना कांग्रेस की राजनीतिक हताशा का परिचायक है। कांग्रेस जनता को भ्रमित करने के लिए झूठ और भ्रामक प्रचार का सहारा ले रही है। लूट, झूठ और फरेब कांग्रेस पार्टी के स्वभाव में शामिल है। ये लोग झूठ बोलकर देश की जनता को गुमराह करते हैं तथा जनता को धोखा देते हैं।

साहू ने कहा कि चुनाव आयोग के आधिकारिक संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन के झूठ का पदार्फाश हुआ और कांग्रेस की भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की बैठक और संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। कांग्रेस का झूठ बेनकाब हो गया। तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत सभी फैसले निष्पक्ष थे और चुनावी प्रक्रिया पर कांग्रेस के द्वारा सवाल उठाना उनकी हताशा का प्रतीक है।

साहू ने कहा कि कैबिनेट सचिव को लिखा पत्र किसी नीतिगत विषय या एसआईआर से संबंधित नहीं था। एक अखबार की रिपोर्ट कोरी कल्पना पर आधारित गढ़ी गई कहानी से ज्यादा और कुछ नहीं थी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के फॉर्म-6 के घोषणापत्र को उच्चतम न्यायालय पहले ही वैध ठहरा चुका है, विपक्ष की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की साजिश एक बार फिर से नाकाम हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए चुनाव आयोग, उच्चतम न्यायालय और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। चुनाव आयोग की स्पष्टता के बाद कांग्रेस के आरोपों की वास्तविकता सामने आ गई है, ऐसे में कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए।

आदित्य साहू ने कहा कि जब भी विपक्ष जनता की अदालत में पराजित होता है, वह अपनी खीझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगता है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रचार की हवा निकाल दी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों (डॉ. एस. एस. संधू एवं डॉ. विवेक जोशी) की 26 सितंबर को अपराह्न 3 बजे बैठक हुई और उसके बाद एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया है, जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि देश भर में संचालित एसआईआर सहित सभी प्रमुख निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। 24 जून 2025 का मूल आदेश हो, या विभिन्न चरणों (12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों व 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों) की समय-सारणी, सभी निर्णय पूरे आयोग की पूर्ण सहमति से लिए गए हैं।

आदित्य साहू ने कहा कि इतना ही नहीं, उच्चतम न्यायालय ने 27 मई 2026 को इस प्रक्रिया को कानूनी रूप से वैध ठहराया है। इसके बावजूद विपक्ष चुनाव आयोग की निष्पक्षता और प्रक्रियाओं पर झूठा कीचड़ उछालने का घिनौना काम कर रहा था। विपक्ष केवल अफवाहें फैलाता है, जबकि आयोग जमीनी स्तर पर हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। चाहे वह रैन बसेरों, मजदूरों और बेघरों के लिए विशेष कैंप लगाना हो, या छूटे हुए लोगों के घरों पर जाकर बीएलओ द्वारा फॉर्म एकत्र करना हो।

आदित्य साहू ने कहा कि देश की जनता भली-भांति जानती है कि जितने भी राज्यों में चुनाव संपन्न हुए हैं, वे पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से संपन्न हुए हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जब चुनाव हारते हैं, तो कभी ईवीएम पर, कभी संवैधानिक संस्थाओं पर, तो कभी चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाते हैं। चुनाव आयोग के इस पूर्ण और सर्वसम्मत बयान के बाद कांग्रेस नेतृत्व को देश और संवैधानिक संस्थाओं से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

साहू ने कहा कि विपक्ष लगातार फॉर्म-6 को लेकर जनता में भ्रांति पैदा करने का षड्यंत्र रच रहा था। चुनाव आयोग ने दो-टूक कहा है कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 से संलग्न घोषणापत्र को माननीय उच्चतम न्यायालय ने पूर्णतः सही व वैध ठहराया है। गैर-एसआईआर अवधि के लिए नियमों (रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स 1960) के तहत पूर्ववत फॉर्म ही लागू हैं। किसी भी प्रक्रिया में कोई हेरफेर नहीं किया गया है।

भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी और इंडी ठगबंधन के सदस्य बार-बार संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करते रहते हैं। 2024 में ईवीएम को भारतीय लोकतंत्र के लिए 'ब्लैक बॉक्स' बताया था,चुनावी प्रक्रिया और आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया, चुनाव आयोग को सत्ताधारी दल का कठपुतली बता चुके हैं, जबकि चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय बार-बार ईवीएम की सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रमाणित कर चुका है। राहुल गांधी के झूठ को न्याय की अदालत ने खारिज किया है। इन मामलों पर उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी।

आदित्य साहू ने पत्रकारों को याद कराते हुए कहा कि राहुल गांधी के द्वारा देश के प्रधानमंत्री को चौकीदार चोर है कहा गया, राफेल मामले में खून की दलाली का अफवाह फैलाया गया, बालाकोट में भारतीय सैनिकों के द्वारा एयर स्ट्राइक पर भी सवाल उठाया और सबूत मांगा गया, उन्होंने कहा था कि सरकार जवानों के खून की दलाली कर रही है, जिसे सेना के शौर्य का अपमान माना गया।

एक नजर

रांची में सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर की खुदकुशी

रांची। रांची के धुर्वा स्थित तिरिल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में रविवार को एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक जवान की पहचान पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना क्षेत्र स्थित इमलियाटीकर गांव निवासी भुनेश्वर पाल (पिता- रामलखन पाल) के रूप में हुई है। बताया गया कि भुनेश्वर पाल तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपनी आवंटित एके-47 राइफल से गोली चला दी। गोली गर्दन में लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर सीआरपीएफ परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय विधानसभा थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए गए हैं। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट समेत अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। जवान के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान और जांच के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह ने जवान की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जवान की गोली लगने से मौत हुई है। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

चार दिन की बारिश के बाद रांची में मौसम साफ, 28 सितंबर से हल्की बारिश के आसार

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न हिस्सों में पिछले चार दिनों से जारी बारिश के बाद रविवार को मौसम साफ हुआ। सुबह धूप निकलने से लोगों को बारिश से राहत मिली। हालांकि, मौसम विभाग ने 28 सितंबर से राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान किसी जिले के लिए अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, एक जून से 27 सितंबर तक रांची जिले में 1,211.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि रांची शहर में इस अवधि में 1,428.5 मिलीमीटर बारिश हुई। पूरे राज्य में इस अवधि के दौरान सामान्य 1,007.8 मिलीमीटर के मुकाबले 1,001.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। यह सामान्य वषार्पात से करीब एक प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक 45 मिलीमीटर बारिश धनबाद जिले के पुटकी में दर्ज की गई। इस दौरान सरायकेला में राज्य का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि लातेहार में न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 29.6 और न्यूनतम 23.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 30.8 और न्यूनतम 22.6 डिग्री तथा बोकारो में अधिकतम 29.1 और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में राज्य में मौसम सामान्यतः शुष्क रहने के बीच कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

जमशेदपुर गोलीकांड पर बाबूलाल मरांडी ने सरकार को घेरा, कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

रांची। जमशेदपुर के बिंदल मॉल स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी में चार लोगों के घायल होने की घटना को लेकर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आपराधिक घटनाओं के लगातार सामने आने से आम लोगों में भय का माहौल है और यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि झारखंड में आम आदमी आखिर कहां सुरक्षित है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पहले धनबाद में होने वाली आपराधिक घटनाओं को लेकर चर्चा होती थी, लेकिन अब राज्य के दूसरे प्रमुख शहर भी इस तरह की घटनाओं से अछूते नहीं हैं। दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना को लेकर उन्होंने सरकार से कानून-व्यवस्था की स्थिति पर जवाब मांगा। भाजपा नेता ने पुलिस विभाग में अधिकारियों की पोस्टिंग और जिम्मेदारियों के बंटवारे को लेकर भी राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस के महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में योग्यता और अनुभव के बजाय सत्ता के प्रति वफादारी को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था से पुलिस की निष्पक्षता और जवाबदेही पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। बाबूलाल मरांडी ने नीरज सिन्हा के बाद अनुराग गुप्ता और तदाशा मिश्रा जैसे अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बनाए जाने का उल्लेख करते हुए पुलिस के शीर्ष पदों पर नियुक्तियों को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों को पुलिस के शीर्ष पदों पर जिम्मेदारी दिए जाने की व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। नेता प्रतिपक्ष ने वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए से पूछा कि एडीजी स्तर के अधिकारी मनोज कौशिक के पास रांची जोनल आईजी का अतिरिक्त प्रभार क्यों है और रांची में डीआईजी का पद रिक्त रखने का क्या कारण है। उन्होंने मयूर पटेल को दुमका आईजी का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के औचित्य पर भी सवाल उठाया। मरांडी ने कहा कि पुलिस विभाग में अतिरिक्त प्रभार देने का आधार सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने सीआईडी में वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों को महत्वपूर्ण मामलों की जांच की जिम्मेदारी सौंपने की मांग की। साथ ही मयूर पटेल और संजीव कुमार के पूर्व पदस्थापन के दौरान कोयला तस्करी से जुड़े आरोपों का उल्लेख करते हुए उन्होंने पूछा कि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच क्यों नहीं कराई गई। भाजपा नेता ने राकेश बंसल के लंबे समय तक पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहने और माइकल राज जैसे अनुभवी अधिकारियों की जिम्मेदारियों को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। मरांडी ने कहा कि अपराध की घटना के बाद अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजना पर्याप्त नहीं है। अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस पदस्थापन में योग्यता, अनुभव, ईमानदारी और जवाबदेही को प्राथमिकता देना जरूरी है।

रांची रेलवे स्टेशन से अपहत चार वर्षीय बच्चा साहिबगंज से सकुशल बरामद, पांच आरोपित गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर से चार वर्षीय बच्चे के अपहरण मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपहत बच्चे को साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर की सुबह बच्चा रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर था। इसी दौरान उसकी मां के पास नहीं होने का फायदा उठाकर कुछ अज्ञात लोग उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की। विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय गुप्तचर तंत्र के माध्यम से आरोपितों के संबंध में लगातार जानकारी जुटाई। जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर एक आरोपित को धनबाद पुलिस के सहयोग से धनबाद रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया और फिर उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने साहिबगंज पुलिस के सहयोग से साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ में छापेमारी की। यहां से चार अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बच्चे को उसके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस अब अपहरण के पूरे नेटवर्क और घटना के कारणों की जांच कर रही है। मामले में धनबाद, जामताड़ा और साहिबगंज पुलिस के अलावा संथाल परगना के पुलिस महानिरीक्षक का भी विशेष सहयोग रहा। रांची पुलिस ने अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के प्रति आभार जताया है।

एचईसी में सप्लाई कर्मी तुलसी साहू का निधन, साथियों ने जताया आक्रोश

रांची। भारी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) में कार्यरत सप्लाई कर्मचारी तुलसी साहू (सीपीएफ नंबर 4193) का निधन हो गया है। उनके निधन से साथी कर्मचारियों में शोक के साथ-साथ प्रबंधन के प्रति गहरा आक्रोश है। तुलसी साहू हटिया के रहने वाले थे और एचईसी के एफएफपी स्थित गैस प्लांट में कार्यरत थे। करीब छह माह पूर्व पैर में गंभीर चोट लगने के बाद से वे ड्यूटी पर नहीं आ पा रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। परिजनों और साथी कर्मियों का आरोप है कि समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण उनका समुचित इलाज नहीं हो सका। सप्लाई कर्मियों का कहना है कि एचईसी में काम करने वाले हजारों ठेका/सप्लाई कामगारों को महीनों से समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। एचईसी सप्लाई संघर्ष समिति के महासचिव रंथू लोहरा ने भावुक होते हुए कहा, ₹हम दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन हमें समय पर पूरा वेतन नहीं मिलता। अगर वेतन नियमित मिलता, तो शायद तुलसी साहू का बेहतर इलाज हो पाता और उनकी जान बच सकती थी। कर्मचारियों ने प्रबंधन से मांग की है कि, सभी सप्लाई कर्मियों का बकाया वेतन अविलंब जारी किया जाए। हर माह के प्रथम सप्ताह में वेतन भुगतान की स्थायी व्यवस्था की जाए। पुराना पंचिंग कार्ड लागु किया जाय। लोहरा ने कहा कि सप्लाई कर्मियों का दर्द 1960 के दशक से चला आ रहा है।

बी एफ सी एल ने कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति किया गया जागरूक

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में कार्यस्थल पर मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने तथा कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न सुरक्षा जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों को यह संदेश दिया गया कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी और कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।सुरक्षा जागरूकता के तहत **Safety First** घर भी जाना हैह्व थीम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। यमराज के पात्र के माध्यम से यह संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया कि कार्य के दौरान की गई छोटी-सी गलती, लापरवाही अथवा असुरक्षित तरीके से कार्य करना गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ भी दिलाई गई। कर्मचारियों ने कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को रोकने, सभी सुरक्षा नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन करने तथा स्वयं और अपने सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। साथ ही, प्रत्येक दिन सुरक्षित तरीके से कार्य करते हुए सकुशल अपने घर लौटने का संदेश भी दिया गया। इसके अतिरिक्त, क्लासरूम प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को **Movifg Machifery** तथा कार्यस्थल पर मौजूद विभिन्न संभावित खतरों के प्रति जागरूक किया गया। प्रशिक्षण में कर्मचारियों को संभावित खतरों की पहचान, रडढ के अनुसार सुरक्षित तरीके से कार्य करने, उचित नियंत्रण एवं बचाव के उपाय अपनाने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई।

उतना ही लें थाली में, जो व्यर्थ न जाए नाली में : मुकेश काबरा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

माहेश्वरी सभा की संयुक्त बैठक में सेवा कार्यों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा

रांची। श्री माहेश्वरी सभा, रांची की तीनों इकाइयों की संयुक्त बैठक रविवार को माहेश्वरी भवन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने की। इस दौरान सभा की ओर से संचालित विभिन्न सेवा योजनाओं, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों और आगामी आयोजनों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुकेश काबरा ने कहा कि समाज की ओर से संचालित सेवा और सामाजिक जागरूकता के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने विवाह समेत अन्य सामाजिक आयोजनों में भोजन की बबार्दी रोकने पर जोर देते हुए उतना ही लें थाली में, जो व्यर्थ न जाए नाली में अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि भोजन की बबार्दी रोकना केवल संसाधनों की बचत नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है।

बैठक में माहेश्वरी भवन के सामने संचालित अन्नपूर्णा सेवा तथा लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में चल रहे एक्यूप्रेशर सेवा केंद्र और जेनेरिक दवाखाना को और प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। संबंधित उपसमितियों को इन सेवा कार्यों का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में जन्माष्टमी, भगवान की छठी, स्वर्ण भूमि में भजन जैमिंग और बाल कांवड़ यात्रा सहित पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। मीडिया प्रभारी रोहित शारदा, गिरिजा शंकर पेड़ीवाल और रश्मि मालपानी ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों को अधिक व्यवस्थित और व्यापक स्तर पर आयोजित करने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में 17 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित गौ रक्षा अभियान में माहेश्वरी समाज की भूमिका को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। वहीं, 20 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मी नारायण मंदिर में शस्त्र पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए अशोक साबू को संयोजक बनाया गया है। इस अवसर पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में विजयी समाज के राम बांगड़ और राहुल साबू को सम्मानित किया गया। बैठक का संचालन सचिव मनोज कल्याणी ने किया, जबकि कोषाध्यक्ष मनोज काबरा ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में सभा के करीब 55 सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामगढ़ व्यवहार न्यायालय परिसर में जी+3 जिला अधिवक्ता संघ भवन का भव्य शिलान्यास

झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर रखी आधारशिला

रामगढ़। जिला अधिवक्ता संघ, रामगढ़ के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित एक भव्य एवं गरिमामय समारोह के दौरान निर्मित होने वाले प्रस्तावित जी+3 जिला अधिवक्ता संघ भवन का शिलान्यास संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति सह रामगढ़ जिले के जोनल जज दीपक रोशन ने विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर नए भवन की आधारशिला रखी। न्याय केवल अधिकार नहीं एक उत्तरदायित्व भी है तथा सशक्त अधिवक्ता, सशक्त न्याय, सशक्त समाज जैसे प्रेरणादायी संदेशों के साथ आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आत्मीय स्वागत से हुआ। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को पौधे भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति दीपक रोशन एवं उनकी धर्मपत्नी सारिका भूषण की गरिमामय उपस्थिति रही। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथियों के रूप में मो० तौफीकुल हसन (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़) ऋतुराज (उपायुक्त रामगढ़), मुकेश कुमार लुनायत, (पुलिस अधीक्षक रामगढ़), राजीव आनंद (प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, रामगढ़) तथा विशाल श्रीवास्तव (अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम) उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने अधिवक्ताओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि एक सशक्त और जीवंत न्याय प्रणाली की रीढ़ उसके अधिवक्ता होते हैं। आम जनमानस को सुगम, त्वरित, पारदर्शी और न्यायसंगत राहत दिलाने में अधिवक्ताओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य माहौल और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त आधारभूत संरचना प्रदान करना वर्तमान समय की अनिवार्य मांग है। यह प्रस्तावित जी+3 बहुमंजिला अधिवक्ता भवन न केवल वकीलों को बैठने, अध्ययन करने और दैनिक न्यायिक कार्यों के सुचारू संपादन हेतु एक सर्वसुविधायुक्त मंच प्रदान करेगा, बल्कि रामगढ़ जिले में न्यायिक व्यवस्था के बुनियादी ढांचे को एक नया आयाम भी देगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो० तौफीकुल हसन ने कहा कि न्याय प्रक्रिया को सुगम और प्रभावी बनाने के लिए पीठ और बार के बीच बेहतर समन्वय एवं तालमेल अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बल दिया कि जब न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करते हैं, तो आम जनता को त्वरित और सुलभ न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने नए भवन के शिलान्यास पर सभी अधिवक्ताओं को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यह नई आधारभूत संरचना न्यायिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगी। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि उपायुक्त ऋतुराज ने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशासन न्यायपालिका के साथ निरंतर सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज और न्यायालय के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। इस जी+3 अधिवक्ता संघ भवन के निर्माण से न केवल स्थानीय अधिवक्ताओं बल्कि दूर-दराज से आने वाले वकीलों व फरियादियों दोनों को ही कार्य निष्पादन में अत्यधिक सहूलियत मिलेगी।

एग्रीमेंट के सहारे खड़ी कर दी करोड़ों की इमारतें!

हजारीबाग की 796.17 एकड़ खास महल जमीन का सर्वे जारी, दीपूगढ़ा समेत कई इलाकों में कब्जे का आरोप

अजय निराला/उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शहर की जमीनों को लेकर चल रही प्रशासनिक कवायद के बीच अब खास महल की जमीन का मामला सबसे बड़ी चर्चा बन गया है। हजारीबाग के 22 मौजों में फैली करीब 796.17 एकड़ खास महल भूमि की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रशासन ने व्यापक सर्वे शुरू किया है।

सूत्रों के अनुसार सर्वे में सरकारी रिकॉर्ड और मौके की स्थिति का मिलान किया जा रहा है। लीज, नामांतरण, हस्तांतरण, उपयोग में बदलाव, पुनर्ग्रहण और अतिक्रमण जैसे सभी बिंदुओं की गहराई से जांच हो रही है। इसी जांच के बीच शहर के दीपूगढ़ा समेत कई पॉश इलाकों में खास महल जमीन पर कब्जे और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों के निर्माण की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि 11 महीने के साधारण इकरारनामे (एग्रीमेंट) के आधार पर वर्षों से जमीन पर कब्जा जमाए रखा गया और उसी पर बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर दी गईं।

कागज छोटा, दावा बड़ा!

मामले की सबसे अहम कड़ी इकरारनामा और वैध सरकारी लीज के बीच का अंतर है। राजस्व जानकारों के अनुसार किसी जमीन के संबंध में सिर्फ एक एग्रीमेंट होना अपने आप में सरकारी जमीन पर मालिकाना हक का प्रमाण नहीं है। खास महल जमीन की वैधता के लिए मूल राजस्व रिकॉर्ड, लीज की शर्तें और नवीनीकरण देखना अनिवार्य है।यही वजह है कि सर्वे की प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो जाती है। अगर किसी भूखंड पर वर्षों से मकान, व्यावसायिक परिसर या होटल बना है, तो प्रशासन को यह देखना होगा कि निर्माण किस अधिकार और किस अनुमति के आधार पर हुआ।

पांच टीमों ने संभाला मोर्चा

जून में प्रशासन ने इसके लिए पांच विशेष टीमें गठित की थीं। प्रत्येक टीम में पदाधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक, अमीन, फोटोग्राफर और चौकीदार को शामिल किया गया है। टीमों को भौतिक सत्यापन के साथ अभिलेखों की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी खास महल भूमि के लीज विवरण और करीब 136 एकड़ पुनर्ग्रहित भूमि की सूची सार्वजनिक की गई है।

झंडा चौक की 96 डिसमिल जमीन भी रडार पर

सितंबर में झंडा चौक इलाके की करीब 96 डिसमिल खास महल जमीन (खाता नं. 124) की दोबारा पैमाइश और रिकॉर्ड मिलान की कार्रवाई भी हुई है। प्रशासन का कहना है किरिकॉर्ड और मौके की स्थिति का मिलान होने के बाद ही अंतिम तस्वीर स्पष्ट होगी।

अब सर्वे रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

खास महल का मामला इसलिए अहम है क्योंकि शहर के विकसित इलाकों में जमीन की कीमत करोड़ों में है। ऐसे में गलत दस्तावेज के आधार पर कब्जे का आरोप केवल जमीन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे जुड़े खरीदारों और निर्माण की अनुमति पर भी सवाल खड़े होते हैं। अब असली सवाल यही है- सर्वे पूरा होने के बाद कितनी जमीन वैध लीज पर मिलेगी और किन मामलों में कार्रवाई होगी? इसका जवाब अंतिम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

नोटः इस खबर में जमीन पर कब्जे और निर्माण से जुड़े आरोप उपलब्ध शिकायतों और प्रशासनिक जांच के आधार पर लिखे गए हैं। किसी व्यक्ति या निर्माण को अवैध ठहराने का अंतिम निर्णय सक्षम प्राधिकारी/न्यायालय का होगा।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पहले पेड़ से टकराई, फिर चापाकल में जा घुसी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बरही। बरही-धनबाद रोड स्थित ओल्ड जीटी रोड की जर्जर स्थिति से स्थानीय ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने के कारण आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सड़क की बदहाल स्थिति को देखते हुए अब ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग का इंतजार करने के बजाय स्वयं पहल शुरू कर दी है। ग्रामीणों द्वारा सड़क पर बने गड्ढों में सीमेंट और गिट्टी डालकर उन्हें भरने का काम किया जा रहा है। उनका कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है और बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ओल्ड जीटी रोड क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। कई बार वाहन अनियंत्रित होने की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए समस्या और अधिक गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की है, लेकिन लंबे समय से उचित मरम्मत नहीं होने के कारण उन्हें अपने स्तर से गड्ढे भरने पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सीमेंट और गिट्टी से गड्ढों को भरकर फिलहाल सड़क को आवागमन के लिए सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों को तत्काल राहत मिल सके। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से ओल्ड जीटी रोड की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर जल्द से जल्द सड़क की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल गड्ढों को भरने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सड़क की गुणवत्ता के साथ पुनर्निर्माण या आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य कराया जाना जरूरी है। नितेश मालाकर योगेश कुमार, नीरज सिंह ने गढ़े को भरवाते हुए कहा कि सड़क की बदहाली के कारण आम लोगों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों द्वारा अपने स्तर से गड्ढे भरना मजबूरी है, ताकि सड़क पर आवागमन कुछ हद तक सुगम हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

24 घंटे में लापता लड़की को बड़कागांव पुलिस ने सकुशल खोज निकाला

तकनीकी शाखा की मदद से मिली सफलता, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव थाना क्षेत्र से लापता हुई एक लड़की को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार, 27 सितंबर को पुलिस ने लड़की को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार, लड़की के लापता होने को लेकर 26 सितंबर को बड़कागांव थाना में आवेदन दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने तत्काल सनहा दर्ज कर पुलिस टीम को लड़की की तलाश में लगाया। पुलिस ने तकनीकी शाखा की सहायता से उपलब्ध जानकारी के आधार पर तलाश तेज की और लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे परिजनों को सौंप दिया गया। लड़की के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

मुर्गी फार्म में चोरी कांड का पुलिस ने किया खुलासा

50-50 किलो का 21 बोरा मुर्गी दाना बरामद, घटना में प्रयुक्त स्मार्टफोन भी जब्त

गिद्धौर थाना क्षेत्र से चोरी कर सदर इलाके में किया गया था मुर्गी दाना डंप, प्रभारी एसडीपीओ नें किया खुलासा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

चतरा। जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र में मुर्गी फार्म से हुए मुर्गी दाना चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सदर थाना क्षेत्र के डहुरा गांव निवासी अरविंद कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके निशानदेही पर मुर्गी फार्म से चोरी किया गया 50-50 किलो का 21 बोरा मुर्गी दाना बरामद किया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्मार्टफोन भी जब्त किया है।गिद्धौर थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिमरिया के प्रभारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के सलिमपुर मोड़ के पास पेक्सा गांव जाने वाली सड़क के किनारे आमतारी स्थित मुर्गी फार्म से चोरी हुआ मुर्गी दाना सदर थाना क्षेत्र में छुपाकर रखा गया है। उन्होंने बताया कि सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस निरीक्षक, सदर अंचल, वीरेंद्र हांसदा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम में गिद्धौर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री, सहायक अवर निरीक्षक रंजय कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्रभारी एसडीपीओ ने बताया कि टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सदर थाना क्षेत्र के तुराग गांव में छापेमारी कर संदिग्ध अरविंद कुमार यादव को हिरासत में लिया। जिसके बाद पूछताछ के आधार पर उसके निशानदेही पर चोरी का पूरा 21 बोरा मुर्गी दाना बरामद कर लिया गया।

चोरी, अवैध भंडारण और आपराधिक गतिविधियों पर पुलिस सख्त : एसडीपीओ

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रभारी एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने सख्त लहजे में कहा कि चोरी, अवैध भंडारण और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस सूचना के आधार पर लगातार कार्रवाई कर रही है और ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि गिद्धौर थाना में बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले रविवार को खुलीं बैंक शाखाएं, ग्राहकों को मिली बड़ी राहत

पुलिस ने कई बैंकों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बरती विशेष सतर्कता

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव 28 से 30 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए रविवार, 27 सितंबर को बड़कागांव क्षेत्र की विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक शाखाएं खुली रहीं। लगातार अवकाश और प्रस्तावित हड़ताल के कारण ग्राहकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए बैंकिंग सेवाएं चालू रखी गईं, ताकि लोग हड़ताल से पहले अपने जरूरी वित्तीय कार्य निपटा सकें। गौरतलब है कि 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार होने के बाद 28 से 30 सितंबर तक बैंक यूनियनों की प्रस्तावित हड़ताल है। ऐसे में रविवार को बैंक बंद रहने पर ग्राहकों को लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाओं में परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंक शाखाओं में आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। रविवार को खुले बैंक में ग्राहकों ने नकद जमा एवं निकासी, चेक संबंधी कार्य और अन्य आवश्यक बैंकिंग लेन-देन किए। इससे हड़ताल शुरू होने से पहले लोगों को अपने जरूरी वित्तीय काम निपटाने का अतिरिक्त अवसर मिला। इधर, बैंक शाखाओं के रविवार को खुले रहने के दौरान बड़कागांव पुलिस भी सुरक्षा को लेकर सक्रिय रही। पुलिस इंस्पेक्टर मोहम्मद शाहिद रजा एवं थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने थाना क्षेत्र के कई बैंक शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान शाखा प्रबंधकों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई तथा बैंक परिसर और आसपास सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधन को किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल पुलिस को सूचना देने तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से एसबीआई एवं बैंक ऑफ इंडिया की बड़कागांव शाखा समेत अन्य बैंक शाखाएं शामिल रहीं। प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल को देखते हुए पुलिस की ओर से बैंक शाखाओं की सुरक्षा पर विशेष नजर रखी जा रही है। रविवार को बैंक खुले रहने के दौरान पुलिस की सक्रियता से बैंक कर्मियों एवं ग्राहकों के बीच भी सुरक्षा को लेकर भरोसा बना रहा।

विभावि और रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची के संयुक्त तत्वाधान में होगा 'नया भारत गढ़ो' प्रतियोगिता

बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग लें और स्वामीजी के आदर्श से जुड़ेः कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय और रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी, रांची के संयुक्त तत्वावधान में पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी 'नया भारत गढ़ो' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रभावशाली समन्वय एवं कार्यान्वयन हेतु विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने एक तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार सिंह 'शिवगीत', योग केंद्र के निदेशक डॉ. राजकुमार चौबे तथा यूसेट के प्राध्यापक सह राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. खेमलाल महतो को सदस्य बनाया गया है। समिति ने रवींद्रनाथ टैगोर कला भवन में इस प्रतियोगिता के जिला कार्यक्रम समन्वयक श्री गजानन पाठक के साथ बैठक की। रविवार को इसकी जानकारी देते हुए डॉ. सुबोध, डॉ. राजकुमार एवं डॉ. खेमलाल ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त प्रतियोगिताओं का आयोजन रामकृष्ण मिशन, रांची के तत्वावधान में आयोजित 56वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति श्री संतोष गंगवार, रामकृष्ण मिशन, रांची के सचिव स्वामी भवेशानंद जी महाराज तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा की प्रेरणा से इस आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। सदस्यों ने जानकारी दी कि इसके अंतर्गत निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर तथा स्नातक विभागों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का दायित्व समिति को दिया गया है। सदस्यों ने बताया कि प्रतियोगिता स्वामी विवेकानंद द्वारा रचित पुस्तक 'भारत और उसकी समस्याएं' पर आधारित होगी। निबंध लेखन के लिए 800 शब्द निर्धारित किए गए हैं, जिसमें प्रतिभागी को उक्त पुस्तक के अध्ययन के उपरांत उसके सार तत्वों को प्रस्तुत करना है। तत्पश्चात इस पुस्तक के तथ्यों के आधार पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा। निबंध लेखन प्रतियोगिता ऑफलाइन मोड में आयोजित होगी। निबंध संस्कृत, हिंदी, बांग्ला या अंग्रेजी में लिखा जा सकता है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय स्तर के विजेताओं को अगले चरण की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।समिति के सदस्यों ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को 30 नवंबर तक अपना पंजीकरण करवाना होगा। यह भी बताया कि पंजीकरण निःशुल्क है। पंजीकरण करने तथा ऑनलाइन उपलब्ध अध्ययन सामग्री डाउनलोड करने हेतु क्यूआर (दफ) कोड जारी किया गया है। प्रतियोगिता से संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट www.rkmranchi.org/competition पर उपलब्ध करा दी गई है।

एक नजर

सीबी दक्षिणी कोल ब्लॉक के विरोध में ग्रामीणों ने की अहम बैठक

केरेडारी। आगामी 29 सितंबर को प्रखंड सह अंचल कार्यालय प्रांगण में चट्टीबरियातु दक्षिणी कोल परियोजना के विरोध में आहूत प्रदर्शन को लेकर रविवार को कराली गांव स्थित काली मंदिर के प्रांगण में एक बैठक की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुखिया अशोक राम व संचालन भाकपा माले नेता पैरु प्रताप राम ने किया। बैठक में परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों ने अपनी जमीन बचाने व भविष्य को लेकर चिंता व विस्तार से चर्चा की। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि परियोजना के लिए किसी भी कीमत पर एक इंच जमीन नहीं दिया जाएगा। बैठक में केरेडारी प्रखंड बचाव संघर्ष समिति द्वारा आगामी 29 सितंबर को केरेडारी प्रखंड मुख्यालय में आहूत धरना-प्रदर्शन में हजारों की संख्या में भाग लेने व 28 सितंबर के शाम मशाल जुलूस निकालने का भी निर्णय लिया गया ,साथ हिं आगामी दो अक्टूबर को एक बैठक करने का भी निर्णय लिया गया है जिसमे आगे की रणनीति तय की जायेगी। बैठक में पंसस सुरेश भुइयां,कामेश्वर सिंह,पवन राम,पंकज सिंह,अजय तिवारी,कृष्णदेव पांडेय, रमेश तिवारी,बिनोद सिंह,देवेन्द्र दास,पंकज तिवारी,सुनील तिवारी, धनन्जय सिंह,तीरथ राम,गणेश कुमार राम,प्रकाश राम,संतोष राम,डेगन राम,नरेश राम,मनोहर तिवारी,संतोष तिवारी आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

देवघर में बाबा मंदिर के पास पति से बिछड़ी महिला लापता, तलाश जारी

हजारीबाग। बिहार राज्य के नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के बेरौटा गांव निवासी 54 वर्षीय पुष्पा देवी देवघर में बाबा मंदिर दर्शन के दौरान लापता हो गई हैं। आज रविवार को परिजन उनकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक उनका कोई पता नहीं चल सका है। पुष्पा देवी अपने पति सुधीर कुमार के साथ 25 सितंबर को भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए नवादा से देवघर गई थीं। 26 सितंबर की दोपहर करीब 2 बजे बाबा मंदिर में दोनों एक-दूसरे से बिछड़ गए। इसके बाद से पुष्पा देवी की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। सुधीर कुमार पेशे से शिक्षक हैं और पत्नी की तलाश में देवघर में ही रुके हुए हैं। उनके भतीजे साकेत और पुत्र सचिन भी तलाश में जुटे हैं। परिजनों ने थाना पुलिस, देवघर स्टेशन और बाबा मंदिर परिसर में महिला के लापता होने की सूचना दी है। परिजनों ने लोगों से अपील की है कि पुष्पा देवी के बारे में कोई जानकारी मिलने पर मोबाइल नंबर 9304432933, 9162064819 या 9973229616 पर सूचना दें।

आपसी रजामंदी से युवक युवती ने किया प्रेम विवाह

केरेडारी। केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बेंगवरी गांव निवासी जितेंद्र कुमार पिता बालेश्वर महतो कंडा बेर पंचायत के छकन राणा की पुत्री रिया कुमारी आपसी रजामंदी के आधार पर प्रेम विवाह कर लिया! इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार युवती रिया कुमारी और युवक जितेंद्र कुमार के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था! दोनों 22 सितंबर को घर से भाग कर रांची में प्रेम विवाह कर लिया! जिसकी सूचना 27 सितंबर को युवक युवती ने केरेडारी थाना को दिया! जिसपर केरेडारी पुलिस ने दोनों के उम्र सीमा समेत अन्य मामलों के जांच पड़ताल कर दोनों के परिजनों के सहमति से युवक के घर युवती को भेज दिया! जिसकी सहमति युवक के पिता बीरेंद्र महतो और युवती के पिता छकन राणा ने दी है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग। लोकसभा की प्राक्कलन समिति के अध्ययन दौरे के दौरान हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने 25 और 26 सितंबर को उत्तराखंड स्थित केदारनाथ और बदरीनाथ धाम का दौरा किया। इस दौरान उनकी पत्नी निशा जायसवाल भी साथ रहीं। सांसद ने दोनों धामों में दर्शन-पूजन कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लोगों के सुख, शांति, समृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

श्राइन बोर्ड की बैठकों में व्यवस्थाओं की समीक्षाः दौरे के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने केदारनाथ और बद्रीनाथ श्राइन बोर्ड की समीक्षा बैठकों में हिस्सा लिया। बैठक में उन्होंने धामों में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक इंतजामों से संबंधित जानकारी ली। श्रद्धालुओं को मिलने वाली सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

बरही की वर्षा का झारखंड महिला अंडर-19 टीम में चयन, बढ़ाया हजारीबाग का मान

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस के मौके पर हजारीबाग जिले की एक बेटी की उपलब्धि ने हजारीबाग जिले वासियों को खासा उत्साहित किया। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बरही प्रखंड की युवा महिला क्रिकेटर वर्षा कुमारी का चयन झारखंड महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। वीरेंद्र कुमार की पुत्री वर्षा के चयन से हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) और जिले के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी है। वर्षा के चयन पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में सांसद सह एचडीसीए चेयरमैन मनीष जायसवाल ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्षा ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। झारखंड टीम में हजारीबाग की बेटी का चयन जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने वर्षा के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर प्रदर्शन की कामना की। एचडीसीए अध्यक्ष राजीव सिंह ने कहा कि वर्षा का चयन संघ के लिए गौरव का विषय है।

फ्लाई ऐश की अनियमितापूर्ण ढुलाई से हो रहे भारी प्रदूषण पर सांसद ने जताई नाराजगी

चतरा। चतरा सांसद कालीचरण सिंह से एनटीपीसी टंडवा के एचओपी मनीष खेत्रपाल शनिवार को मिले।!इस दौरान क्षेत्र में फ्लाई ऐश की अनियमिततापूर्ण ढुलाई और रख- रखाव से पूरे क्षेत्र में उत्पन्न हो रहे भारी प्रदूषण के मुद्दे पर सांसद ने जोरदार फटकार लगाये जताई। सांसद ने कहा कि फ्लाई ऐश के परिवहन में बरती जा रही लापरवाही के कारण हीं आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विदित हो कि सांसद ने पूर्व में भी व्याप्त प्रदूषण व अन्य गंभीर बिंदुओं का उल्लेख करते हुवे उपायुक्त को पत्रांक 972/आ. का. के माध्यम से अवगत कराया था। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने और धरातल पर स्थिति में सुधार के बजाय समस्या और भी गंभीर होने पर सांसद ने घोर चिंता व्यक्त की।

हजारीबाग सदर सीओ आशुतोष कुमार से दुर्व्यवहार मामले में झासा ने की कार्रवाई की मांग

प्रशासनिक सेवा संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी बैठक में उठा मामला, योगेंद्र साव के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

अजय निराला/उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर अंचलाधिकारी-सह-खासमहल पदाधिकारी आशुतोष कुमार से कथित दुर्व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले को लेकर झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने कार्रवाई की मांग की है। संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक में 18 सितंबर को हुई घटना पर चर्चा करते हुए इसकी निंदा की गई।

सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के दौरान विवाद का आरोप

झासा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 18 सितंबर को अनुमंडल पदाधिकारी हजारीबाग के निर्देश पर मौजा कैंटोनमेंट स्थित खासमहल की सरकारी भूमि पर कथित अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान पूर्व मंत्री एवं बड़कागांव के पूर्व विधायक योगेंद्र साव पर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने और अंचल अधिकारी आशुतोष कुमार केसाथ कथित तौर पर अभद्र एवं आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है।

18 सितंबर को दिया गया था आवेदन

संघ के मुताबिक, मामले को लेकर संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने और आगे की कार्रवाई के लिए 18 सितंबर को आवेदन दिया जा चुका है। हालांकि, संघ का कहना है कि प्रेस विज्ञप्ति जारी होने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। झासा ने कहा कि अधिकारियों को अपने दायित्वों के निर्वहन के दौरान संस्थागत संरक्षण मिलना जरूरी है।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

प्रशासनिक सेवा संघ ने कहा कि मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा। संघ की ओर से कार्य बहिष्कार और चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

धनबाद व गया रोड की जर्जर स्थिति पर पीडब्लूडी इंजीनियर से कृष्णा यादव ने की बात

सड़क मरम्मत में तेजी लाने की मांग, राहगीरों व वाहन चालकों की परेशानी से कराया अवगत

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धनबाद रोड एवं गया रोड की जर्जर स्थिति को लेकर जेएलकेएम केंद्रीय सचिव एवं बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कृष्णा यादव ने हजारीबाग पीडब्लूडी इंजीनियर आयुष कुमार से मुलाकात कर चर्चा की। उन्होंने सड़कों की बदहाल स्थिति से हो रही परेशानी से अवगत कराते हुए जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की। कृष्णा यादव ने कहा कि दोनों सड़क मार्गों पर जगह-जगह गड्ढे होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि 'विभाग को मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द सड़क की मरम्मत करानी चाहिए, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।' उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

हजारीधमना फुटबॉल टूनार्मेंट संपन्न, विजेता व उपविजेता को विधायक ने किया सम्मानित

बरही। हिन्दुस्तान क्लब हजारीधमना द्वारा आयोजित टीपी मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट का रविवार को समापन हो गया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में देवचंदा की टीम ने मेजबान हजारीधमना को पेनाल्टी शूटआउट में 3-2 से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।मुकाबले का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव एवं विशिष्ट अतिथि जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व गेंद को किक मारकर किया। अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी व चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नवनिमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर में आज सजेगी भव्य भजन संध्या

संध्या 6:30 बजे से प्रभु श्री श्याम की इच्छा तक चलेगा भजन-कीर्तन, मंदिर निर्माण कार्य को लेकर श्याम भक्तों में उत्साह

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शहर के बिहार दुर्गा स्थान से करीब 20 गज की दूरी पर स्थित नवनिमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर परिसर में सोमवार, 28 सितंबर को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया रहा है । श्री श्याम सेवा मंडल, हजारीबाग (रजि.) के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत संध्या 6:30 बजे होगी और प्रभु श्री श्याम की इच्छा तक भजन-कीर्तन का दौर चलेगा। हजारीबाग की पावन धरती पर प्रभु श्री श्याम के भव्य मंदिर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। इसी क्रम में मंदिर परिसर में आयोजित होने वाली भजन संध्या को लेकर श्याम भक्तों में विशेष उत्साह है। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में लीन होंगे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठेगा। आयोजकों ने बताया कि हजारीबाग में प्रभु श्री श्याम के भव्य मंदिर निर्माण को लेकर श्याम प्रेमियों में लंबे समय से उत्साह बना हुआ है। मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां बाबा श्याम का भव्य स्वरूप विराजमान होगा। इसी भाव और श्रद्धा के साथ भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में शहर के श्याम प्रेमियों से परिवारजनों एवं मित्रों के साथ पहुंचकर बाबा श्याम के भजनों का आनंद लेने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। आयोजकों ने बताया कि 28 सितंबर, सोमवार को संध्या 6:30 बजे से बिहार दुर्गा स्थान के समीप स्थित नवनिमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर परिसर में होने वाली यह भजन संध्या प्रभु श्री श्याम की इच्छा तक चलेगी। इस अवसर पर अधिक से अधिक श्याम प्रेमियों की सहभागिता से मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण निर्मित होने की उम्मीद है।

करम पर्व के बहाने प्रकृति और समाज को जोड़ने का संदेश

उज्जवल दुनियां संवाददाता

राँची। झारखंड की सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से गहरे जुड़ाव को दशार्ने वाले करम पर्व के अवसर पर रांची के कांके प्रखंड में आदिवासी लोहरा समाज सामाजिक संगठन की ओर से करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने पारंपरिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत के साथ सामाजिक एकजुटता, प्रकृति संरक्षण और आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के लिए लगाए गए बैनर में ह्यजय सरनाह्ल, ह्यजय चालाह्ल और ह्यजय आदिवासीह्ल जैसे संदेशों के साथ करम मिलन समारोह का उल्लेख किया गया। आयोजन में कांके प्रखंड अध्यक्ष अनुप लोहरा, संरक्षक महादेव लोहरा, संरक्षक गंगा करमाली, संरक्षक विरेन्दर लोहरा और केंद्रीय अध्यक्ष थुमा तिर्की सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य संदेशः करम पर्व की परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ प्रकृति की रक्षा, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और समाज को संगठित रखने की दिशा में सामूहिक जागरूकता पैदा करना।

'प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी आने वाली पीढ़ी सुरक्षित होगी'

समारोह में केंद्रीय अध्यक्ष थुमा तिर्की ने करम पर्व को प्रकृति से जुड़ी परंपरा बताते हुए लोगों से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा की अपील की। उन्होंने कहा कि करम डाली की पूजा प्रकृति के साथ मानव के संबंध को दशार्ती है और इस पर्व के माध्यम से आम लोगों तक प्रकृति संरक्षण का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। 'प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हम और आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रहेंगी। पेड़ लगाएं, पेड़-पौधों की रक्षा करें और प्रकृति को नुकसान न पहुंचाएं।'

— थुमा तिर्की, केंद्रीय अध्यक्ष, आदिवासी लोहरा समाज सामाजिक संगठन

थुमा तिर्की ने कहा कि लोहरा समाज आदिवासी समाज का अभिन्न हिस्सा है और विभिन्न पारंपरिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में समाज की भूमिका रही है। उनका कहना था कि करम मिलन समारोह के जरिए समाज के लोगों को एक साथ जोड़ने और परंपरा को आगे की पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

पाइल्स यानी बवासीर की समस्या को लेकर लोगों की चिंता को लेकर विशेष बातचीत

उज्जवल दुनियां संवाददाता

राँची। बदलती जीवनशैली, लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत और खान-पान में आए बदलाव के बीच पाइल्स यानी बवासीर की समस्या को लेकर लोगों की चिंता बढ़ी है। खासकर लंबे समय तक ऑफिस या डेस्क पर बैठकर काम करने वाले लोगों में ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर जागरूकता जरूरी हो गई है। इसी विषय को लेकर Ranchi Club TV ने ओम साईं पाइल्स क्लिनिक के डॉक्टर से विशेष बातचीत की। बातचीत के दौरान पाइल्स के संभावित कारणों, लाइफस्टाइल की भूमिका, अलग-अलग प्रकार की समस्याओं, उपचार के विकल्प और मरीजों को बरती जाने वाली सावधानियों पर विस्तार से चर्चा हुई। सिर्फ मसालेदार खाना ही पाइल्स का कारण नहीं बातचीत के दौरान डॉक्टर ने बताया कि पाइल्स को केवल मसालेदार भोजन से जोड़कर देखना सही नहीं है। खान-पान महत्वपूर्ण कारक हो सकता है।

SIR को लेकर कांग्रेस का चुनाव आयोग पर हमला

राजीव रंजन बोले- मतदाता अधिकारों से वंचित करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं, 28 सितंबर को अंबेडकर चौक से समाहरणालय तक मार्च

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र) की प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए। प्रदेश के महासचिव सह हजारीबाग प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद, जिला अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश पटेल, प्रदेश प्रवक्ता हाजी अब्दुल्ला और बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने अलग-अलग वक्तव्यों में मतदाता सूची, नोटिस और रक्क्र की प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां रखीं।

भाजपा लगातार 30-35 साल सत्ता में आने की बात कर रही है

राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि भाजपा के लोग अब 30-35 साल लगातार सत्ता में आने की बात कर रहे हैं और विपक्ष को यह भूल जाने की बात कही जा रही है कि वह किस ताकत के जरिए आने वाले चुनाव में जीत सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के वोट और जनाधार वाले क्षेत्रों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने रक्क्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं थी, वहां करोड़ों लोगों को मताधिकार से वंचित करने की दिशा में काम हुआ। उन्होंने कहा कि इसी तरह का प्रयास झारखंड में भी किए जाने की आशंका है। राजीव रंजन ने कहा कि पिछले दो चुनावों में झारखंड की जनता ने भाजपा को स्वीकार नहीं किया और यहां की जनता को बेवकूफ समझने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की कार्यशैली पर भी उठाए सवाल

राजीव रंजन प्रसाद ने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रवि कुमार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि रक्क्र को लेकर जारी दिशा-निदेर्शों का अपेक्षित रूप से पालन नहीं कराया गया और अधिकारियों के दौरों को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार कई दौरे अल्पसंख्यक क्षेत्रों तक सीमित रहे। कांग्रेस नेता ने कहा कि आयोग की कार्यशैली और उसकी संस्थागत जवाबदेही को लेकर पार्टी सवाल उठा रही है।

फॉर्म-7 प्रिंटेड बांटकर मतदाताओं को हटाने की कोशिश

राजीव रंजन ने कहा कि हजारीबाग जिले के चौपारण और बरही समेत कई जगहों से रक्क्र प्रक्रिया को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। उनका आरोप था कि प्रिंटेड फॉर्म-7 बांटकर चिन्हित लोगों को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की गई। उन्होंने रांची, गोड्डा और महगामा का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आई हैं। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि अगर फॉर्म-7 प्रिंटेड है तो इसकी छपाई कहां से हो रही है और इछड को इसका प्रशिक्षण क्यों नहीं दिया गया।

जिंदा लोगों को मृत बताने के मामले भी सामने आए

राजीव रंजन ने ASDD से जुड़ी सूची पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कई जगह ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां जीवित लोगों को मृत घोषित कर सूची में शामिल किया गया।उन्होंने दावा किया कि हजारीबाग में 4,16,052 लोगों को नोटिस दिया गया है। उन्होंने नोटिस के लिए दी गई समय-सीमा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है और इसके पीछे क्या कारण है।

समय सीमा बढ़ाने की मांग करेगी कांग्रेस

राजीव रंजन ने कहा कि हजारीबाग समेत झारखंड में धार्मिक अनुष्ठानों का समय चल रहा है और नोटिसों पर कार्रवाई की गति भी धीमी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात कर रक्क्र की समयावधि बढ़ाने की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि कोई पात्र मतदाता सूची से बाहर न हो और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लिया जाए

जिला अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश पटेल ने कहा कि देश में चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यशैली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने लगातार आपत्तियां दर्ज कीं, लेकिन उन्हें दरकिनार किया गया। श्री पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग के कार्यकाल में बनाए गए प्रावधानों और रिजॉल्यूशन की समीक्षा तथा उन्हें रद्द करने की मांग पार्टी करेगी।

28 सितंबर को अंबेडकर चौक से निकलेगा मार्च

जयप्रकाश पटेल ने बताया कि 28 सितंबर को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंबेडकर चौक से कार्यकर्ता मार्च निकालकर समाहरणालय पहुंचेंगे। वहां विरोध प्रदर्शन के साथ पुतला दहन किया जाएगा और उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों और मंडलों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शामिल होने की तैयारी है।

युवाओं को मतदाता बनने से रोकने का प्रयास

राजीव रंजन ने अपने संबोधन में युवाओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि नए युवाओं को मतदाता बनने से रोकने के लिए नए-नए मापदंड अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने रक्क्रमें दस्तावेजों और पात्रता से जुड़े प्रावधानों को लेकर सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सवाल है कि नए मतदाताओं और पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होनी चाहिए।

उमाशंकर अकेला ने कहा मताधिकार छीनने के प्रयास का विरोध करेंगे

बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यशैली को लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रेस वार्ता में अपनी बात रखी है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर संविधान और मताधिकार से जुड़े अधिकारों के संदर्भ में गंभीर आरोप लगाए। अकेला ने कहा कि कांग्रेस 28 सितंबर को जोरदार प्रदर्शन करेगी और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लेकर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उसका कांग्रेस विरोध करती है।

एक नजर

तप, त्याग और आत्मशुद्धि का संदेश देकर क्षमावाणी के साथ संपन्न हुआ दशलक्षण महापव

हजारीबाग। जैन समाज का दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व रविवार को क्षमावाणी पर्व के साथ श्रद्धा, भक्ति, तप, त्याग और आत्मचिंतन के वातावरण में संपन्न हुआ। दस दिनों तक शहर के दोनों दिगंबर जैन मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों, अभिषेक, शांतिधारा, पूजन-पाठ, विधान, स्वाध्याय, प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से धर्म की प्रभावना हुई। दशलक्षण महापर्व जैन समाज का ऐसा आध्यात्मिक पर्व है, जो केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि मनुष्य को अपने भीतर झांकने, अपनी गलतियों को पहचानने और जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है। उत्तम क्षमा से लेकर ब्रह्मचर्य तक के दस धर्म मनुष्य को क्रोध, अहंकार, छल, लोभ, मोह और परिग्रह से ऊपर उठकर सरल, संयमित एवं सद्भावपूर्ण जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं। मीडिया प्रभारी विजय जैन लुहाड़िया ने कहा कि दशलक्षण पर्व को यदि रत्नों के सागर की संज्ञा दी जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस पर्व के प्रत्येक दिन में जीवन को प्रकाशित करने वाला एक आध्यात्मिक रत्न छिपा है। दस दिनों की साधना मनुष्य को यह संदेश देती है कि वास्तविक विजय बाहरी संसार को जीतने में नहीं, बल्कि अपने क्रोध, अहंकार, इच्छाओं और विकारों पर विजय प्राप्त करने में है। उन्होंने कहा कि इस महापर्व में तप, त्याग, संयम, साधना, आराधना, भक्ति और आत्मचिंतन का जो वातावरण बना, उसका प्रभाव निश्चित रूप से समाज के जीवन में लंबे समय तक दिखाई देगा।

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का शताब्दी जन्मोत्सव

हिंदू समाज की रीढ थे अशोक सिंघल:वीरेंद्र विमल

असद खान/हजारीबाग। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल हजारीबाग के द्वारा पैराडाइस रिसॉर्ट में अशोक सिंघल जी का शताब्दी जन्मोत्सव मनाया गया। विश्व हिंदू परिषद के विधिवत बैठक प्रक्रिया एवं द्वीप प्रज्वलन तथा मंत्रोचार के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र धमाचार्य प्रमुख श्री वीरेंद्र विमल जी,विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद प्रदेश सह मंत्री श्री मनोज पोद्दार,बजरंग दल विभाग मिलन प्रमुख श्री प्रशांत सिंह रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप सिन्हा ने किया,वही कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री श्री अरविंद मेहता ने किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सा वक्त वीरेंद्र विमल जी ने संगठन के प्रति अशोक सिंघल जी के समर्पण तथा उनके जीवन के बारे में कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया।उन्होंने बताया अशोक सिंघल जी का जीवन ही अपने आप में पुस्तक के समान है जिसे आत्मसात करके कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को धन्य बन सकता है।उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों में से श्री राम जन्मभूमि आंदोलन,समस्त संतों का समागम,रामसेतु आंदोलन, अमरनाथ यात्रा आंदोलन समस्त हिंदू समाज में समरसता का भाव उत्पन्न करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य उन्होंने अपने जीवन काल में किया।यूं कहें तो अशोक सिंघल हिंदू समाज की रीढ़ थे। वही प्रदेश सह मंत्री मनोज पोद्दार ने इस कार्यक्रम को पंचायत स्तर तक करने के लिए और हिंदुओं में नवजागरण करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे विश्व हिंदू परिषद क्षेत्र धमाचार्य प्रमुख श्री वीरेंद्र विमल,प्रदेश सह मंत्री मनोज पोद्दार,बजरंग दल विभाग मिलन प्रमुख प्रशांत सिंह,जिलाध्यक्ष प्रदीप सिन्हा,जिला मंत्री अरविंद मेहता,जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्त,जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर साहू,जिला संयोजक जय सोनी, जिला दुर्गा वाहिनी संयोजिका प्रीति गुप्ता,उमेश गुप्ता,अभिनव कुमार, सुमंत पांडे, संजय सिंह, हंसराज,हरीश कुमार गुप्ता, निक्की कुमार,राजेश मेहता भागीरथ प्रसाद,गोविंद पांडे, निरंजन केसरी,चंदन केसरी,बिसु इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वोट चोरी से चुना गया सांसद गैर-कानूनी तरीके से अपनी सीट पर बैठा है : राजीव रंजन प्रसाद

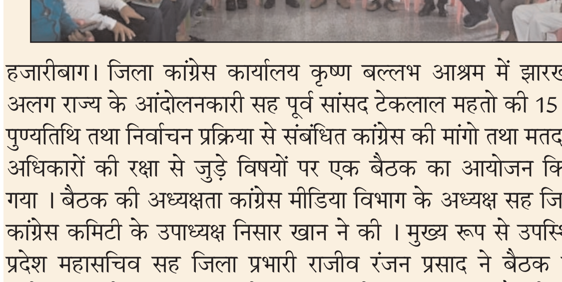

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी सह पूर्व सांसद टेकलाल महतो की 15 वीं पुण्यतिथि तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित कांग्रेस की मांगो तथा मतदाता अधिकारों की रक्षा से जुड़े विषयों पर एक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने की । मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वोट भारतीय लोकतंत्र की नींव है। वोट से हमारे सार्वजनिक संस्थानों को वैधता मिलती है ,यह कड़ी आधुनिक भारत की पहचान है । आज यह कड़ी टुट गई है और भारत में ऐसा पहले कभी नही हुआ । वोट को खत्म करके इस सरकार और चुनाव आयोग ने हर भारतीय की आवाज पर हमला किया है । इस सरकार ने चोरी किए गए वोटो के दम पर जो कुछ भी किया है वह गैर कानूनी है। वोट चोरी से चुना गया सांसद गैर कानूनी तरीके से अपने सीट पर बैठे हैं, और उस सांसद के समर्थन से पास हुआ हर गैर कानूनी है । पूर्व विधायक उमाशंकर शंकर अकेला ने टेकलाल बाबू के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मांडू विधानसभा से पांच बार विधायक चुने गए तथा गिरिडीह लोकसभा से सांसद चुने गए । उन्होंने झारखंड अलग राज्य के आन्दोलन को गति देने और मजबूति प्रदान करने में अग्रेणी भूमिका निभाई थी । सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी मुन्ना सिंह ने कहा कि सदा धोती-कुर्ता पहनते थे और उनके कंधे पर एक हरा गमछा उनकी जीवन शैली की पहचान थी । बैठक का संचालन महासचिव बाबर अंसारी जबकी धन्यवाद ज्ञापन सोनी मेहता ने किया । बैठक में प्रदेश कॉडीनेटर बिनोद कुशवाहा प्रदेश सचिव नवीन कुमार, पूर्व अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, मकसूद आलम, सलीम रजा, सुनिल अग्रवाल, रविन्द्र प्रताप सिंह, संजय सिंह, दिलीप कुमार रवि, जावेद इकबाल, राजू चौरसिया, सदरूल होदा, रघु जायसवाल, विजय कुमार सिंह, सुनिल ओझा, परवेज अहमद, मनोज नारायण भगत, गुड्डु सिंह, कृष्णा किशोर प्रसाद, अभिषेक राज, कैलाश पति देव, अब्दुल मनान वारसी, नरसिंह प्रजापति, अजित सिंह, नौशाद आलम, सरयू यादव, निसार अहमद भोला बबिता कुमारी, पंचम पासवान, अनिल कुमार भुईंया, भैया असीम कुमार जुबैर खान, मुगेश्वर चौधरी, मुस्ताक अंसारी, बिनोद साव, अरूण कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार मेहता, इकबाल अहमद, जय कुमार महतो, गिरजा शंकर, संजीत कुमार के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी उपस्थित थे ।

मैथन डैम का 69वाँ स्थापना दिवस एवं विश्व पर्यटन दिवस पर भव्य आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मैथन। दामोदर घाटी निगम, मैथन डैम परियोजना में मैथन बाँध के 69वें स्थापना दिवस एवं विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर मैथन डैम की गौरवशाली विरासत, डीवीसी की एकता तथा मैथन को पर्यटन के आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मैथन डैम के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मानव श्रृंखला के माध्यम से **MAITHON DAM** शब्द लेखन कार्यक्रम में डीवीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक (सिविल) सुबीर कुमार साहा एवं परियोजना प्रधान,डीवीसी मैथन ने कहा कि मैथन डैम के 69वें स्थापना दिवस का यह अवसर हम सभी के लिए गौरव और आत्मगौरव का क्षण है। मानव श्रृंखला के माध्यम से **MAITHON DAM** शब्द का निर्माण केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि मैथन डैम की समृद्ध विरासत,डीवीसी की एकजुटता तथा अपने दायित्वों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी ने अपने उत्साह,अनुशासन,समर्पण और सहभागिता के माध्यम से आयोजन को सफल एवं यादगार बनाया।उन्होंने कहा कि मैथन डैम केवल एक महत्वपूर्ण जल संसाधन एवं ऊर्जा अवसंरचना नहीं, बल्कि क्षेत्र की पहचान, विकास और पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर है। मैथन की प्राकृतिक सुंदरता और बाँध की भव्यता इसे पर्यटन की दृष्टि से विशिष्ट बनाती है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम मैथन की प्राकृतिक एवं पर्यटन क्षमता को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीआईएसएफ एवं डीवीसी स्कूलों के बच्चों की सहभागिता से साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जो मैथन बाँध,शहीद स्मारक से गोगना घाट तक निकाली गई। रैली के माध्यम से मैथन की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छता एवं पर्यटन की संभावनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इसके पश्चात गोगना घाट में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गोगना घाट परिसर की साफ-सफाई की। राष्ट्रीय गीत का वादन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने डीवीसी की गौरवशाली परंपरा और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर कार्यपालक निदेशक (सिविल) सुबीर कुमार साहा एवं परियोजना प्रधान प्रवीर चांद,वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल), रौशन लाकड़ा, महाप्रबंधक (सिविल), सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (प्रशासन), संजीव कुमार,सुजीत कुमार, राम कृष्ण, अनुपम मजूमदार, डॉ कौशलेंद्र कुमार, श्रीमति पिंकी, आनन्द प्रकाश, शंकर कुमार झा, रवि कुमार सिन्हा, तथा बड़ी संख्या शिक्षक, विद्यार्थी, के. औ.सु.बल, मीडियाकर्मी, तथा डीवीसी कार्मिक उपस्थित थे।श्री साहा ने कहा कि मैथन को पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक सुदृढ़ पहचान दिलाने के लिए सभी हितधारकों की सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य, जलाशय, बाँध, हरित परिवेश तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के कारण मैथन में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। डीवीसी स्थानीय समुदायों, प्रशासन तथा अन्य संबंधित पक्षों के सहयोग से मैथन को एक आकर्षक एवं स्वच्छ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारियों एवं जवानों, पत्रकार बंधुओं, डीवीसी से जुड़े समस्त ठेकागत एवं कैजुअल कर्मियों, मैथन एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासियों तथा आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों और प्रत्येक सहभागी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, समन्वय और उत्साह के कारण ही मैथन डैम का 69वाँ स्थापना दिवस एवं विश्व पर्यटन दिवस का यह आयोजन सफल एवं यादगार बन सका। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार सामूहिक सहभागिता एवं सहयोग से मैथन की गौरवशाली पहचान को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

एक नजर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति द्वारा रक्तदान शिविर

धनबाद। नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति वर्ष 2017 से निरंतर समाज सेवा एवं रक्तदान के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करती आ रही है। जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने तथा मानव जीवन की रक्षा के उद्देश्य से समिति द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में आज 27 सितंबर 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति द्वारा श्याम नगर भूली धनबाद मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समाचार प्रेषित किए जाने तक शिविर में कुल 32 यूनिट रक्तदान किया जा चुका था। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में एक रक्तदाता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। समिति भविष्य में भी समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता एवं रक्तदान के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती रहेगी। रक्तदान शिविर में समिति के अध्यक्ष श्री राकेश कांति विश्वास, संयोजक श्री राजेंद्र प्रसाद साहू, सचिव श्री दिलबाग सिंह, कोषाध्यक्ष श्री राजीव बनर्जी, रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष श्री रवि शेखर सिंह, मीडिया प्रभारी श्री नीलकमल खवास सहित संदीप साव, सोनू दास, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश साव एवं मुस्कान उपस्थित रहे और शिविर को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। समिति की ओर से शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

स्वच्छता कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर

मैथन। दामोदर घाटी निगम मैथन डैम परियोजना के सीएसआर विभाग द्वारा स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत स्वच्छता में सहभाग,स्वच्छ भारत, विकसित भारत की भावना को साकार करते हुए बी.पी. नियोगी अस्पताल,डीवीसी,मैथन में डीवीसी के स्वच्छता कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 32 स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। इस दौरान रक्त शर्करा (रैंडम शुगर), शरीर का वजन एवं रक्तचाप की जाँच की गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर डॉ. उमेश कुमार, महाप्रबंधक (स्वास्थ्य सेवाएँ) ने कहा, ्स्वच्छता कर्मी हमारे कार्यस्थल को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। जो हाथ हमारे परिसर को स्वच्छ रखते हैं, उनके स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमित स्वास्थ्य जाँच से हम समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल हमारे आसपास के वातावरण को साफ रखने का विषय नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और स्वस्थ समाज से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जाँच कराने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में बी.पी. नियोगी अस्पताल के चिकित्सकों,नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य जाँच एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर में बड़ी संख्या में डीवीसी स्वच्छता कर्मियों की सहभागिता रही।स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत आयोजित यह स्वास्थ्य जाँच शिविर स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण, जागरूकता और कल्याण के प्रति डीवीसी की प्रतिबद्धता का सार्थक उदाहरण रहा।

टुंडी पंचायत सचिवालय के समक्ष विशालकाय वृक्ष गिरा, एक घंटे तक आवागमन बाधित

टुंडी। टुंडी प्रखंड मुख्यालय एवं थाना के बीच पंचायत सचिवालय के समक्ष शनिवार, लगातार चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और तेज आंधी-तूफान के कारण एक विशालकाय लिप्टस का पेड़ अचानक मुख्य मार्ग पर गिर गया। पेड़ गिरने से मुख्य सड़क पर करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि लगातार बारिश के कारण मिट्टी नरम हो जाने से विशाल पेड़ की जड़ कमजोर हो गई और वह सड़क की ओर जा गिरा। संयोगवश बारिश के कारण उस समय सड़क पर सामान्य दिनों की अपेक्षा आवागमन कम था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पेड़ गिरने से पंचायत सचिवालय की चारदीवारी को आंशिक क्षति पहुंची। वहीं, पास स्थित अर्जुन मंडल के भवन पर पेड़ गिरने से भवन को भी काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद टुंडी पंचायत की मुखिया रेखा देवी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय के माध्यम से सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि पंचायत सचिवालय परिसर में स्थित ऐसे सभी बड़े एवं जर्जर पेड़ों का यथासंभव निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कटाई कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। वहीं, मुखिया रेखा देवी, उनके प्रतिनिधि नन्द किशोर रविदास एवं उपमुखिया सन्तुलाल किस्कू ने ग्रामीणों के सहयोग से गिरे हुए पेड़ को कटवाकर सड़क से हटवाया। पेड़ हटाए जाने के बाद मुख्य मार्ग पर आवागमन पूर्व की भांति सुचारू हो सका। संयोग से टली बड़ी दुर्घटनाः लगातार बारिश के बीच मुख्य मार्ग पर विशालकाय पेड़ गिरने की घटना ने एक बार फिर सड़क किनारे एवं सार्वजनिक परिसरों में खड़े बड़े पेड़ों की सुरक्षा जांच की आवश्यकता को सामने ला दिया है।

निरसा खटाल में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प

निरसा बाजार। रविवार की सुबह निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत निरसा खटाल पूरी तरह से राणाक्षेत्र में बदल गया जहां दो पक्षों के बीच जमकर पत्थर बाजी हुई इस पत्थर बाजी में दर्जनों लोग घायल हुए जिनमें बच्चे बूढ़े महिलाएं नौजवान शामिल है वही कई आवास में भी तोड़फोड़ की गई ’ घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है जब निरसा खटाल और बिजली विभाग के कार्यालय के समीप स्थित एक चौरसिया परिवार का मकान और जमीन पर अपने कब्जे को लेकर खटाल के ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए।

विश्व पर्यटन दिवस पर जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान

गुमला। गुमला जिला में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ आमजनों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जनभागीदारी के माध्यम से साफ-सफाई की गई तथा लोगों को पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान भगवान वीर हनुमान के जन्मस्थली अंजम धाम, गुमला मरदा मंदिर, रायडीह; बाघमुंडा जलप्रपात, बसिया; टांगीनाथ धाम, डुमरी; गोबरसिली, पालकोट; मरसा डैम, भरनो; बालाघाट, कामडारा एवं नवरत्न गढ़ किला, सिसई सहित अन्य स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में पर्यटन विभाग, गुमला द्वारा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल बायोडायवर्सिटी पार्क में विशेष वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। पार्क परिसर में पौधारोपण के साथ साफ-सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छ एवं हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों एवं प्रतिभागियों ने पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से अपील की गई कि जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। स्वच्छ पर्यटन स्थल न केवल पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय पर्यटन के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम 2026 को लेकर दीपक प्रकाश ने दी जानकारी, बोले- एक राष्ट्र, एक खनिज बाजार की दिशा में बड़ा कदम

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गुमला। गुमला जिला मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने रविवार को होटल बिदेश के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में एमएमडीआई संशोधन अधिनियम 2026 को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए, उन्होंने कहा कि लोकसभा में 12 अगस्त और राज्यसभा में 13 अगस्त को संशोधन विधेयक पारित हुआ। दीपक प्रकाश ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य खनिज क्षेत्र में एकरूपता, पारदर्शिता और निवेश को बढ़ावा देना है। हालांकि, इस संशोधन को लेकर झारखंड में राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। दीपक प्रकाश ने कहा कि संशोधन की मूल भावना एक राष्ट्र, एक खनिज बाजार है। उनके अनुसार वर्तमान में खनिज उत्पादन पर विभिन्न प्रकार के कर और शुल्क लगते हैं। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में द्रल्ली१’’ ईंश्रल्लॅ ळं७ के नाम पर अतिरिक्त वसूली से यहां उत्पादित कोयले की लागत बढ़ती है, जिससे बाजार, निवेश और रोजगार प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि खनिज क्षेत्र में लागत कम होने और उत्पादन बढ़ने से राज्य को राजस्व तथा रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। उन्होंने ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां खनिज ब्लॉकों में उत्पादन शुरू होने से राज्य को बड़े पैमाने पर राजस्व लाभ मिला है, जबकि झारखंड के कई खनिज ब्लॉक अब भी उत्पादन शुरू होने की प्रतीक्षा में हैं। दीपक प्रकाश ने कहा कि खनिज संसाधनों का समयबद्ध और पारदर्शी दोहन राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले खदान आवंटन की प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठते रहे थे। मोदी सरकार द्वारा 2015 में खनिज ब्लॉकों की नीलामी व्यवस्था लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ी और राज्यों को खनिज राजस्व में सीधा लाभ मिलने लगा। दीपक प्रकाश ने कहा कि वर्तमान समय क्रिटिकल मिनरल्स का है और देश को खनिज संसाधनों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्पष्ट एवं स्थिर नीति आवश्यक है। वहीं, संशोधन को लेकर झारखंड सरकार और झामुमो ने राज्य के राजस्व एवं अधिकारों पर असर पड़ने की आशंका जताई है। प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू, जिला अध्यक्ष सागर उरांव, पूर्व अध्यक्ष रविंद्र सिंह, महामंत्री सुरेश सिंह, कौशलेंद्र जमवार, जयंत कुमार, जय साहू, प्रेम कुमार, खुशी कुमारी सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय उच्च मार्ग 23 भरनो में सड़क चौड़ीकरण के रास्ते में आया शिव मंदिर

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत भरनो प्रखंड मुख्यालय के स्थित एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो स्कूल चौक सर्विस रोड भरनो के समक्ष स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर को शनिवार को सड़क चौड़ीकरण के रास्ते में आने के कारण हटाया गया, उक्त मंदिर को हटाने से पूर्व उक्त क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों और श्रद्धालुओं ने उक्त मंदिर में स्थापित शिवलिंग सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को गाजा- बाजा, ढोल - नगाड़ों के साथ सम्मान पूर्वक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए, उक्त सभी देवी देवताओं के प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक उक्त शिव मंदिर से बाहर निकालकर गाजे-बाजे के साथ, फिलहाल भरनो बाजार टांड़ स्थित देवी मंडप में सुरक्षित रखा गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनएच -23 के चौड़ीकरण और सर्विस रोड भरनो सड़क निर्माण के दौरान शिव मंदिर सर्विस रोड भरनो के रास्ते में आ जाने से उक्त क्षेत्र के गण्यमन लोग एंव शिव भक्तों एवं सड़क निर्माण से संबंधित पदाधिकारियों के बीच लंबी चली बातचीत के बाद सम्मानजनक मामला सुलझा, क्योंकि उक्त शिव मंदिर से संबंधित मामले को लेकर लगभग डेढ़ वर्ष से सर्विस रोड भरनो का निर्माण कार्य प्रभावित था, अब संबंधित सड़क निर्माण विभाग और स्थानीय ग्रामीणों के बीच समन्वय के बाद शनिवार को एनएचएआई और निर्माण कंपनी की मौजूदगी में उक्त शिव मंदिर को सम्मानजनक रूप से हटाने की कार्रवाई संपन्न हुई । इस दौरान एनएचएआई परियोजना निदेशक एसके गौतम और आरकेडी के वाइस प्रेसिडेंट लक्ष्मण सेट्टी के नेतृत्व में की गई। विभाग की ओर से उक्त प्रसिद्ध शिव मंदिर निर्माण के लिए पर्याप्त मुआवजा राशि दिए जाने की बात कही गई है, सड़क निर्माण से संबंधित विभाग एंव उक्त क्षेत्र के प्रबुद्ध गण्यमन लोगों, ग्रामीणों और शिव भक्तों के सहयोग से सड़क निर्माण रास्ते से उक्त शिव मंदिर को हटाए जाने के फलस्वरुप सर्विस रोड भरनो के अधूरे निर्माण कार्य को पूरा करने का रास्ता अब साफ हो गया है।

पितरों की दी हुई अमूल्य धरोहर है सनातन धर्म, इसकी रक्षा हमारी जिम्मेदारी : गुरुदेव श्रीमाली

बोकारो। 'हमारे सनातन धर्म का हजारों-हजारों वर्ष का गौरवशाली अतीत रहा है। इस देश में सैकड़ों वर्षों तक मुगलों और अंग्रेजों का शासन रहा। उन्होंने हमारे पूर्वजों पर पर लाख अत्याचार किए। धर्म पर आघात करने का कुत्सित प्रयास किया, लेकिन इन सबके बावजूद हमारा सनातन धर्म अडिग था, अडिग है और हमेशा अजर-अमर रहेगा। यह हमारे पितरों की ही देन है। उन्होंने दूसरे धर्म के आक्रमणकारियों की यातनाएं सहीं और संघर्ष करते हुए उन्हें सबक सिखाया। डरकर उन्होंने अपना धर्म नहीं बदला तथा अपने सनातन हिन्दू धर्म को अक्षुण्ण बनाए रखा। आज हम सभी का यह परम दायित्व है कि हम अपनी इस अमूल्य निधि की रक्षा करें। हमारी श्रद्धा और हमारा विश्वास अटल बना रहे।

टुंडी थाना के मुख्य द्वार के सामने खड़े भारी वाहन दे रहे हादसों को न्योता

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। टुंडी थाना के मुख्य द्वार के आसपास भारी-भरकम वाहनों का अक्सर सड़क किनारे खड़ा रहना सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। थाना के आसपास ही इस तरह बड़े वाहनों का जमावड़ा छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाओं को आमंत्रण देता प्रतीत होता है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि आखिर हादसा होने से पहले ऐसे वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? सड़क हादसों में आए दिन गरीब, मजदूर और सामान्य परिवारों के लोगों की जान चली जाती है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक चर्चा और कार्रवाई होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद मामला शांत हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि सड़क हादसों की रोकथाम के लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था कब लागू होगी? सड़क पर खड़े ट्रक, कंटेनर और अन्य भारी वाहनों के कारण पीछे से टक्कर की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। यदि कोई वाहन खराब होकर सड़क पर खड़ा है, तो उसे तत्काल हटाने की व्यवस्था होनी चाहिए। जब तक वाहन हटाया नहीं जाता, तब तक उसके पीछे पर्याप्त रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेतक, बैरियर और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का सवाल है कि ऐसी स्थिति में पुलिस, परिवहन विभाग और संबंधित सड़क सुरक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी क्या है? क्या विभागों की जवाबदेही केवल दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित है? यदि हादसे से पहले ही संभावित खतरे वाले स्थानों की पहचान कर कार्रवाई की जाए, तो कई दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। टुंडी थाना क्षेत्र के अलावा बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के खरनी, लोहारबरवा, किसान चौक से लेकर अजबडीह तक जीटी रोड के कई हिस्सों में सड़क किनारे भारी वाहनों के खड़े रहने की समस्या देखने को मिलती है। कई स्थानों पर बड़े वाहन सड़क के किनारे इस तरह खड़े रहते हैं कि पीछे से आने वाले वाहन चालकों को पर्याप्त दूरी से उनका पता नहीं चल पाता। ऐसी स्थिति विशेषकर रात के समय और कोहरे अथवा कम दृश्यता के दौरान और अधिक खतरनाक हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जीटी रोड को पार्किंग स्थल की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए। टुंडी थाना क्षेत्र और आसपास के इलाकों में सड़क पर खड़े भारी वाहनों से पीछे से टक्कर की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। थाना के सामने हजारीबाग पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी की गाड़ी के पीछे खड़े ट्रक से टकराने की घटना में एक पुलिस अधिकारी की मृत्यु होने की बात भी सामने आ चुकी है। इसके अलावा सड़क पर खड़े कोयला ट्रकों में पीछे से पिकअप वैन एवं अन्य वाहनों के टकराने की घटनाओं में भी लोगों की जान जाती रही है। ऐसे में सवाल यह है कि लगातार सामने आ रही घटनाओं के बावजूद प्रशासन इनसे स्थायी रूप से सबक लेकर सड़क सुरक्षा की व्यवस्था को मजबूत क्यों नहीं कर पा रहा है? हाल के दिनों में भीषण सड़क हादसे में मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह की कनिष्ठ पुत्री के निधन से परिवार गहरे सदमे में है। अपनों को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है। लेकिन सवाल केवल एक हादसे का नहीं है। सवाल यह है कि अगला घर उजड़ने से पहले प्रशासन जागेगा या फिर किसी और हादसे का इंतजार किया जाएगा? लम्बा सफर परिवार एवं नवीन चन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि जीटी रोड सहित प्रमुख सड़कों पर यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अत्यधिक गति पर नियंत्रण के लिए ऑटोमेटिक स्पीड कैमरे और निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए तथा सड़क पर अवैध पार्किंग करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जाए। साथ ही खराब होकर सड़क पर खड़े वाहनों के लिए तत्काल सहायता एवं हटाने की व्यवस्था, पर्याप्त रिफ्लेक्टर, चेतावनी बोर्ड, बैरियर और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। समाज सेवी नवीन चन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि सड़क सुरक्षा को लेकर स्पष्ट नियम बनाकर पुलिस, परिवहन विभाग और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों पर समय रहते कार्रवाई हो और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बोर्ड एवं चेतावनी संकेत लगाए जाएं। एक प्रभावी सड़क सुरक्षा व्यवस्था हजारों परिवारों को भविष्य में अपनों को खोने से बचा सकती है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

'देवराः पार्ट 1' के दो सालः जाह्नवी कपूर के तेलुगु डेब्यू की यादगार शुरुआत

दो साल पहले, 27 सितंबर 2024 को 'देवराः पार्ट 1' बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। यह जाह्नवी कपूर के करियर का एक खास पड़ाव था, क्योंकि इसी फिल्म के साथ अपनी माँ की विरासत को आगे बढ़ाते हुए तेलुगु डेब्यू किया था। सिर्फ यही नहीं कोराताला शिवा के निर्देशन में बनी और जूनियर एनटीआर की मुख्य भूमिका वाली इस एक्शन ड्रामा फिल्म के जरिए जाह्नवी ने तेलुगु दर्शकों के सामने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया था। जाह्नवी के लिए यह डेब्यू भावनात्मक रूप से भी बेहद खास था। दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी होने के नाते, जिनका तेलुगु सिनेमा के साथ बेहद खास और यादगार रिश्ता रहा है, इस इंडस्ट्री में कदम रखना जाह्नवी के लिए अपनी मां की सिनेमाई विरासत से जुड़ने जैसा था। जाह्नवी कई मौकों पर तेलुगु सिनेमा में काम करने की अपनी इच्छा और श्रीदेवी के जरिए इस इंडस्ट्री से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव के बारे में अक्सर बातें करती भी रहती हैं। इस फ़िल्म से उनके डेब्यू को लेकर उत्सुकता इसलिए भी बढ़ी हुई थी, क्योंकि जाह्नवी ने फिल्म की भाषा और संस्कृति को अपनाने की पूरी कोशिश की थी। प्रमोशन के दौरान उन्होंने तेलुगु दर्शकों से बातचीत की और इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव साझा किए। जूनियर एनटीआर ने भी उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि उनके अभिनय के कुछ पहलुओं में उन्हें श्रीदेवी की झलक नजर आई। यही वजह है कि दो साल बाद भी 'देवराः पार्ट 1' जाह्नवी कपूर की यात्रा में एक खास जगह रखती है, क्योंकि इसी फिल्म के साथ उनके तेलुगु सिनेमा के सफर की शुरुआत हुई। अपनी मां की विरासत से गहराई से जुड़ी एक इंडस्ट्री में कदम रखने से लेकर अपनी खुद की पहचान बनाने तक, यह फिल्म भारतीय सिनेमा में जाह्नवी के सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनी हुई है।

इसी फिल्म के साथ अपनी माँ की विरासत को आगे बढ़ाते हुए तेलुगु डेब्यू किया था। सिर्फ यही नहीं कोराताला शिवा के निर्देशन में बनी और जूनियर एनटीआर की मुख्य भूमिका वाली इस एक्शन ड्रामा फिल्म के जरिए जाह्नवी ने तेलुगु दर्शकों के सामने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया था। जाह्नवी के लिए यह डेब्यू भावनात्मक रूप से भी बेहद खास था। दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी होने के नाते, जिनका तेलुगु सिनेमा के साथ बेहद खास और यादगार रिश्ता रहा है।

भावना पांडे ने चंकी पांडे को दी जन्मदिन की बधाई, बोलीं : 'इन सभी शानदार वर्षों के लिए धन्यवाद'

एक्टर चंकी पांडे को जन्मदिन पर पत्नी भावना पांडे ने शनिवार को साथ बिताए गए 'शानदार वर्षों' के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों के उनके अनदेखे पलों की कई तस्वीरें पोस्ट कीं और चंकी के साथ और भी कई वर्षों तक साथ रहने की कामना की। भावना ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, चंक्स। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। इन सभी शानदार वर्षों के लिए आपका धन्यवाद। ' एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियों ने कमेंट सेक्शन में एक्टर चंकी पांडे को जन्मदिन की बधाई दी। फिल्ममेकर फराह खान ने लिखा, 'चंक्स हैप्पी बर्थडे। ' रिद्धिमा कपूर और महीप कपूर ने भी कमेंट सेक्शन में लाल दिल वाले इमोजी पोस्ट किए। चंकी की बड़ी बेटी, एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने भी अपने पिता को उनके जन्मदिन पर दिल से बधाई दी। अनन्या ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में अपने पिता की एक पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की। उनके खास दिन पर बधाई देते हुए, अनन्या ने फोटो-शेयरिंग ऐप पर लिखा, 'हैप्पी बर्थडे हैंडसम। लव यू पापा। ' अनन्या की छोटी बहन और चंकी की छोटी बेटी, राइसा पांडे ने भी अपने पिता की एक पुरानी तस्वीर अपलोड की और साथ में लिखा, 'सबसे कूल डैड को जन्मदिन की बधाई। ' खबरों के मुताबिक, चंकी और भावना 1996 में एक कॉमन दोस्त के जरिए मिले थे और उसके कुछ समय बाद ही डेटिंग शुरू कर दी थी। कुछ समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इस कपल ने 17 जनवरी 1998 को शादी कर ली। इस कपल की दो बेटियां अनन्या और राइसा हैं।

कोमल रानी का सुनीता आहूजा पर पलटवार

भगवान हर अच्छे आदमी को ऐसी चालाक औरतों से बचाए

अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार पिछले कई समय से अभिनेता गोविंदा के साथ रिश्तों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। कोमल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक लंबा चौड़ा नोट लिखा, 'जो औरत अपने ही पति को वर्षों से जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआएं किसी को नहीं लगतीं। जो घर पहले से ही टूटा हुआ हो, उसमें कोई घर तोड़ने वाला नहीं हो सकता। हमारे देश के लोग इतने बेवकूफ नहीं हैं कि सिर्फ इसलिए कौए के पीछे भागने लगें क्योंकि किसी ने कह दिया कि कौआ कान ले गया।' कोमल ने कहा कि इतने पर्सनल मुद्दे को पब्लिक में क्यों लाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आ रहा कि एक महिला किस तरह के दर्द से गुजर रही है, जहां वह ठीक करने की बजाय वह इसे पब्लिक में दिखाने में मजा ले रही है। क्या यह सच में दर्द है या फिर यह एक सोची-समझी साजिश है? ' उन्होंने लिखा, 'एक आदमी को लगातार मेंटली परेशान करना, उसे काम करने से रोकना, घर पर बैठने और बर्बाद होने के लिए मजबूर करना, पूरी तरह से अकेला करना और मौत के मुंह तक पहुंचाना कहां तक सही है। मुझे नहीं लगता है कि कोई भी अच्छी और समर्पित पत्नी अपने पति के साथ इतना बुरा बर्ताव कर सकती है। क्या ऐसी औरतें दिमागी तौर पर बीमार होती हैं या वे बस अपने भले के लिए बहुत चालाक होती हैं, उन्हें पूरी तरह पता होता है कि जो काम वे दरवाजे के पीछे नहीं कर सकतीं, वे पब्लिक में जाकर और लोगों की हमदर्दी पाकर कर सकती हैं। ' कोमल ने सुनीता को यह भी चेतावनी दी कि वह अपने एजेंडे के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करना बंद करें। पोस्ट के आखिर में कोमल ने लिखा, 'भगवान हर अच्छे आदमी को ऐसी चालाक औरतों से बचाए। ' कोमल रानी स्वर्णकार का यह पोस्ट सुनीता आहूजा के हाल ही

वीर पहाड़िया की 'इश्क का गुलाम' को सौंदर्या शर्मा का डांस शाउटआउट, 'प्रेम कीटाणु' की रिलीज से पहले बढ़ा बज़

फिलहाल सौंदर्या शर्मा का यह डांस वीडियो ऐसे समय में आया है, जब वीर पहाड़िया 'प्रेम कीटाणु' की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सोशल मीडिया पर 'इश्क का गुलाम' को मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच सौंदर्या के डांस वीडियो ने गाने और फिल्म को लेकर बन रहे बज़ को और बढ़ा दिया है।

मुंबई वीर पहाड़िया की अपकमिंग फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का म्यूजिक पहले से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बना हुआ है और अब इसमें एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा भी फिल्म के पॉपुलर ट्रैक 'इश्क का गुलाम' की एक्साइटमेंट में शामिल हो गई हैं। गौरतलब है कि सौंदर्या शर्मा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह 'इश्क का गुलाम' गाने पर अपने डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में वीर पहाड़िया को टैग करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए लिखा है, 'लाल परी भी हुई, इश्क का गुलाम' और इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा है, 'ये तुम्हारे लिए है, अब और इंतज़ार नहीं कर सकती। ढेर सारी शुभकामनाएं।

' फिलहाल सौंदर्या शर्मा का यह डांस वीडियो ऐसे समय में आया है, जब वीर पहाड़िया 'प्रेम कीटाणु' की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सोशल मीडिया पर 'इश्क का गुलाम' को मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच सौंदर्या के डांस वीडियो ने गाने और फिल्म को लेकर बन रहे बज़ को और बढ़ा दिया है। वीर पहाड़िया स्टारर 'प्रेम कीटाणु' में रोमांस, यंग एनर्जी और ड्रामा का मिश्रण देखने को मिलेगा।

रिलीज डेट नजदीक आने के साथ फिल्म के गाने और वीर की मौजूदगी दर्शकों का ध्यान लगातार अपनी ओर खींच रही है और 2 अक्टूबर को फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद अपनी एक्टिंग से जीता दर्शकों का दिल

कपूर खानदान के चिराग रणबीर को भी करना पड़ा था संघर्ष

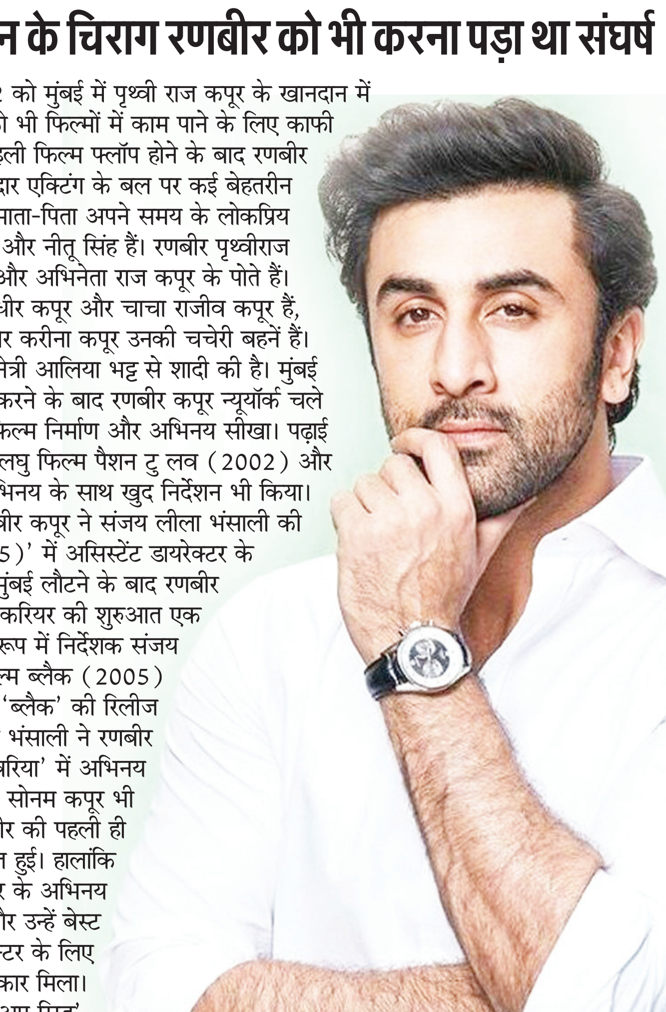

28 सितम्बर 1982 को मुंबई में पृथ्वी राज कपूर के खानदान में जन्मे रणबीर कपूर को भी फिल्मों में काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद रणबीर कपूर ने अपने दमदार एक्टिंग के बल पर कई बेहतरीन फिल्में दीं। रणबीर के माता-पिता अपने समय के लोकप्रिय सितारे ऋषि कपूर और नीतू सिंह हैं। रणबीर पृथ्वीराज कपूर के पड़पोते और अभिनेता राज कपूर के पोते हैं। इनके ताऊ रणधीर कपूर और चाचा राजीव कपूर हैं, करिश्मा कपूर और करीना कपूर उनकी चचेरी बहनें हैं। रणबीर कपूर ने अभिनेत्री आलिया भट्ट से शादी की है। मुंबई में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रणबीर कपूर न्यूयॉर्क चले गए, जहां पर उन्होंने फिल्म निर्माण और अभिनय सीखा। पढ़ाई के दौरान उन्होंने लघु फिल्म पैशन टु लव (2002) और इंडिया 1964 में अभिनय के साथ खुद निर्देशन भी किया। मुंबई आने के बाद रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक (2005)' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। मुंबई लौटने के बाद रणबीर कपूर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत एक सहयोगी निर्देशक के रूप में निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म ब्लैक (2005) साथ की थी। फिल्म 'ब्लैक' की रिलीज के बाद संजय लीला भंसाली ने रणबीर को अपनी फिल्म 'सांवरिया' में अभिनय का मौका दिया, जिसमें सोनम कपूर भी थीं। हालांकि रणबीर की पहली ही फिल्म फ्लॉप साबित हुई। हालांकि इस फिल्म में रणबीर के अभिनय की तारीफ की गई और उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू एक्टर के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। 2009 में वे 'वेक अप सिड' और 'अजब प्रेम की गजब कहानी' में अभिनय किया। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर यह हिट रही। रणबीर कपूर की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'बर्फी' रही। 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'यह जवानी है दीवानी' भी हिट रही। रणबीर की 'संजू (2018)' और 'एनिमल (2023)' को दर्शकों ने खूब सराहा। रणवीर कपूर ने अपने करियर में 22 फिल्में की हैं। अब रणबीर कपूर 'रामायण' फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टीजर और ट्रेलर जारी हो चुका है। इस फिल्म को नमित मल्होत्रा ने प्रोड्यूस और नितेश तिवारी फिल्म के डायेक्टर हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। 'रामायणः पार्ट 1' दिवाली 2026 और 'रामायणः पार्ट 2' दिवाली 2027 में रिलीज होगी। रणबीर कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि परिवार की कामयाबियों से अधिक नाकामियों ने सिखाया। शुरुआती दौर में इंडस्ट्री के कई डायरेक्टर और प्रोड्यूसर मुझे लॉन्च करना चाहते थे। मेरे पास मौके थे लेकिन मैं संजय लीला भंसाली का फैन था। इसलिए मैंने अपना रिज्यूमे बनाया और उनके ऑफिस के बाहर जाकर बैठ गया। उस वक्त शायद मुझे नहीं पता था कि यह अनुभव मेरी जिंदगी में कितना काम आएगा। उस इंतजार

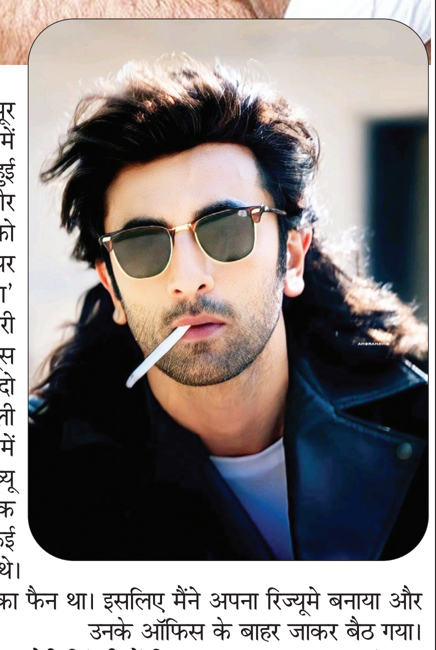

संपादकीय

हिंदुत्व, राष्ट्र और समाजसेवा को समर्पित जीवन

अशोक सिंघल का नाम आते ही लोगों के मस्तिष्क में राममंदिर आन्दोलन का परिदृश्य आता है। अशोक सिंघल श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के नायक के साथ अपना सर्वस्व हिंदुत्व, समाज और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित करने वाले व्यक्तित्व थे। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक, सामाजिक समरसता के अग्रदूत, राष्ट्र गौ-गंगा-गायत्री के उपासक व हिन्दुत्व के पुरोधा थे। राममंदिर आन्दोलन के माध्यम से उन्होंने हिन्दू समाज में शौर्य का जागरण किया। राममंदिर आन्दोलन ने समस्त हिंदुओं को एक करने का काम किया। सम्पूर्ण देश राममय हो गया। अशोक सिंघल का जन्म 27 सितम्बर 1926 को आगरा में हुआ था। उनके पिता महावीर सिंघल शासकीय सेवा में उच्च पद पर थे। 1942 में प्रयाग में पढ़ाई के दौरान रज्जू भैय्या उन्हें लेकर संघ की शाखा में गये। रज्जू भैय्या के साथ ही 1943 में अशोक सिंहल ने संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष किया। संघ के वरिष्ठ प्रचारक बापूराव मोघे व भाऊराव देवरस का सानिध्य विद्यार्थी जीवन से रहा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद 1948 में संघ पर प्रतिबन्ध लगा तो अशोक सिंघल सत्याग्रह कर जेल गये। वहाँ से आकर उन्होंने बीई अंतिम वर्ष की परीक्षा दी और इसके बाद संघ के प्रचारक बन गये। गोरखपुर, वाराणसी व सहारनपुर में जिला प्रचारक रहे। प्रचारक जीवन का अधिकांश भाग सहारनपुर, कानपुर और दिल्ली में व्यतीत हुआ कानपुर में विभाग प्रचारक और संभाग प्रचारक रहे। दिल्ली के प्रान्त प्रचारक रहे। 1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम की घटना ने सम्पूर्ण देश को झकझोर कर रख दिया क्योंकि वहां भेदभाव के कारण अनुसूचित समाज के 800 लोगों ने सामूहिक रूप से इस्लाम स्वीकार कर लिया था। इस घटना के बाद दिल्ली में एक विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया।

आज का राशिफल

मेष – अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

मिथुन – जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें।

कर्क – परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अतःवाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

सिंह – नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा।

कन्या – धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी।

तुला – सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

वृश्चिक – उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं।

धनु – लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

मकर – आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुंभ – अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा।

मीन – व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

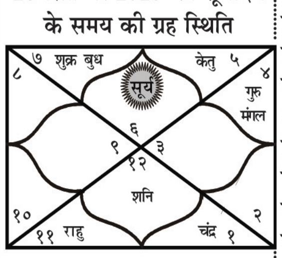

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	मेष में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.19 बजे से
वृश्चिक	09.33 ब.से
धनु	11.49 बजे से
मकर	13.54 बजे से
कुंभ	15.41 बजे से
मीन	17.14 बजे से
मेष	18.44 बजे से
वृष	20.24 बजे से
मिथुन	22.22 बजे से
कर्क	00.36 बजे से
सिंह	02.52 बजे से
कन्या	05.04 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 271 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 19.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 10.17 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 08.54 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 08.09 बजे तदनन्तर गर 19.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872846
जूलियन दिन 2461311.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 16
विशेष लता मंगेशकर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है। यह विचार अमेरिका की जानी-मानी निवेश बैंकिंग संस्था जेफरीज ने व्यक्त किया है। भारत में विशेष रूप से डाटा सेंटर स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता दिखाई दे रहा है। डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी छूट भी प्रदान की जा रही है। ऐसे में भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डाटा सेंटरों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों में इसके बढ़कर 10 जीडब्ल्यू तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा सेंटर अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है और यह निवेश आगे भी जारी रहने की संभावना है। भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके पास अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक पांच गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है। कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट भारत की महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सोलर क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत में 35 ऋह की सोलर क्षमता चालू है, जबकि 100 जीडब्ल्यू की क्षमता पर निर्माण कार्य चल रहा है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कंपनियों की सूची में आज भारत की 34 कंपनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पहले भारत फार्मा, टेक्सटाइल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद, मसाले, स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

भारत बन रहा है वैश्विक योग्यता केंद्र

भारत में उपलब्ध प्रतिभा और श्रमशक्ति के भरोसे विश्व की कई बड़ी कंपनियों के बीच भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक-ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है। इस बैंक के दुनियाभर के बैक-ऑफिस संचालन में कार्यरत 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन ने पुणे और चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कंपनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में बड़े स्तर पर अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत अब आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्चस्तरीय टैलेंट सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान का कार्य इन केंद्रों में सम्पन्न हो रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए उत्पादों का विकास भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत अमेरिका की कंपनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। इस केंद्र का आने वाले समय में और विस्तार किया जाना है। इसी प्रकार बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, फार्मा और सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित कर रही हैं।

ब्रेन ड्रेन से रिवर्स ब्रेन ड्रेन की ओर

एक समय अमेरिका और अन्य विकसित देशों की ओर भारत से बड़े पैमाने पर ब्रेन ड्रेन हुआ करता था। अब परिस्थितियों में बदलाव दिखाई दे रहा है और भारत रिवर्स ब्रेन ड्रेन की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से अमेरिका की नीतियों के कारण अन्य देशों से अमेरिका जाने वाले टैलेंट के लिए वहां लंबे समय तक रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों में जनसंख्या संबंधी परिस्थितियां भी बदल रही हैं। इन देशों में जन्म दर लगातार कम हो रही है। वहां जीवनशैली तेजी से व्यक्तिगत केंद्रित होती जा रही है। विवाह जैसी सामाजिक संस्था के प्रति दृष्टिकोण में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। पश्चिमी देशों में लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ा है और विवाह को लेकर पारंपरिक सोच में बदलाव आया है। तलाक की दरों में भी कई देशों में वृद्धि दर्ज की गई है। इन देशों में सामान्य जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ रही है। परिवार बढ़ाने और बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाला खर्च भी लोगों के निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। इसी संदर्भ में ह्यडबल इनकम नो किड्सह्न यानी ञ्क्ठङ का विचार भी जोर पकड़ रहा है। इसका अर्थ है कि परिवार में दोनों व्यक्ति आय अर्जित करें, पर बच्चे न हों। भारतीय दर्शन में विवाह को परिवार, समाज और अगली पीढ़ी के निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुख को अधिक महत्व दिए जाने के कारण पारिवारिक संरचनाओं में बदलाव दिखाई दे रहा है। पुनर्जन्म और जीवन के आध्यात्मिक उद्देश्य को लेकर भारतीय तथा पश्चिमी दार्शनिक दृष्टिकोणों में भी महत्वपूर्ण अंतर है। पश्चिमी समाज में बढ़ती भौतिक आवश्यकताओं, जीवन-यापन की लागत और व्यक्तिगत जीवनशैली का प्रभाव परिवार एवं जनसंख्या संरचना पर दिखाई दे रहा है। नागरिकों के सामने यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि वे अपनी आय और संसाधनों का कितना हिस्सा परिवार तथा बच्चों के पालन-पोषण पर खर्च कर सकते हैं। परिणामस्वरूप कई देशों में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है और जन्म दर में गिरावट देखी जा रही है।

भारत की ओर बढ़ता आकर्षण

आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, अपने जीवन के अंतिम चरण को अधिक सहज और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से भारत की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत की आध्यात्मिक नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति बढ़ी है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होता है। प्रारम्भ में अनेक विदेशी नागरिक योग और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं। भारत में रहने के दौरान उन्हें यहां की जीवनशैली और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होता है। इसके बाद कुछ लोग भारत में ही लंबे समय तक रहने या बसने का निर्णय लेते हैं। भारत में तेजी से विकसित हो रही औद्योगिक और तकनीकी क्षमताओं के साथ-साथ यहां की विशाल प्रतिभा, कुशल इंजीनियरिंग क्षमता, अपेक्षाकृत कम लागत और आध्यात्मिक-सांस्कृतिक वातावरण भी वैश्विक स्तर पर भारत के आकर्षण को बढ़ा रहा है। डाटा सेंटर से लेकर सेमीकंडक्टर, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक योग्यता केंद्रों तक अनेक क्षेत्रों में भारत का विस्तार इस बात का संकेत है कि देश एक नए औद्योगिक और तकनीकी चरण में प्रवेश कर रहा है।

(लेखक के निजी विचार)

तर्पण, पितृस्मरण, आध्यात्मिक अनुभूति के अद्भुत संगम हैं नर्मदा तट

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय सनातन परंपरा में नदी जीवन है, संस्कृति है, मातृत्व है, तप है और लोकमंगल की निरंतर प्रवाहित चेतना है। इसी परंपरा में मां नर्मदा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। नर्मदा तट पर किया गया तर्पण मनुष्य को अपने पितरों से जोड़ता है और जीवन की उस अखंड परंपरा के प्रति कृतज्ञ बनाता है, जिसके कारण वर्तमान पीढ़ी अस्तित्व में आई। अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम का दर्शन, तट पर श्राद्ध और तर्पण, शिवस्वरूप नर्मदेश्वर का पूजन तथा नर्मदा परिक्रमा मिलकर ऐसा आध्यात्मिक संसार रचते हैं, जहां जल श्रद्धा बन जाता है, तिल स्मृति का प्रतीक बन जाता है और नदी स्वयं सनातन जीवनधारा का रूप धारण कर लेती है। वस्तुतः ह्यतर्पणह्न शब्द का मूल भाव तृप्ति से जुड़ा है। सनातन संस्कार परंपरा में जल अर्पित करते हुए देवताओं, ऋषियों और पितरों का स्मरण किया जाता है। पितृ तर्पण मनुष्य को यह बोध कराता है कि उसका वर्तमान अकेला नहीं है। उसके पीछे माता-पिता, पूर्वजों, गुरुजनों, ऋषियों और असंख्य पीढ़ियों की स्मृतियां विद्यमान हैं। पितृपक्ष में तर्पण की परंपरा इसी भाव को विशेष गहराई देती है। जल, तिल और कुश के माध्यम से पितरों का स्मरण करते समय व्यक्ति अपने वंश की स्मृति को जीवित रखता है। यह संस्कार मनुष्य को अपनी जड़ों से जोड़ता है और जीवन के प्रति कृतज्ञता का भाव उत्पन्न करता है। नर्मदा के तट पर यही तर्पण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व ग्रहण कर लेता है। पद्म पुराण के नर्मदा-अमरकंटक प्रसंग में नर्मदा में देवताओं और पितरों के तर्पण का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं का तर्पण करने की बात कही गई है। स्कंद पुराण के रेवाखंड में नर्मदा माहात्म्य का वर्णन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से हुआ है। पहले नर्मदा को ग्राम और वन, हर स्थान पर पुण्यदायिनी बताया गया है। उसके बाद प्रसिद्ध श्लोक आता है :

त्रिभिः सारस्वतं तोयं सप्ताहेन तु यामुनम्।
सद्यः पुनाति गाङ्गेयं दर्शनादेव नार्मदम्॥

अर्थात सरस्वती का जल तीन दिनों में, यमुना का जल एक सप्ताह में और गंगा का जल तत्काल पवित्र करने वाला माना गया है; नर्मदा का दर्शन मात्र पवित्रकारी बताया गया है।(श्रीस्कन्दमहापुराण, अवन्तीखण्ड, रेवाखण्ड, अध्याय 21, श्लोक 6। परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत पुराण)। यहां दर्शन का आध्यात्मिक अर्थ भी महत्वपूर्ण है। भारतीय परंपरा में दर्शन आंखों से किसी दृश्य को देखने तक सीमित न होकर व्यापक परिप्रेक्ष्य में आया है। दर्शन में श्रद्धा, भाव, समर्पण और आत्मानुभूति का समावेश है, इसलिए नर्मदा दर्शन को मन की शुद्धि और आत्मचिंतन से जोड़कर देखा गया है। उसी रेवाखंड के अगले श्लोकों में अमरकंटक को पुण्य और सिद्धि से जुड़ा क्षेत्र बताया गया है। देवता, गंधर्व और तपस्वी ऋषियों के यहां तपस्या करने का वर्णन आता है। अमरकंटक को सिद्धिक्षेत्र कहा गया है और इसे देवताओं तथा ऋषियों से संबंधित पवित्र पर्वत के रूप में चित्रित किया गया है। पद्म पुराण के स्वर्गखण्ड में नर्मदा और अमरकंटक का वर्णन इससे आगे बढ़कर श्राद्ध और तर्पण से जोड़ता है। अध्याय 79 का संबंधित प्रसंग नर्मदा में देवताओं तथा पितरों के तर्पण से विशेष पुण्यफल का उल्लेख करता है। अमरकंटक में स्नान के बाद शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं के तर्पण की बात कही गई है। (श्रीमद् पद्मपुराण, स्वर्गखण्ड, अध्याय 79, ह्लजम्बूमार्ग आदि तीर्थ, नर्मदा नदी, अमरकण्टक पर्वत तथा कावेरी-संगम की महिमाह्व, परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत, गीताप्रेस-आधारित संक्षिप्त पद्मपुराण, पृष्ठ 353)

पितृऋण : अपने अस्तित्व की जड़ों को प्रणाम

सनातन धर्म में देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की अवधारणा मनुष्य को उसके व्यापक उत्तरदायित्व का बोध कराती है। पितृऋण का अर्थ है उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता जिनसे जीवन, वंश, संस्कार और सामाजिक परंपरा आगे बढ़ी। श्राद्ध इस कृतज्ञता का संस्कार है और तर्पण उसका जलमय स्वरूप है । जब श्रद्धालु नर्मदा के तट पर जल की अंजलि बनाता है और पितरों का स्मरण करता है, तब वह अपने अतीत को वर्तमान से जोड़ता है। तर्पण का यह भाव मनुष्य को अपने परिवार और वंश की स्मृतियों के प्रति सजग करता है। यह संस्कार जीवन पीढ़ियों की सतत यात्रा को अभिव्यक्त करता है। वस्तुतः नर्मदा के प्रवाह के सामने यह अनुभूति और भी गहरी हो जाती है। जैसे नदी का जल एक क्षण के लिए भी स्थिर नहीं रहता, वैसे ही मनुष्य का जीवन भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर प्रवाहित होता रहता है। यही इसका नित्य चिंतन यहां है। धार्मिक मान्यताओं में नर्मदा को भगवान शिव की मानस पुत्री कहा गया है। मैकाल पर्वत से प्रकट होने के कारण वह मैकलसुता कहलाती हैं। प्रवाह में पत्थरों के स्पर्श से उत्पन्न कल-कल ध्वनि के कारण उनका नाम रेवा भी प्रसिद्ध हुआ।नर्मदा के नाम ही उसके व्यक्तित्व का परिचय देते हैं। मैकलसुता में पर्वत की स्मृति है, रेवा में निरंतर गति है और मां नर्मदा में मातृत्व की अनुभूति। शिव और नर्मदा का संबंध भारतीय धार्मिक चेतना में अत्यंत गहरा है। इसी कारण नर्मदा के तट पर शिव आराधना, तपस्या और परिक्रमा की परंपरा सदियों से चलती आई है। नर्मदा की धार्मिक पहचान का एक अत्यंत लोकप्रिय भाव है और वह है ह्लनर्मदा का कंकर-कंकर शंकरह्व नर्मदा से प्राप्त प्राकृतिक शिलाखंडों को शैव परंपरा में नर्मदेश्वर शिवलिंग के रूप में पूजने की परंपरा है। प्राकृतिक रूप से निर्मित इन शिवस्वरूप शिलाओं की पूजा भारतीय धार्मिक जीवन में प्रकृति और परमात्मा के संबंध को व्यक्त करती है। यह भाव सनातन दर्शन के उस सूत्र से जुड़ता है जिसमें परम तत्व की उपस्थिति प्रकृति के कण-कण में अनुभव की जाती है। नदी का पत्थर श्रद्धा से शिवस्वरूप बन जाता है और नदी का जल अभिषेक का पवित्र माध्यम। इस प्रकार नर्मदा का प्रत्येक तट शिवभक्ति और प्रकृति आराधना के बीच एक सेतु जैसा दिखाई देता है।

नर्मदा परिक्रमा : देह की यात्रा और आत्म-साक्षात्कार

नर्मदा परिक्रमा भारतीय तीर्थ परंपरा की अत्यंत विशिष्ट साधना है। परंपरागत रूप से साधक नर्मदा के एक तट से यात्रा आरंभ करता है, नदी के प्रवाह का अनुसरण करता है और दूसरे तट से लौटते हुए परिक्रमा पूर्ण करता है। साधु-संतों की परंपरा में इसकी अवधि तीन वर्ष, तीन महीने और तेरह दिन बताई जाती है। विभिन्न परंपराओं में परिक्रमा के नियमों और आचरण की अलग-अलग विधियां भी मिलती हैं। नर्मदा परिक्रमा में साधक पैरों से दूरी तय करता है, मन से अहंकार छोड़ता है और प्रकृति के साथ रहने का अभ्यास करता है। मार्ग में मिलने वाला प्रत्येक घाट, प्रत्येक आश्रम, प्रत्येक मंदिर और प्रत्येक ग्राम उसके लिए साधना का पड़ाव बन जाता है। यहां नर्मदा परिक्रमा का दर्शन यह सिखा रहा होता है कि तीर्थ मनुष्य को बाहर की यात्रा के साथ भीतर की यात्रा भी कराता है। सनातन जीवनदृष्टि में वन, पर्वत और नदी साधना के स्वाभाविक क्षेत्र रहे हैं। ऋषि आश्रमों का नदी और वन से निकट संबंध इसी सांस्कृतिक स्मृति का प्रमाण है। अमरकंटक में नर्मदा का उद्गम और आसपास का वन क्षेत्र इसी प्राचीन भारतीय दृष्टि को जीवंत रूप देता है, जहां प्रकृति पूज्य है और उसका संरक्षण धर्मबोध से जुड़ा है। पितरों को जल अर्पित करते हुए मनुष्य अपने भीतर कृतज्ञता जगाता है। नर्मदा को प्रणाम करते हुए वह प्रकृति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है। शिवस्वरूप नर्मदेश्वर का पूजन करते हुए वह सृष्टि में व्याप्त दिव्य चेतना का अनुभव करता है। नर्मदा परिक्रमा करते हुए वह स्वयं को अनुशासन, धैर्य और साधना के मार्ग पर ले जाता है। इस प्रकार नर्मदा भारतीय सनातन चेतना में एक साथ मां, नदी, तीर्थ, तपोभूमि, शिवधारा और पितृस्मरण की पवित्र भूमि बन जाती है। स्कंद पुराण में कहा गया ह्लदर्शनादेव नार्मदम्ह्व नर्मदा के प्रति उस गहन श्रद्धा को व्यक्त करता है, जो हजारों वर्षों से भारतीय मानस में प्रवाहित है। पद्म पुराण में नर्मदा और अमरकंटक के संदर्भ में तर्पण, श्राद्ध, तिल और जल का विधान इस आध्यात्मिक परंपरा को और गहरा करता है। 'नर्मदे हर' इसी समग्र भाव का उद्घोष है। यह मां नर्मदा को प्रणाम है, पितरों का स्मरण है, शिव को नमन है और उस सनातन जीवनधारा के प्रति कृतज्ञता है, जो पर्वत से निकलकर समुद्र तक जाती हुई पीढ़ियों को जोड़ती चली जाती है।

जिला संवेदक संघ की नई कमिटी के गठन की तैयारी, 25 अक्टूबर को होगा चुनाव

जिला संवेदक संघ की बैठक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

झुमरी तिलैया। झुमरी तिलैया स्थित रॉयल सेलिब्रेशन में रविवार को कोडरमा जिला संवेदक संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ठाकुर यशवंत सिंह ने की, जबकि संचालन संघ के महासचिव विमल मोदी ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में संवेदकों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में संघ की नई कमिटी के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। महासचिव विमल मोदी ने कहा कि संघ के चुनाव को कई वर्ष बीत चुके हैं। ऐसे में नई कमिटी का गठन जरूरी है, ताकि नई ऊर्जा के साथ संवेदकों के हित में कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि संवेदकों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। बैठक में उपस्थित संवेदकों ने नई कमिटी के गठन पर सहमति जताई। चुनाव प्रक्रिया के संचालन के लिए 15 सदस्यीय चुनाव संचालन कमिटी का गठन किया गया। इसमें विमल मोदी, प्रदीप कुमार पांडे, सौरभ यादव, उमेश यादव, अशोक पांडे, संजीव यादव, अज्जू सिंह, राजकुमार पांडे, दीपनारायण सिंह, संतोष यादव, संदीप पांडे, मुनेश यादव, सनोज कुमार, अजय सिंह और कौशलेश मेहता को शामिल किया गया। बताया गया कि चुनाव संचालन कमिटी की अगली बैठक 5 अक्टूबर को होगी, जबकि संघ की नई कमिटी का गठन 25 अक्टूबर को रॉयल सेलिब्रेशन में किया जाएगा। बैठक में संवेदकों ने कार्यालयों में होने वाली परेशानियों, कार्यस्थलों से जुड़ी समस्याओं, लंबित बिल भुगतान, रॉयल्टी के नए नियमों के कारण भुगतान पर रोक तथा करीब तीन वर्ष पुराने दर के एस्टीमेट पर टेंडर किए जाने सहित कई मुद्दे उठाए। संवेदकों ने इन समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर संवैधानिक तरीके से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बात कही। बैठक में देव सिंगार सिंह, उमेश साव, चंदन सिंह, दीपू पांडे, महेश यादव, प्रवीण मेहता, मो. सोनू, रतन लाल चौधरी, मोहनीश चौधरी, ऋषि कुमार, मो. काशिफ अहमद, लक्ष्मण प्रसाद, विवेक मेहता, सुबोध मेहता, संजय सिंहा, मो. अली, दिवाकर कुमार, अजय कुमार, गोपाल कुमार, संजय प्रसाद, रंजय सिंह, रवि कुमार, रणजीत जायसवाल, शंकर यादव, रोहित यादव, विजय कुमार, सुरेंद्र यादव, अमरेंद्र चौधरी, धर्मेंद्र राम, अनिल ठाकुर, चेतन राम, बिनोद यादव, प्रकाश यादव, बीरेन्द्र यादव, टिंकू कुमार, महेश वर्मा, गौतम वर्णवाल, गौतम कुमार, ओमप्रकाश यादव, अरविंद कुमार, अशोक सिंह, वीरेन्द्र राणा, रंजीत यादव, राजेंद्र मेहता, सुमन यादव, अशोक शर्मा सहित सैकड़ों संवेदक मौजूद थे।

बासोडीह में गैस वितरण को लेकर हंगामा, घंटों कतार के बाद भी कई उपभोक्ता लौटे खाली हाथ

बासोडीह। बासोडीह बाजार में सौरभ इंडियन गैस एजेंसी की ओर से गैस सिलेंडर वितरण के दौरान रविवार को अव्यवस्था का मामला सामने आया। गैस लेने के लिए सुबह से ही सैकड़ों उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। तेज धूप के बीच महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। कई उपभोक्ताओं को अंत में सिलेंडर नहीं मिलने के कारण निराश होकर लौटना पड़ा। स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि यह समस्या पिछले कई महीनों से बनी हुई है। उनका कहना है कि नियमित उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में खड़ा रहने के बाद गैस खत्म होने की बात कहकर वापस कर दिया जाता है। ग्रामीणों ने वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि पर्याप्त गैस उपलब्ध नहीं है, तो नियमित उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिलने में लगातार परेशानी क्यों हो रही है। कुछ ग्रामीणों ने गैस की कालाबाजारी किए जाने का आरोप भी लगाया है। उनका दावा है कि सामान्य वितरण में घंटों इंतजार के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल पाता, जबकि कथित तौर पर अधिक कीमत देने पर कुछ लोगों को कम समय में सिलेंडर उपलब्ध हो जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कराने, गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी बढ़ाने और यदि कालाबाजारी की शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस जैसी आवश्यक वस्तु के लिए महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य उपभोक्ताओं को घंटों धूप में खड़ा न होना पड़े, इसके लिए व्यवस्थित टोकन प्रणाली और पारदर्शी वितरण व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

एमएमडीआर संशोधन से झारखंड के खनिज उद्योगों को मिल सकता है फायदा : प्रदीप वर्मा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

झुमरी तिलैया। भाजपा कोडरमा जिला की ओर से रविवार को शिव वाटिका में एमएमडीआर एक्ट में हुए संशोधन को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री सह राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि संशोधन से खनिज क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। इसका लाभ झारखंड के खनिज आधारित उद्योगों को भी मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि खनिजों की उपलब्धता, कीमत और औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने व्यवस्था में बदलाव किया है। झारखंड जैसे खनिज संपदा से समृद्ध राज्य में खनिजों की लागत प्रतिस्पर्धी रखना जरूरी है। प्रदीप वर्मा ने झारखंड में खनिजों पर अतिरिक्त सेस लगाए जाने को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि इससे झारखंड में कोयले की कीमत अन्य राज्यों की तुलना में अधिक हो रही है। उन्होंने कहा कि खनिजों की लागत बढ़ने का असर खनन, उद्योग, रोजगार और राज्य के राजस्व पर पड़ सकता है। उन्होंने अवैध खनन को लेकर भी राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए खनिज संसाधनों के पारदर्शी और प्रभावी उपयोग की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि खनिजों की लागत प्रतिस्पर्धी होने से मांग बढ़ सकती है, जिसका सकारात्मक असर उद्योग और रोजगार पर पड़ सकता है। केंद्र सरकार के अनुसार, एमएमडीआर संशोधन अधिनियम-2026 का उद्देश्य खनिज क्षेत्र में दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और निवेश के लिए पूर्वानुमेय व्यवस्था तैयार करना है। केंद्र का कहना है कि खनन क्षेत्र से प्राप्त राजस्व का लगभग 90 प्रतिशत राज्यों को मिलता है। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव ने किया। मौके पर कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव समेत भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिहार के वांटेड नक्सली को पलामू के दंगवार प्रभारी ने छोड़ा, एसपी ने किया लाइन हाजिर

पलामू। जिले के हुसैनाबाद के दंगवार ओपी प्रभारी ने बिहार के एक वांटेड नक्सली को गिरफ्तार करके छोड़ दिया. दरअसल घटना 22 सितंबर की है. पलामू पुलिस वारंटी की गिरफ्तार के लिए एक अभियान चला रही थी, इसी क्रम में बिहार के मोतिहारी जिले में नक्सल केस में राजेंद्र पासवान को दंगवार ओपी के प्रभारी ने पकड़ लिया था. रात 12:00 के करीब राजेंद्र पासवान को पकड़ा गया था और तीन साढ़े तीन बजे उसे छोड़ दिया गया। वारंटी को छोड़ने की हुई पुष्टि इस पूरे मामले में एसपी कपिल चौधरी ने हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन किया था. जांच में दंगवार ओपी प्रभारी सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र मेहता के वारंटी राजेंद्र पासवान को पकड़कर छोड़ देने की बात की पुष्टि हुई है. जिसके बाद सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र मेहता के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। ओपी प्रभारी को किया गया लाइन हाजिर पलामू एसपी ने बताया कि वारंटी को छोड़ देने का मामला सामने आया है. पूरे मामले में जांच की गई है और जांच के बाद कार्रवाई की जा रही है. ओपी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया है. दरअसल, जिस इलाके में घटना हुई है, वह इलाका बिहार सीमा से बेहद करीब है। वारंटी पर दर्ज है नक्सली से जुड़े मामले जिस वारंटी को पकड़कर छोड़ा गया है, उसकी उम्र करीब 65 वर्ष है. वारंटी पर बिहार के मोतिहारी जिले में नक्सली से जुड़ा मामला दर्ज है. दरअसल नियम है कि वारंटी को गिरफ्तार करने के बाद संबंधित क्षेत्र का थाना जहां मुकदमा दर्ज है, वहां वारंटी को पहुंचाता है।

जापानी एन्सेफलाइटिस की दस्तकः दो बच्चों में संक्रमण की पुष्टि, एक की मौत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। जापानी एन्सेफलाइटिस के दो मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है. महज दो दिनों के भीतर सामने आए इन मामलों में एक 12 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि दूसरे संक्रमित बच्चे का इलाज शहीद निर्मल महतो स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में चल रहा है.

बच्चे की मौत के बाद इलाके में बढ़ाई गई निगरानी

मामले के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है. ताजा मामला निरसा प्रखंड के पंचेत क्षेत्र से सामने आया है. यहां के रहने वाले 12 वर्षीय मोहित टुडू को शुक्रवार को गंभीर हालत में एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान चिकित्सकों को जापानी एन्सेफलाइटिस की आशंका हुई, जिसके बाद उसका नमूना जांच के लिए अस्पताल के सूक्ष्मजीव

विज्ञान विभाग भेजा गया. शनिवार को आई जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई।

एक और मरीज में संक्रमण की पुष्टि

एसएनएमएमसीएच के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि अस्पताल की प्रयोगशाला में तीन-चार नमूनों की जांच की गई थी, जिसमें एक मरीज की रिपोर्ट जापानी एन्सेफलाइटिस के लिए सकारात्मक मिली है. वहीं, एसएनएमएमसीएच के मैनेजर डॉ. सी.एस. सुमन ने भी एक मरीज में संक्रमण की पुष्टि की है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में जापानी एन्सेफलाइटिस का एक मामला सामने आया है और मरीज के इलाज के साथ जरूरी सभी चिकित्सकीय एवं एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं. इससे एक दिन पहले तेलमच्चो निवासी 12 वर्षीय कन्हाई तुरी की एसएनएमएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मौत के बाद उसके नमूने की जांच की गई, जिसमें जापानी एन्सेफलाइटिस की पुष्टि हुई. इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में जांच और निगरानी अभियान शुरू किया. जिला मलेरिया समन्वयक रमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम तेलमच्चो पहुंची. टीम ने गांव में बुखार से पीड़ित लोगों की जानकारी जुटाई और स्वास्थ्य जांच की. इसी दौरान मृतक कन्हाई तुरी की बहन के भी तेज बुखार से पीड़ित होने की जानकारी मिली. टीम ने उसकी जांच की। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान उसमें जापानी एन्सेफलाइटिस के लक्षण नहीं पाए गए. हालांकि एहतियात के तौर पर उसे निगरानी में रखा गया है. मामले को लेकर धनबाद के सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि एक मरीज की मौत जापानी एन्सेफलाइटिस से हुई है. स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है और एहतियात के तौर पर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं.

बच्चों के लिए खतरनाक है 'जापानी एन्सेफलाइटिस'

जापानी एन्सेफलाइटिस मच्छर के जरिए फैलने वाला विषाणुजनित संक्रमण है. खासकर बच्चों में यह गंभीर रूप ले सकता है. तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरे पड़ना, अत्यधिक सुस्ती, भ्रम और व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय जांच जरूरी है. स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी कर रही है. बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान और जांच की जा रही है, ताकि संक्रमण के संभावित मामलों का समय रहते पता लगाया जा सके और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

भीतर की साधना, बाहर का समर्पणः अहो गुरुदेव में पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के जीवन और कार्य के छह दशकों का उत्सव

पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी की 60वीं जन्म-वर्षगांठ सिर्फ एक जीवन का नहीं, बल्कि उनसे बदले अनगिनत जीवन का उत्सव

छह महाद्वीपों से संतों, दिग्गजों और साधकों का भव्य संगम; 60 ऐतिहासिक पहलों की घोषणा

रांची/मुंबई। जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर 25 और 26 सितंबर 2026 को दुनिया भर के साधकों और श्रद्धालुओं के लिए एक भव्य संगम स्थल बन गया, जब श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर की ओर से ह्यअहो गुरुदेव झ 60 वर्षों की प्रबुद्ध जीवन-यात्राह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह के माध्यम से दुनिया भर में सम्मानित आध्यात्मिक गुरु, मानवसेवी और श्रीमद् राजचंद्रजी के परम भक्त पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी की 60वीं जन्म-वर्षगांठ मनाई गई।

ऊपरी तौर पर यह आयोजन 60वीं जन्म-वर्षगांठ का उत्सव था, लेकिन कन्वेंशन सेंटर के भीतर इसका स्वरूप सामान्य जन्मदिन समारोह से कहीं व्यापक और गहरा दिखाई दिया। आध्यात्मिक गुरु, उद्योग जगत के प्रमुख लोग, परोपकारी, युवा स्वयंसेवक और 24 देशों के 214 शहरों से आए हजारों आध्यात्मिक साधक इस भव्य आयोजन का हिस्सा बने।

दो दिवसीय इस समारोह में पूज्य मोरारी बापू, पूज्य आनंदमूर्ति गुरुमां, स्वामी चिदानंद सरस्वतीजी, स्वामी स्वरूपानंदजी, बीके सिस्टर शिवानी, साध्वी भगवती सरस्वती और भिखु संघसेनाजी सहित अनेक संत एवं आध्यात्मिक विभूतियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कई प्रमुख विशिष्ट अतिथियों ने भी शिरकत की। इनमें महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, इंफोसिस के संस्थापक एवं चेयरमैन एमेरिटस पद्म विभूषण एन. आर. नारायण मूर्ति, टाटा संस के चेयरमैन पद्म भूषण एन. चंद्रशेखरन, महाराष्ट्र, गुजरात एवं गोवा क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल डी. एस. कुशवाह, पद्म श्री एवं लोकसभा सांसद हेमा मालिनी, एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन पद्म भूषण दीपक पारेख, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक पद्म श्री दिलीप संघवी, पाक-कला विशेषज्ञ एवं वंडरशेफ के सह-संस्थापक पद्म श्री संजीव कपूर, रिलायंस रिटेल एवं रिलायंस जियो के निदेशक मनोज मोदी, अडानी समूह के प्रमोटर विनोद अडानी, हिंदुजा समूह के चेयरमैन अशोक हिंदुजा, अभिनेता एवं निमार्ता रणबीर कपूर, टोरेंट समूह के चेयरमैन एमेरिटस सुधीर मेहता, अभिनेत्री एवं फैशन उद्यमी सोनम कपूर आहूजा, कोटक महिंद्रा एएमसी के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सह-संस्थापक मोतीलाल ओसवाल तथा पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मधुकर पारेख शामिल रहे।

60 नई पहलों की घोषणा

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण 60 नई पहलों की घोषणा रही। इन पहलों को आध्यात्मिक उन्नति और मानवसेवा से जुड़ी परियोजनाओं में समान रूप से विभाजित किया गया।

सेवा से जुड़ी प्रमुख पहलों में श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल कैंसर अस्पताल, सुरेंद्रनगर में श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, श्रीमद् राजचंद्र मानसिक स्वास्थ्य पहल, 60 नए श्रीमद् राजचंद्र लव एंड केयर सेंटर, पूरे भारत में बहु-विशेषता वाले बड़े चिकित्सा शिविर तथा एनीमिया और दृष्टि देखभाल शिविर शामिल हैं। इन स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से 6 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

पशु सेवा के क्षेत्र में एक विशाल परिसर विकसित करने की पहल की गई है, जिसमें श्रीमद् राजचंद्र पशु चिकित्सालय, पशु आश्रय केंद्र, पशु चिकित्सा विज्ञान संस्थान और धरमपुर में अहिंसा जागरूकता केंद्र शामिल होंगे। इसके अलावा मलाड में भी एक पशु चिकित्सालय स्थापित करने की योजना है।

इसी क्रम में श्रीमद् राजचंद्र दिशा नामक निःशुल्क कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित करियर मार्गदर्शन मंच, मुंबई में विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए श्रीमद् राजचंद्र विद्यालय, ग्रामीण भारत के लिए श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल विश्वविद्यालय, श्रीमद् राजचंद्र वनरोपण पहल तथा महिला सशक्तिकरण, समुदाय विकास और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कई अन्य योजनाओं की घोषणा की गई।

एक नजर

रोटरी क्लब के शिविर में 70 से अधिक दिव्यांगों को मिले कृत्रिम अंग

झुमरी तिलैया। रोटरी क्लब कोडरमा की ओर से आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर में 70 से अधिक जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर प्रदान किए गए। कृत्रिम अंग मिलने के बाद लाभुकों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास नजर आया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कई लाभुकों को अपने हाथों से कृत्रिम अंग दिए। उन्होंने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जिन लोगों के पैर नहीं थे, वे अब अपने पैरों पर चलकर जा रहे हैं। इससे बड़ी सच्ची सेवा और क्या हो सकती है। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन से हुई। रोटरी अध्यक्ष नवीन आर्या ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर नवीन जैन ने शिविर की जानकारी दी। असिस्टेंट गवर्नर अमित कुमार और कोऑर्डिनेटर संगीता शर्मा ने सेवा कार्य को मानवता की सच्ची सेवा बताया। शिविर में धनबाद से लिंब्स प्रोजेक्ट के विकास शर्मा, रिद्धि शर्मा, डॉक्टर सूर्यनारायण पांडे और टेक्नीशियन टीम का सहयोग रहा। मूलचंद छाबड़ा फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंदों को व्हीलचेयर, बैसाखी और वॉकर भी उपलब्ध कराए गए। सचिव मोहक सुल्तानिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

MMDR संशोधन से खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा : प्रदीप वर्मा

झुमरी तिलैया। भाजपा कोडरमा जिला की ओर से रविवार को शिव वाटिका में एमएमडीआर एक्ट में हुए संशोधन को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री सह राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रदीप वर्मा ने कहा कि संशोधन से खनिज क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसका लाभ झारखंड के खनिज आधारित उद्योगों को भी मिल सकता है। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव ने किया। प्रदीप वर्मा ने कहा कि खनिजों की उपलब्धता, कीमत और औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने व्यवस्था में बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे खनिज संपदा वाले राज्य में खनिज की लागत प्रतिस्पर्धी रखना जरूरी है। उन्होंने झारखंड में खनिजों पर अतिरिक्त सेस को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए और दावा किया कि इससे कोयले की लागत बढ़ रही है। उनके अनुसार झारखंड के कोयले की कीमत करीब 2,200 रुपये प्रति मीट्रिक टन है, जबकि पश्चिम बंगाल में करीब 1,399 रुपये और छत्तीसगढ़-ओडिशा में करीब 1,652 रुपये प्रति मीट्रिक टन है। उन्होंने कहा कि लागत अधिक होने से उद्योग दूसरे राज्यों या विदेशों से खनिज लेने का विकल्प चुन सकते हैं। प्रदीप वर्मा ने कहा कि खनिजों की लागत का असर खनन, उद्योग, रोजगार और राजस्व पर पड़ सकता है। उन्होंने अवैध खनन पर भी राज्य सरकार को घेरा और खनिज संसाधनों के पारदर्शी उपयोग की मांग की। केंद्र सरकार के अनुसार, टटव्रफ़ओल्र्लोल्लि३ अू३, 2026 का उद्देश्य खनिज क्षेत्र में दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और निवेश के लिए पूर्वानुमेय व्यवस्था बनाना है। केंद्र का कहना है कि खनन क्षेत्र से मिलने वाले राजस्व का करीब 90 प्रतिशत राज्यों को मिलता है और संशोधन के बाद भी राज्यों के राजस्व हिस्से में कमी नहीं होगी। प्रेस वार्ता में कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, रामनाथ सिंह, डॉ. नरेश पंडित, रमेश सिंह, नितीश चंद्रवंशी, सुरेश यादव, अरसद खान, बेदू साव, केदार यादव, जयप्रकाश राम, सुभाष मोदी, गोपाल कुमार गुटुल, सुनीति सेठ, सबिता देवी समेत भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनएच पर खड़े वाहनों के खिलाफ कोडरमा पुलिस का अभियान, 38 वाहनों पर कार्रवाई

कोडरमा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से कोडरमा पुलिस एवं परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से विशेष जांच अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कोडरमा के निर्देश पर रविवार, 27 सितंबर 2026 को चलाए गए अभियान में सड़क किनारे अवैध एवं लापरवाहीपूर्वक खड़े वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान चंदवारा थाना क्षेत्र में एनएच-20 समेत जिले के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर जांच की गई। इस दौरान सड़क किनारे बिना सुरक्षा उपाय के खड़े 32 भारी एवं 6 छोटे वाहनों सहित कुल 38 वाहन पाए गए। संबंधित वाहनों के खिलाफ जुमार्ना लगाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर वाहन चालकों एवं मालिकों को जागरूक करते हुए हिदायत दी कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें। विशेष रूप से मोड़, पुल, चौक, सर्विस लेन तथा ऐसे स्थानों पर वाहन खड़ा करने से बचने को कहा गया, जहां इससे अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि दोबारा इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम लोगों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के जांच अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

पलामू में 10 लाख की सुपारी देकर पति की हत्या, पत्नी, ससुर सहित सात गिरफ्तार

पलामू। पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के एकता जंगल में हुई पंकज उरांव हत्याकांड का पुलिस ने रविवार को खुलासा किया है। इस सिलसिले में पुलिस ने पत्नी, ससुर सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिले के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने रविवार दोपहर 3:30 बजे इस संबंध में पूरी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 23 सितंबर की सुबह करीब छह बजे एकता जंगल से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। उसकी पहचान पाटन के बंजारी गांव निवासी पंकज उरांव के रूप में हुई। पंकज 19 सितंबर से लापता था। मृतक के पिता ने उसकी पत्नी अनिमा कुमारी और उसके मायके पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। अनुसंधान के दौरान पत्नी समेत अन्य लोगों से पूछताछ की गई। इस क्रम में स्पष्ट हुआ कि पति-पत्नी के बीच विवाद था और पति अक्सर पत्नी की हत्या की धमकी देता था। पति से परेशान होकर पत्नी ने उसकी हत्या की योजना बनाई और पिता समेत अन्य रिश्तेदार एवं पहचान वालों को इसमें शामिल किया। तेतरी देवी और पिंटू कुमार को इसके लिए 10 लाख रुपए की सुपारी दी गई थी। तेतरी देवी के बैंक खाते में करीब 8 लाख रुपये अब भी मौजूद हैं। जांच में यह भी सामने आया कि साजिश के तहत रिंकी देवी से पंकज उरांव की फोन पर बातचीत कराई गई और उसे मिलने के लिए सतबरवा बुलाया गया। इसी क्रम में आरोपियों ने पंकज की हत्या कर शव को एकता जंगल में फेंक दिया। गिरफ्तार आरोपियों में पत्नी अनिमा कुमारी, पिंटू कुमार, तेतरी देवी, जितेंद्र उरांव, रिंकी देवी, रामजनम उरांव और दिलेश्वर सिंह शामिल हैं। सभी पलामू जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। मोबाइल, नकदी, बैंक दस्तावेज और कार बरामद की गई है। छापामारी दल में लेस्लीगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार, थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, बाबूलाल यादव, लेस्लीगंज रिजर्व गार्ड और पलामू पुलिस की तकनीकी शाखा शामिल रही।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में तेज हवा-बारिश से धान की फसल को नुकसान :सड़कों पर भरा पानी

मोतिहारी,एजेंसी। मोतिहारी में चार दिन की लगातार बारिश के बाद रविवार को मौसम सुधरा। तेज हवा और बारिश से जनजीवन पर असर पड़ा था। रविवार सुबह हल्के बादल दिखे, बारिश कम हुई, जिससे लोगों ने राहत की उम्मीद जताई। तीन-चार दिनों की बारिश से शहर-ग्रामीण इलाकों में पानी भरा रहा। सड़कों पर जलजमाव से आवाजाही मुश्किल हुई। दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और बाजारों पर भी असर पड़ा। धान की फसल को हुआ नुकसान बारिश का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा। खेतों में खड़ी धान की फसल को तेज हवा और बारिश से नुकसान हुआ। कई जगह फसल खेतों में गिर गई, जिससे किसानों को उत्पादन और आर्थिक नुकसान की चिंता है। ग्रामीण इलाकों के कच्चे रास्ते भी खराब हो गए। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोन अर्णव का असर कमजोर हो रहा है। आने वाले समय में बारिश धीरे-धीरे कम होगी, जिससे लोगों और किसानों को राहत मिलेगी।

900 स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता

बक्सर,एजेंसी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर के 900 से अधिक प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भव्य चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को राष्ट्र-निर्माण की सोच से जोड़ना है। उनके भीतर छिपी रचनात्मक क्षमता को निखारना है। इसी क्रम में सिमरी प्रखंड के डुमरी मंडल स्थित मध्य विद्यालय खरहाटांड में भाजपा की जिला मंत्री संध्या पाण्डेय ने बच्चों के साथ प्रतियोगिता आयोजित की। उन्होंने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। जिले के विभिन्न प्रखंडों के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने निबंध लेखन, चित्रकला, वक्तृत्व प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विकसित, आत्मनिर्भर, शिक्षित, स्वच्छ भारत की अपनी परिकल्पना को कैनवास व कागज पर खूबसूरती से उकेरा। भाजपा जिला मंत्री संध्या पाण्डेय ने कहा कि आज के बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं। वे देश के विकास, सामाजिक उत्थान के बारे में गहराई से विचार करेंगे। तभी एक सशक्त राष्ट्र की नींव मजबूत होगी। इस अवसर पर शिक्षकों और अभियान कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को समाज सेवा, अनुशासन, राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के जिला संयोजक अमरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि जिला संगठन और जिला शिक्षा विभाग के बेहतर समन्वय के कारण ही विपरीत मौसम के बावजूद जिले के 900 से अधिक विद्यालयों में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। इस मौके पर विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभियान से जुड़े पदाधिकारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अज्ञात गाड़ी की टक्कर से ई-रिक्शा ड्राइवर की मौत बक्सर में पुराना भोजपुर अंडरपास के पास एक्सीडेंट

बक्सर । बक्सर के पुराना भोजपुर अंडरपास के पास शनिवार को सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक श्रीभगवान बहेलिया (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वे डुमरांव निवासी शिवनारायण बहेलिया के बेटे थे और ई-रिक्शा चलाकर परिवार का गुजारा करते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रीभगवान अंडरपास के दक्षिण छोर से रॉन्ग साइड में महाराजा कोठी की तरफ जा रहे थे। सर्विस लेन से फोरलेन सड़क पर चढ़ते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनके ई-रिक्शा को टक्कर मारी। चालक स्टेयरिंग में फंस गए टक्कर से ई-रिक्शा टूट गया, चालक स्टेयरिंग में फंस गए। सूचना पर एसडीपीओ समीर कुमार सिंह, थानाध्यक्ष चंदन कुमार समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे, शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने वाहन की पहचान को जांच शुरू की है, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिवार के आवेदन पर आगे की कार्रवाई होगी।

मुजफ्फरपुर में 50 लाख की शराब बरामद, तस्कर धराया: गरहा में ट्रक और 2 कार से मिली थी 5187 लीटर खेप

5 थानों में दर्ज है 14 केस

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। मुजफ्फरपुर में करीब 50 लाख रुपए की विदेशी शराब बरामदगी के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गरहा ओपी (अहियापुर थाना) क्षेत्र में अगस्त में ट्रक और दो कार से बरामद 5187.276 लीटर विदेशी शराब के मामले में पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर तस्कर संतोष कुमार कुशवाहा को एक चारपहिया वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार संतोष कुमार कुशवाहा मीनापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, शराब बरामदगी के इस मामले में वह संलिप्त था और घटना के बाद फरार हो गया था। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल और एक चारपहिया वाहन बरामद किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ टाउन-2 कार्तिकेयन ए.के. ने बताया कि 7 अगस्त 2026 को मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, बिहार पटना से मिली गुप्त सूचना के आधार पर गरहा ओपी की टीम ने पटियासा जलाल के पास कार्रवाई की थी। वहां एक ट्रक और दो कार में छिपाकर रखी गई 5187.276 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई थी। कार्रवाई के दौरान आरोपी फरार हो गए थे। इस संबंध में अहियापुर (गरहा ओपी) थाना कांड संख्या 127/26 दर्ज किया गया था। इसके बाद से मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस को संतोष कुशवाहा के बारे में सूचना मिली और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 5 थानों में 14 केस, शराब से लेकर लूट और हथियार तक के मामले पुलिस के अनुसार गिरफ्तार संतोष कुशवाहा का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ मीनापुर, अहियापुर, मनियारी, करजा और औराई थाना में कुल 14 मामले दर्ज हैं। इनमें अधिकांश मामले बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम से जुड़े हैं। मीनापुर थाना में उसके खिलाफ कुल 8 मामले दर्ज हैं। इनमें शराबबंदी कानून के तहत दर्ज कई मामलों के अलावा चोरी, शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट से जुड़ा मामला भी शामिल है। वर्ष 2023 में उसके खिलाफ अश्लील कृत्य/शब्द और शस्त्र अधिनियम से जुड़ा मामला भी दर्ज हुआ था। अहियापुर थाना में संतोष के खिलाफ 3 मामले दर्ज हैं। इनमें दो मामले शराबबंदी कानून से जुड़े हैं, जबकि एक मामला धोखाधड़ी और चोरी से संबंधित है। इसके अलावा मनियारी थाना में उसके खिलाफ लूट का एक मामला दर्ज है। करजा थाना में भी लूट का एक केस है। वहीं, औराई थाना में अपहरण से संबंधित एक मामला दर्ज है।

14 मामलों में अलग-अलग आरोप: पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, संतोष के खिलाफ दर्ज मामलों में शराब तस्करी के साथ-साथ लूट, अपहरण, चोरी, धोखाधड़ी, शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े आरोप शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि 7 अगस्त को गरहा ओपी क्षेत्र में बरामद की गई शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

शराब तस्करी के नेटवर्क की जांच जारी: पुलिस के अनुसार, बड़ी मात्रा में शराब बरामदगी के बाद मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार संतोष से पूछताछ के आधार पर शराब की सप्लाई और परिवहन से जुड़े लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। एसडीपीओ टाउन-2 ने बताया कि शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत पुराने शराब मामलों में फरार आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जा रही है। गायघाट में झोपड़ी से 800 लीटर शराब बरामद इधर, गायघाट थाना क्षेत्र के गयासुद्दीनपुर गांव में पुलिस ने एक झोपड़ी में छापेमारी कर 800.49 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। एसडीपीओ पूर्वी वन अलय वत्स के अनुसार, 25 सितंबर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गायघाट थाना की टीम ने कार्रवाई की। मामले में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पटना में डेंगू का कहर:इस साल अबतक 318 मरीज मिल चुके; सितंबर में मिले 151 मरीज, अगस्त के मुकाबले 56 फीसदी ज्यादा

पटना,एजेंसी। पटना में बारिश और उमस के बीच डेंगू का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। सितंबर में अब तक 151 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। शनिवार को भी 2 नए मरीज मिले हैं। अगस्त में 97 मरीज मिले थे। यानी, अगस्त की तुलना में सितंबर में करीब 56 प्रतिशत अधिक मरीज मिल चुके हैं।

इस साल जनवरी से जून तक डेंगू के 44 मरीज मिले थे। जुलाई में 26 मरीज मिले थे। पूरे सीजन के कुल 318 मरीजों में से करीब 48% अकेले सितंबर में मिले हैं। डेंगू वायरस के चार प्रमुख सीरोटाइप (डेनवी-1, डेनवी-2, डेनवी-3 और डेनवी-4) होते हैं। एक ही क्षेत्र में एक से अधिक सीरोटाइप का संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। जिन्हें पहले कभी डेंगू हो चुका है, उन्हें दूसरे सीरोटाइप से दोबारा संक्रमित होने पर गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे मरीजों को बुखार आने पर तुरंत विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

ये उपाय जरूरी: सप्ताह में कम से कम एक बार घर और आसपास जमा पानी की जांच करें। कूलर, गमले, पुराने टायर और खुले बर्तनों में पानी जमा न होने दें। पूरी बांह के कपड़े पहनें और मच्छररोधी उपायों का इस्तेमाल करें। तेज बुखार होने पर खुद से दवा लेने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू मरीज मिलने वाले घर और आसपास लार्वा की जांच व एंटी-लार्वा कार्रवाई कराई जाए।

बिना सलाह दर्द की दवा न लें: लक्षण दिखने पर खुद से दवा लेना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। कुछ दर्द निवारक दवाएं शरीर में रक्तस्राव (ब्लीडिंग) के खतरे को बढ़ा देती हैं। बुखार या शरीर दर्द होने पर बिना डॉक्टर की सलाह के दवा न लें। मरीज पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन जारी रखें और नियमित जांच कराएं। इस मौसम में तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों में दर्द, कमजोरी या उल्टी को सामान्य वायरल न समझें। पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, नाक-मसूड़ों से खून आना या अत्यधिक बेचैनी डेंगू के चेतावनी संकेत हैं। ऐसे लक्षण दिखते ही तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें। - डॉ. राजीव रंजन, फिजिशियन

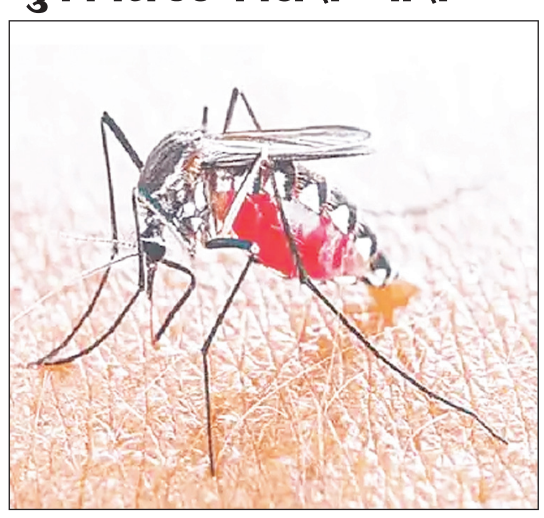

नवादा में 234 साइबर अपराधी गिरफ्तार:एक साल में 64 लाख नगद, 398 मोबाइल और सोना-चांदी जब्त

नवादा,एजेंसी। नवादा पुलिस ने पिछले एक साल (सितंबर 2025-सितंबर 2026) में साइबर अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है। इस दौरान 171 एफआईआर दर्ज कर 234 साइबर अपराधी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने अपराधियों से 398 मोबाइल, 150 सिम, 64 लाख रुपये नकद, नौ दोपहिया और चार चारपहिया वाहन जब्त किए। 406 ग्राम सोना और 1646 ग्राम चांदी भी बरामद हुई।

अवैध सिम से 1.20 करोड़ की ठगी का खुलासा: अवैध सिम की खरीद-बिक्री में तीन एफआईआर दर्ज कर पांच सिम एजेंट पकड़े गए। इन सिम से करीब 1.20 करोड़ रुपए की साइबर ठगी सामने आई। पुलिस इस नेटवर्क के अन्य लोगों की जांच कर रही है।

'साइबर स्मार्ट मंगलवार' अभियान जारी: साइबर ठगी रोकने के लिए नवादा पुलिस 'साइबर स्मार्ट मंगलवार' अभियान चला रही है। स्कूल, कॉलेज और पंचायत भवनों में लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव की जानकारी दी जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी और बैंक जानकारी साझा न करें। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार 2 चचेरे भाई घायल: गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

गोपालगंज,एजेंसी। गोपालगंज में अनियंत्रित अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार 2 चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सिधवलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहिमा स्थित एनएच 27 पर हुई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनों पीड़ित सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा गांव के निवासी हैं। घायलों की पहचान रूपेश कुमार तथा मिथिलेश कुमार के रूप में की गई है। दोनों भाई किसी काम से अपने दीदी के घर गए हुए थे वापस लौटने के दौरान बरहिमा एनएच 27 के समीप तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी दुर्घटना के बाद दोनों घायल युवक काफी देर तक सड़क किनारे तड़पते रहे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों की नजर सड़क किनारे पड़े जख्मी युवकों पर पड़ी।

डायल 112 घायलों को ले गई अस्पताल: स्थानीय ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए तत्काल आपातकालीन सेवा डायल 112 को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उठाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टरों द्वारा दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, दुर्घटना में दोनों युवकों को शरीर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। उधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद घायलों के परिजन भी रोते-बिलखते सदर अस्पताल पहुंचे।

स्कूल से लौट रही शिक्षिका को ट्रक ने रौंदा, मौत

गोपालगंज में पति गंभीर घायल, ट्रक का पिछला पहिया सिर पर चढ़ा

गोपालगंज,एजेंसी। गोपालगंज के मांझा थाना क्षेत्र भड़कुईया मोड़ के समीप शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला विशिष्ट शिक्षिका की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। वही सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान नगर थाना क्षेत्र के सरेया वार्ड नंबर दो लखपतिया मोड़ निवासी विजय कुमार राम की 52 वर्षीय पत्नी शांति प्रभा देवी के रूप में की गई। जो मांझागढ़ प्रखंड के लंगटू हाता गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय विशिष्ट शिक्षक के पद पर तैनात थी। ट्रक का पिछला पहिया सिर पर चढ़ा दरअसल इस संदर्भ में बताया जाता है कि शिक्षिका शांति प्रभा रोज की तरह शनिवार को भी अपने पति विजय राम के साथ स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के बाद अपने पति के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रही थीं। जैसे ही वे मांझा थाना क्षेत्र के भड़कुईया मोड़ के पास पहुंची, तभी एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि शिक्षिका ट्रक के नीचे आ गई जबकि उसका पति सड़क के दूसरे तरफ जा गिरा। महिला जब तक संभल कर उठना ही चाह रही थी कि तभी ट्रक का पिछला पहिया उसके सिर पर चढ़ गया जिसके कारण मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। फरार ट्रक चालक की तलाश जारी वहीं, स्कूटी चला रहे उनके पति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में घायल पति को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मांझागढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। शिक्षिका की अचानक हुई दर्दनाक मौत की खबर मिलते ही शिक्षा जगत और उनके सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश व मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

भागलपुर रेल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, उल्टा पुल के नीचे से 4 किलो गांजा के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

भागलपुर,एजेंसी। भागलपुर रेलवे स्टेशन परिसर और उसके आसपास नशा तस्करों के खिलाफ राजकीय रेल पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने रविवार को स्टेशन परिसर स्थित उल्टा पुल के नीचे घेराबंदी कर एक महिला तस्कर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के पास से तस्करी के लिए लाया गया 4 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। यह पूरी कार्रवाई जीआरपी थाना के इंस्पेक्टर नसीम अहमद और आरपीएफ पोस्ट के इंस्पेक्टर ए.के. गिरी के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम द्वारा की गई।

रेल पुलिस को पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी कि स्टेशन परिसर के पास मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप की डिलीवरी होने वाली है। सूचना मिलते ही दोनों थानों के कमानों ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक जॉइंट टीम बनाई और उल्टा पुल के नीचे संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर उक्त महिला को दबोच लिया, जिसके पास से तलाशी के दौरान 4 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस की गिरफ्त में आई महिला तस्कर की पहचान पूर्णिया जिले के रुपौली की रहने वाली 27 वर्षीय महिला के रूप में की गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वह गांजे की यह खेप कहां से लाई थी और भागलपुर में इसे किसे डिलीवर किया जाना था। रेल पुलिस के लिए पिछले 48 घंटों के भीतर नशा तस्करों के खिलाफ यह दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले भी इस संयुक्त टीम ने कविगुरु एक्सप्रेस ट्रेन में सघन छापेमारी अभियान चलाकर भारी मात्रा में लावारिस हालत में गांजा बरामद किया था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से स्टेशन परिसर और ट्रेनों में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट में हड़कंप मचा हुआ है।

रेल पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर नसीम अहमद ने बताया कि गिरफ्तार महिला से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस पूरे नशा सप्लाई नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य मुख्य सरगनाओं का पर्दाफाश किया जा सके।

एशियन गेम्स 2026: 50 मीटर राइफल 3पी के व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल लाने से चूकी तिलोत्तमा और विदर्शा

आइची । एशियन गेम्स 2026 में भारत की तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद व्यक्तिगत शूटिंग मेडल जीतने से चूक गईं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में वे मामूली अंतर से मेडल हासिल नहीं कर सकीं। तिलोत्तमा ब्रॉन्ज मेडल के बहुत करीब थीं। भारतीय शूटर साउथ कोरिया की किम जी-उन पर 0.3 प्वाइंट की बढ़त के साथ तीसरे स्थान के लिए फाइनल शॉट में उतरीं। हालांकि, अपने आखिरी प्रयास में 9.4 स्कोर करने से किम के लिए मौका बन गया, जिन्होंने 10.5 स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा की चुनौती एलिमिनेशन राउंड में पहले ही खत्म हो गई। 10.4 के स्कोर ने उन्हें एक राउंड में बने रहने और कजाकिस्तान की एरिना मालिनोव्स्काया (316.7 स्कोर) से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अगले शॉट में 10.0 स्कोर करने से विदर्शा का फाइनल में सफर खत्म हो गया और वह 327.4 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। ये करीबी मुकाबले तब हुए जब दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ-शूटर फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा 590-32× स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर मेडल मुकाबले में उतरी थीं, जबकि विदर्शा ने 588-29× स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। आखिरकार चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हान जियायु ने गोल्ड-मेडल शूटआउट में अपनी ही देश की झांग लियुआन को हराया और निर्णायक शॉट में 10.5 स्कोर करके जीत पक्की की। हान ने 359.0 स्कोर के साथ नया एशियन रिकॉर्ड बनाया, जबकि झांग ने 358.8 स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। व्यक्तिगत निराशा के बावजूद, क्वालिफिकेशन राउंड के प्रदर्शन ने भारत के लिए पहले ही एक मेडल पक्का कर दिया था। सेन, विनोद और आशी चौकसे ने मिलकर टीम इवेंट में 1,763-90× का स्कोर करके सिल्वर मेडल जीता। आशी चौकसे व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना पाईं, लेकिन उनके 585-29× स्कोर ने टीम के कुल स्कोर में योगदान दिया। विदर्शा के लिए भी शनिवार का दिन उनके गेम्स कैंपेन में एक और सिल्वर मेडल लेकर आया। इससे पहले, वह 20 सितंबर को चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाली भारत की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम में इलावेनिल वलारिवन और सोनम उत्तम मस्कर के साथ शामिल थीं। हालांकि, व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद बहुत कम अंतर से मेडल जीतने से चूक गईं। इसके बावजूद भारत ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में टीम इवेंट का मेडल अपने नाम किया। हालांकि, फाइनल में पहुंचने वाले किसी भी भारतीय शूटर को व्यक्तिगत स्पर्धा में पोडियम पर जगह नहीं मिल सकी।

एशियन गेम्स 2026: अनाहत सिंह ने रचा इतिहास, फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बनीं

नागोया । भारत की अनाहत सिंह ने जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 (9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही अनाहत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला सिंगल्स स्क्वैश

फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं। 18 साल की भारतीय खिलाड़ी को शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से हारने के बाद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने गेम प्वाइंट्स बचाकर और 8-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरा गेम 12-10 से जीतकर खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद अनाहत ने चौथे गेम में शानदार वापसी की। 8-6 से पिछड़ने के बाद, उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट जीतकर गेम 11-6 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल को 2-2 की बराबरी पर लाकर निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें और आखिरी गेम में दबदबा बनाया और इसे 11-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनाहत की जीत से उनका मेडल पक्का हो गया है। यह युवा खिलाड़ी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना पहला सिंगल्स मेडल (गोल्ड या सिल्वर) जीतेगी। वातानाबे के तीसरे गेम हारने के बाद, मैच का रुख पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। उन्होंने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और बेहतरीन रैकेट कौशल दिखाते हुए आखिरी दो गेम में अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया। अनाहत की जीत फाइनल के लिहाज से भी बहुत अहम है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज - कप्तान शुभमन गिल चोट के बावजूद पहला वनडे खेलेंगे

तिरुवनंतपुरम, । भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि कर दी है कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल को कोई गंभीर चोट नहीं है और वह रविवार को ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मैच में खेलने के लिए फिट हैं। भारत-वेस्टइंडीज की टीमें 27 सितंबर, 30 सितंबर और 3 अक्टूबर को वनडे सीरीज के तीन मैच खेलेंगी। इसके बाद 6-17 अक्टूबर के बीच पांच मुकाबलों की वनडे सीरीज खेली जानी है। शुक्रवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की एक उछलती हुई गेंद से गिल की दाहिनी कोहनी पर चोट लगी थी। इसके बाद मैदान पर दाएं हाथ के बल्लेबाज का करीब 20 मिनट तक इलाज चला, जिसके बाद वह नेट्स में थ्रोडाउन खेलने के लिए लौटे। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोटक ने पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि वह ठीक हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' कोटक ने भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने आ रही लगातार सिलेक्शन की उलझनों पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बारे में भी बात की, जो सभी फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद अक्सर टीम से बाहर रहते हैं। गिल और रोहित शर्मा की मौजूदगी के कारण जायसवाल को ज्यादातर समय बाहर ही रहना पड़ा है। कोटक ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा और कई खिलाड़ियों के अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से हो रहा है। जायसवाल के बारे में हम सभी जानते हैं कि वह बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं और जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं। वह टीम का हिस्सा हैं और सपोर्ट स्टाफ के तौर पर हम जाहिर तौर पर उनकी स्किल्स, प्रैक्टिस और मानसिक दृष्टिकोण का ध्यान रखते हैं और गौतम (गंभीर) भी उनसे काफी बात करते हैं, लेकिन कभी-कभी, मान लीजिए कि अगर तीन बहुत अच्छे विकेटकीपर हैं, तो

उनमें से सिर्फ एक ही खेलेगा। इसलिए, ऐसा नहीं है कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है। मुझे बस लगता है कि यह खेल का हिस्सा है।' बैटिंग कोच ने कहा, 'उन्हें कड़ी मेहनत करते हुए अपने मौकों का इंतजार करना चाहिए। अब तक, जब भी टीम को उनकी जरूरत पड़ी है और उन्हें मौका मिला है, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। हम उनकी स्किल्स और प्रैक्टिस पर ध्यान देते हैं। हम देखते हैं कि वह किस स्थिति में हैं? कैसा खेल रहे हैं और जब वह टीम के साथ होते हैं।

एशियन गेम्स: ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान क्वार्टर फाइनल में, जापान बाहर

निशिन । कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट ग्रुप ए का आखिरी लीग मुकाबला बारिश की वजह से प्रभावित रहा। नेपाल और जापान के बीच खेला गया यह मुकाबला बारिश की वजह से ड्रॉ रहा और दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बाँट दिए गए। इसके साथ ही जापान एशियन गेम्स से बाहर हो गया। जापान और नेपाल के बीच खेला गया यह मुकाबला बारिश की वजह से बुरी तरह प्रभावित रहा था और इसी वजह से शुरुआत में मैच को 20-20 की जगह 15-15 ओवर का निर्धारित

किया गया था, हालांकि इसके बावजूद मैच पूरा नहीं हो सका। मुकाबले की बात करें तो जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। संदीप जोरा के 32 गेंदों पर 3 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 57 रन और लोकेश बाम के 22 गेंदों पर 6 छक्कों और 1 चौके की मदद से बनाए गए 52 रन तथा दोनों के बीच 30 गेंदों पर हुई नाबाद 65 रन की साझेदारी का नेपाल को 149 तक पहुँचाने में अहम योगदान रहा। विकेटकीपर-बल्लेबाज आसिफ शेख ने 15 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौका लगाते हुए 21 रन बनाए थे। नेपाल की पारी की समाप्ति के बाद जापान को 150 रन का लक्ष्य हासिल करना था। जापान की टीम एक रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार हो रही थी, लेकिन बारिश ने एक बार फिर दस्तक दी और जापान की पारी में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। लंबे इंतजार के बाद अंपायरों ने दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बाँटते हुए मैच रद्द कर दिया। ग्रुप ए से शीर्ष पर रहते हुए नेपाल और दूसरे स्थान पर रहते हुए अफगानिस्तान ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

धीरज बोम्मादेवरा ने एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर रिकर्व इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में टॉप किया

ओकाजाकी । भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आर्चरी क्वालिफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया। ओकाजाकी, 26 सितंबर (आईएएनएस)। भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आर्चरी क्वालिफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया। धीरज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में से 698 का स्कोर किया और इंडिविजुअल इवेंट में टॉप सीड हासिल की, जबकि भारत की टीम क्वालीफिकेशन में दूसरी सीड पर रही। धीरज ने 690 पॉइंट्स का पिछला एशियाड रिकॉर्ड तोड़ा, जो कोरिया के ली वू का था। धीरज दोनों हाफ में टॉप फॉर्म में थे और उन्होंने 360 में से 348 पॉइंट्स हासिल किए। इसके बाद तीरंदाज ने दूसरे हाफ में सुधार किया और आखिरी 36 तीरों

में 350 का स्कोर किया, यानी 360 में से सिर्फ 10 पॉइंट्स गंवाए। मुकाबले में शामिल दूसरे भारतीय, नीरज चौहान और संजय यशदीप भोगे, इंडिविजुअल इवेंट में 20वें और 25वें स्थान पर रहे। नीरज ने 676 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि संजय ने इवेंट में 665 पॉइंट्स हासिल किए। इन तीनों ने टीम क्वालीफिकेशन में भारत को 2039 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर लाने में मदद की, जो कोरियाई टीम से ठीक पीछे है, जिसके 2064 पॉइंट्स थे। इससे भारतीय पुरुष टीम को प्री-क्वार्टर फाइनल में बाई मिल गई है, क्योंकि उन्हें 32 टीमों के ड्रॉ में दूसरी सीड मिली है। धीरज को भी टॉप सीड होने के कारण दूसरे राउंड में बाई मिली है। महिलाओं के इवेंट में भारत की चिकिथा तनिपार्थी ने इंडिविजुअल कंपाउंड इवेंट में 720 में से 705 का स्कोर बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। वह चीनी ताइपे की चेन यी-ह्सुआन का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ने के बहुत करीब थीं, जिन्होंने 2018 गेम्स में 706 का स्कोर किया था। भारत की ज्योति सुरेखा 699 पॉइंट्स के साथ 13वें स्थान पर रहीं, जबकि पृथिका प्रदीप 695 पॉइंट्स के साथ 20वें स्थान पर रहीं। टीम इवेंट में भारतीय महिलाओं ने दूसरा स्थान हासिल किया। इन तीनों ने मिलकर भारत को 2099 पॉइंट्स हासिल करने में मदद की। चीन 2099 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर रहा।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैम्पियन - देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

गोलकीपर वृंदा टिंकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी-1 जयपुर की टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिंकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। पेनल्टी शूटआउट के दौरान वृंदा ने शानदार गोलकीपिंग करते हुए देहरादून की दो पेनल्टी रोक दीं। वृंदा की इन बेहतरीन बचतों से जयपुर टीम को जीत मिल गई। वहीं जयपुर की ओर से गोरिका यादव, देविशा सोनी और खुशी यादव ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। देहरादून की ओर से संध्या ही एक गोल कर सकीं। इस शानदार जीत के साथ केवी-1 जयपुर की अंडर-14 बालिका फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। खिलाड़ियों के सामूहिक प्रदर्शन, अनुशासन, आत्मविश्वास और निर्णायक क्षणों में बेहतर खेल ने टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में विजेता जयपुर टीम को 70 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

एशियन गेम्स में भारत का तीसरा गोल्ड, महिला कबड्डी टीम ने ईरान को हराकर रचा इतिहास

आइची-नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया है। महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल में ईरान को 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस जीत के साथ 2022 में जीते खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। महिला कबड्डी में यह भारत का लगातार पांचवां एशियन गेम्स पदक है। भारतीय टीम ने 2010 और 2014 में गोल्ड, 2018 में सिल्वर और 2022 में फिर गोल्ड मेडल जीता था। 2026 में एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर टीम ने इस प्रतियोगिता में अपनी शानदार निरंतरता बनाए रखी है। फाइनल मुकाबला बेहद करीबी रहा। भारत ने ईरान को 37-34 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने 2018 के एशियन गेम्स फाइनल में ईरान के हाथों मिली हार के बाद इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल्ड मेडल मुकाबले में वापसी भी की।

एशियन गेम्स: भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेट्टी का 'मेंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

इचिनोमिया सिटी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी का सफर 'मेंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हराने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था। वहीं, उन्नति हुड्डा ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स इवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 79 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुड्डा ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वोंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। आखिरी गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन उन्नति ने 20-18 पर दो मैच प्वाइंट्स हासिल कर लिए। वोंग ने पहला मैच प्वाइंट बचा लिया, लेकिन अगले प्वाइंट पर उन्होंने क्रॉस-कोर्ट शॉट खेला जो बाहर चला गया। विमेंस डबल्स इवेंट में, त्रिशा जॉली/गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने जापान की मायु मात्सुमोतो/युकी फुकुशिमा को 24-22, 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ त्रिशा और गायत्री एशियन गेम्स में भारत की पहली विमेंस डबल्स मेडलिस्ट बनने की राह पर बनी हुई हैं।

एशियन गेम्स 2026: जोशना-सेंथिलकुमार की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने स्क्वैश में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की जोड़ी ली का यी और तांग मिंग होंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एक बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार सेमीफाइनल में 1-2 (10-11, 11-2, 10-11) से हार गई। इस हार के साथ उनका फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 10-8 से आगे थी और उसके पास मैच जीतने के तीन मौके थे। हालांकि, वे इन मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दबाव भरे क्षणों में जोशना का एक शॉट बाहर चला गया, जिससे वे निर्णायक गेम हार गए और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। यह चिनप्पा का छठा एशियन गेम्स मेडल है। इससे पहले यह अनुभवी खिलाड़ी तीन ब्रॉन्ज और दो सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, उनके मेडल कलेक्शन में अभी भी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का गोल्ड मेडल शामिल नहीं हो पाया है। चिनप्पा और सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस की जेमिका अरिबाडो और डेविड पेलिनो को 2-0 (11-3, 11-5) को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और तभी भारत के लिए मेडल पक्का कर लिया था। चिनप्पा सिंगल्स इवेंट का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि भारत ने सिंगल्स कैटेगरी में अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना को उतारा है। अनाहत अपने पहले एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने की कोशिश में हैं। सिंगल्स सेमीफाइनल में उनका मुकाबला जापान की सातोमी वातानाबे से होना है। इससे पहले, शुक्रवार को उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तन्वी को हराया था, जो एक ऑल-इंडियन मुकाबला था। शनिवार को पुरुषों के सिंगल्स सेमीफाइनल में भारत के अभय सिंह का मुकाबला पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान से होगा।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में सजा 75 जिलों की 75 महिला उद्यमियों का ग्रामीण बाजार

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा की जरी-जरदोजी, अमरोहा के मसाले, अयोध्या की हर्बल चाय, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, कन्नौज का इत्र, गोरखपुर की टेराकोटा ज्वेलरी और बनारस के कालीन। उत्तर प्रदेश के गांवों और कस्बों में महिलाओं के हाथों तैयार हो रहे उत्पाद अब स्थानीय हाट-बाजार की सीमा से निकलकर बड़े बाजार की ओर बढ़ रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के 75 जिलों से पहुंची स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने हुनर से उत्तर प्रदेश की ऐसी ही तस्वीर सामने रखी है।

यहां सिर्फ उत्पाद नहीं बिक रहे बल्कि हर स्टॉल के साथ किसी गांव, किसी परंपरागत कला और उसे रोजगार में बदलने वाली महिला की कहानी भी जुड़ी है। आगरा की रहनुमा जरी-जरदोजी लेकर पहुंची हैं तो अमरोहा की कौशल्या गौतम के पिसे मसाले अपनी महक बिखेर रहे हैं। अयोध्या की रेणु सिंह की हर्बल चाय और लेमन ग्रास के उत्पाद हैं तो आजमगढ़ की रीता प्रजापति ब्लैक पॉटरी को बड़े बाजार के सामने लेकर आई हैं। कन्नौज की तारावती के पास इत्र है, जबकि वाराणसी की सीता देवी कालीन, फुटमैट और रनर के जरिए बनारस के हुनर की नुमाइंदगी कर रही हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए यह भागीदारी महज प्रदर्शनी तक सीमित नहीं है। यहां उन्हें अपने उत्पाद बेचने के साथ ग्राहक की पसंद समझने, पैकेजिंग और प्रस्तुति देखने तथा बड़े बाजार में अपने उत्पाद की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिल रहा है।

प्रदेश के एक छोर से दूसरे छोर तक बदलते ही उत्पाद भी बदल रहे हैं। कहीं परंपरागत शिल्प बाजार में जगह बना रहा है तो कहीं गांव की महिलाओं ने रोजमर्रा की जरूरत के उत्पादों को अपने उद्यम का आधार बनाया है। गोरखपुर की सरोज पाल टेराकोटा ज्वेलरी लेकर आई हैं तो सहारनपुर की सुधा सैनी लकड़ी के हस्तशिल्प और खिलौनों के साथ ट्रेड शो में पहुंची हैं। प्रयागराज की तबस्सुम मकसूद मूंज से टोकरी, डलिया और सजावटी सामान तैयार कर रही हैं। प्रतापगढ़ की प्रज्ञा जायसवाल आंवला-मुरब्बा और आम का अचार लेकर आई हैं। महोबा की रानी के स्टॉल पर पीतल की मूर्तियां और दूसरे शिल्प उत्पाद हैं। सिद्धार्थनगर की सरोज देवी ने केले के रेशे को उद्यम में बदलकर बनाना फाइबर उत्पाद तैयार किए हैं। सोनभद्र की मधुबाला हर्बल साबुन, शहद, फिनाइल और जूट बैग के साथ पहुंची हैं, जबकि खीरी की शफीका जूते, चप्पल और बेल्ट जैसे उत्पाद लेकर आई हैं।

चित्रकूट की प्रिया सिंह के लकड़ी के खिलौने, बुलंदशहर की शाहजहां की खुर्जा पॉटरी, कन्नौज की तारावती का इत्र, मथुरा की रेखा के टेराकोटा और मिट्टी के उत्पाद तथा ललितपुर की लीला देवी के गोमय उत्पाद इस विविधता को और विस्तार देते हैं।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि ट्रेड शो में महिला समूहों की उद्यमशीलता का दायरा केवल पारंपरिक हस्तशिल्प तक सीमित नहीं है। यहां जूट बैग और जरी साड़ी से लेकर चिकनकारी, हैंडलूम, कालीन, लकड़ी के खिलौने, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, शहद, मसाले, अचार-मुरब्बा, हर्बल उत्पाद और घरेलू उपयोग के सामान तक मौजूद हैं।

चंदौली की अंजू जरी-जरदोजी सिल्क, बनारसी साड़ी, सूट और दुपट्टे लेकर आई हैं। बाराबंकी की शशि माला चिकनकारी और आर्टिफिशियल आभूषण, रायबरेली की रूबी बानो हैंड ब्लॉक प्रिंट के सूट, साड़ी और दुपट्टे तथा मऊ की माधुरी देवी सिल्क साड़ी प्रदर्शित कर रही हैं। दूसरी तरफ बलिया की रंजना देवी फिनाइल, टॉयलेट क्लीनर, डिशवॉश और हैंडवॉश लेकर आई हैं। जौनपुर की सुषमा सिंह भी क्लीनिंग उत्पादों के साथ मौजूद हैं। मुजफ्फरनगर की दीपिका साबुन, सर्फ और हर्बल तेल तथा कौशाम्बी की शिमला देवी कुशवाहा अचार और देसी घी के साथ क्लीनर व हैंडवॉश जैसे उत्पाद लेकर पहुंची हैं। इस विविधता में गांव की परंपरा भी है और बदलते बाजार के साथ कदम मिलाता ग्रामीण उद्यम भी।

स्वयं सहायता समूहों के लिए किसी उत्पाद को तैयार करना कारोबार की पहली सीढ़ी है। उसके बाद सबसे बड़ी चुनौती ग्राहक और बाजार तक पहुंचने की होती है। इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दूरी को कम करने का माध्यम बन रहा है।

दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाएगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 29 सितंबर को दिल्ली में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक बुलाने की घोषणा की है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उत्तराखंड के हल्द्वानी दौरे के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों के खिलाफ हो रहे अत्याचार तथा ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद, पूर्व सांसद, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री, विधायक तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में तेलंगाना के नागरकुरनूल से सांसद डॉ. मल्लू रवि ने बताया कि 29 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे संविधान क्लब के मावलांकर हॉल में दलित-आदिवासी सम्मान बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुई कथित शुद्धिकरण घटना पर चर्चा करना है। यह केवल खरगे का नहीं बल्कि पूरे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय का अपमान था।

आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि प्रस्तावित बैठक में दलित और आदिवासी समाज के सांसद, विधायक, पूर्व विधायक तथा विधान परिषद सदस्य शामिल होंगे। बैठक में साझा एजेंडा तैयार किया जाएगा और प्रत्येक राज्य में संयुक्त कार्रवाई मंच के माध्यम से दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अन्याय तथा अत्याचार के मामलों में संघर्ष किया जाएगा।

मणिपुर के सेनापति में गोलीबारी, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई तीन

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के सेनापति जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। घटना में घायल दो नागरिकों में से एक ने रविवार तड़के दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान आशिहो सानी (49) के रूप में हुई है। रविवार सुबह करीब तीन बजे एक निजी अस्पताल में मृतक ने अंतिम सांस ली। इसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए सेनापति जिला अस्पताल ले जाया गया।

उल्लेखनीय है कि, शनिवार दोपहर सेनापति क्षेत्र के कालेनजांग गांव में हुई गोलीबारी में दो नगा नागरिकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान चाओवैनामाई गांव निवासी रॉकी और लाई शिराफी गांव निवासी कुमार के रूप में हुई है। घटना में घायल अदानी मैनियो (33) का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम मौके पर पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ रिपोर्टों में सशस्त्र कुकी समूहों की कथित संलिप्तता की बात कही गई है, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

यह घटना यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) द्वारा राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार महीने से जारी आर्थिक नाकेबंदी को स्थगित करने की घोषणा से कुछ घंटे पहले हुई।

अलग घटना में, इसके दो दिन पहले कामजोंग जिले के पिलोंग गांव में भारत-म्यांमार सीमा के निकट चार तांगखुल नगा नागरिकों की कथित हमले में मौत हुई थी। सितंबर में मणिपुर के तमेंगलोंग, कांगपोकपी, नोनी और कामजोंग जिलों में अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम 13 लोगों की मौत की सूचना है। मणिपुर पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हत्याओं की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि इस वर्ष राज्य में 60 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

उत्तर प्रदेश ने विकास की नई यात्रा तय की : पीयूष गोयल

एजेंसी

नोएडा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित चौथे इंटरनेशनल ट्रेड शो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने विकास की नई यात्रा तय की है। आज प्रदेश की सकारात्मक सोच, उद्यमियों का आत्मविश्वास और विकास के प्रति प्रतिबद्धता उसकी नई पहचान बन चुके हैं। उत्तर प्रदेश के विकास की गूंज अब देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है।

यूपीआईटीएस के तीसरे दिन आयोजित स्पेशल बिजनेस सेशन लीवरेजिंग इंडियाज फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स फॉर ग्लोबल बिजनेस ग्रोथ में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए पीयूष गोयल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर शुरू हुआ यह आयोजन आने वाले वर्षों में और बड़ा तथा प्रभावी होता जाएगा। उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को पूरी दुनिया एक उदाहरण के रूप में देखेगी। प्रदेश में निर्मित एक्सप्रेसवे, नए एयरपोर्ट, बड़े औद्योगिक पार्क तथा डिफेंस, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे आधुनिक क्षेत्रों में हो रहा निवेश बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि नोएडा के निकट तेजी से विकसित हो रही रोबोटिक्स फैक्ट्री इस बात का उदाहरण है कि उत्तर प्रदेश अब आधुनिक और उभरते हुए क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। प्रदेश के विकास की अगली कड़ी अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निर्यात, विदेशी निवेश और पर्यटन से जुड़ रही है। उत्तर प्रदेश के स्थानीय ब्रांड और उत्पाद दुनिया के बाजारों में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के निर्यात को वर्ष 2030 तक पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य प्रदेश के बढ़ते आत्मविश्वास और आर्थिक क्षमता को दशार्ता है। केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से प्रदेश को विकास के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े लोगों का आह्वान किया कि वे इन अवसरों को पहचानें और पूरी ऊर्जा के साथ उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाएं।

केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2017 के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और कारोबारी माहौल को लेकर लोगों में चिंता थी। उद्यमियों में पर्याप्त विश्वास नहीं था और प्रदेश में नए बड़े उद्योग लगाने को लेकर उत्साह का अभाव था। देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से भी उत्तर प्रदेश की ओर निवेश के लिए देखने की स्थिति नहीं थी, जबकि अंतरराष्ट्रीय निवेश की कल्पना और भी दूर की बात थी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के कारण आम लोगों के साथ-साथ व्यापार और उद्योग जगत में भी निराशा का माहौल था। बड़े पैमाने पर पलायन की चर्चा होती थी और उत्तर प्रदेश को पिछड़े राज्यों की श्रेणी में देखा जाता था।

सीबीआई ने 11.42 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट मामले में दो और आरोपितों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुजरात के 11.42 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट मामले में दो और आरोपितों हिमांशु प्रसाद और यूनिस बिस्वास को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-6 के तहत देश के 10 राज्यों में 22 ठिकानों पर एक साथ तलाशी भी ली। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपितों ने ठगी की रकम को प्राप्त करने, अलग-अलग खातों में भेजने और मनी ट्रेल छिपाने में भूमिका निभाई। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में पीड़ित को साइबर अपराधियों ने पुलिस और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अधिकारियों के रूप में पहचान बताकर करीब तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा था। इस दौरान उसे डराकर 11.42 करोड़ रुपये सिंडिकेट के नियंत्रण वाले बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए। जांच के दौरान वित्तीय लेनदेन और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तलाशी की कार्रवाई की गई। 10 राज्यों में 22 स्थानों पर की गई तलाशी में बैंकिंग दस्तावेज, खातों से जुड़े रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। सीबीआई इन उपकरणों और दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कर रही है। सीबीआई के मुताबिक, तलाशी के दौरान हिमांशु प्रसाद और यूनिस बिस्वास की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि दोनों ने मेसर्स हेक्साक्वेस्ट ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते का इस्तेमाल कर ठगी की रकम में से 2.5 करोड़ रुपये प्राप्त किए। इसके बाद रकम को सहयोगियों के कई बैंक खातों में भेजा गया।

अमेरिका के पूर्वोत्तर में तूफान से जनजीवन प्रभावित, सैकड़ों उड़ानें रद्द

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्वोत्तर हिस्से में तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। तूफान के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, कनेक्टिकट और मैसाचुसेट्स में 75 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित हो गई।

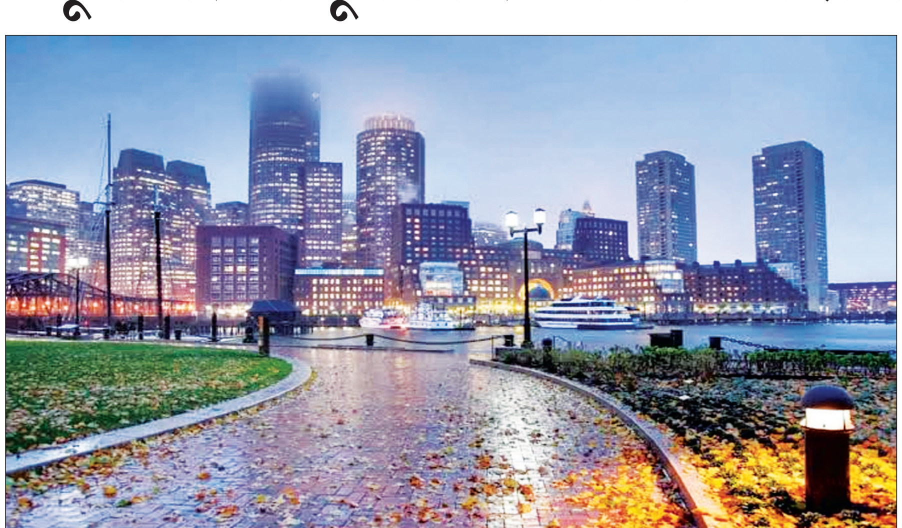

न्यूयॉर्क, बोस्टन और फिलाडेल्फिया समेत कई शहरों और आसपास के इलाकों में खराब मौसम का असर देखा जा रहा है। मौसम अधिकारियों ने तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आने और निचले इलाकों की सड़कों पर पानी भरने की आशंका जताई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, सप्ताहांत में समुद्र में ज्वार के कई चक्रों के दौरान मिड-अटलांटिक तट पर गंभीर बाढ़ आ सकती है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने बताया कि तूफान न्यूयॉर्क सिटी के तटीय इलाकों और लॉन्ग आइलैंड की ओर बढ़ रहा है। लॉन्ग आइलैंड में अगले कुछ दिनों के दौरान करीब 15 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। कुछ तटीय क्षेत्रों में छह मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने लोगों को तेज हवाओं और बिजली के तार गिरने के खतरे को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

सैकड़ों उड़ानें रद्द

तूफान के चलते सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुईं। फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइटअवेयर के अनुसार, अकेले बोस्टन के लोगान हवाई अड्डे पर करीब 130 उड़ानें रद्द की गईं। जेटब्लू, यूनाइटेड और अमेरिकन एयरलाइंस समेत कई प्रमुख विमानन कंपनियों ने यात्रियों को यात्रा में बदलाव की सुविधा देने के लिए अलर्ट जारी किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी न्यूयॉर्क मुख्यालय में महासभा की कवरेज कर रहे मीडिया संस्थानों से तेज हवाओं के मद्देनजर बाहर लगाए गए प्रसारण उपकरण हटाने को कहा।

कई बड़े आयोजन रद्द

खराब मौसम का असर क्षेत्र के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। न्यूयॉर्क में ग्लोबल सिटीजन और ऑल थिंग्स गो संगीत समारोह रद्द कर दिए गए, जबकि मैरीलैंड में ओशन्स कॉलिंग कार्यक्रम भी नहीं हो सका। ग्लोबल सिटीजन के आयोजकों ने कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम रद्द करने का फैसला किया गया। यह 14 वर्षों में पहली बार था जब उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 13 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान था। यह मात्रा एक महीने से अधिक की सामान्य बारिश के बराबर बताई गई। खराब मौसम के कारण ब्रिटिश पॉप गायक एड शीरन के बोस्टन के पास सप्ताहांत में होने वाले संगीत कार्यक्रम भी रद्द कर दिए गए। न्यू इंग्लैंड के तट पर हवाओं की रफ्तार 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी।

इस सप्ताह नॉर्थ कैरोलिना, वर्जीनिया, मैरीलैंड, डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ तटीय इलाकों में पहले ही बाढ़ की स्थिति सामने आ चुकी है।

एक नजर

नेपाल के पूर्व प्रधान न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर राणा पुलिस हिरासत से रिहा, सुरक्षित स्थान पर भेजे गए

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व प्रधान न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर राणा को पुलिस ने रिहा कर दिया है। रविवार दोपहर पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसपी रामेश्वर कार्की ने बताया कि जबरा को एक ह्यसुरक्षितह्व स्थान पर भेजा गया है। हालांकि, पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्हें किस स्थान पर भेजा गया है। इससे पहले रविवार तड़के करीब 2 बजे पुलिस ने काठमांडू के महाराजगंज स्थित उनके आवास से उन्हें अपने नियंत्रण में लिया था। वह 11 घंटे से अधिक समय तक पुलिस के नियंत्रण में रहे। उन्हें अपने साथ ले जाने के लिए काठमांडू क्राइम ब्रांच की पुलिस टीम उनके आवास पर पहुंची थी। पुलिस ने बताया था कि उन्हें सुरक्षा के मद्देनजर कार्यालय लाया गया है। क्राइम ब्रांच के एसएसपी संतोष खड्का ने कहा था कि डिस्कॉर्ड ग्रुप में राणा के खिलाफ विभिन्न तरह की अफवाहें फैलाए जाने के कारण उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें कार्यालय लाना पड़ा।

बलोचिस्तान में बीएलए महिला शाखा का हमला, पाकिस्तानी सेना के नौ अधिकारी मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) की इस माह गठित महिला सशस्त्र शाखा 'करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन' (कैड) के हमले में पाकिस्तानी सेना के कम से कम नौ अधिकारी मारे गए हैं। बीएलए की इन शेरनियों ने तुर्बत, कलात और मंगचर में दो सटीक अभियान चलाकर सेना को कड़ी चुनौती दी। प्रवक्ता बलोच ने शनिवार को मीडिया को जारी बयान में कैड ने तुर्बत के जोस्क इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) हाइवे और कलात के मंगचर शहर में क्वेटा-कराची हाइवे पर हुई लड़ाई में सेना को धूल चटा दी। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर और 25 सितंबर को कैड कमांडरों ने पाकिस्तानी सेना की क्विक रिस्पॉन्स फोर्स की तीन गाड़ियों को धमाका कर उड़ा दिया। इस लड़ाई में सेना के कम से कम 9 अधिकारी मारे गए। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में कैड को बीएलएफ की कुर्बान यूनिट का पूरा समर्थन मिला। बलोच ने कहा कि इस लड़ाई में कुर्बान यूनिट के कमांडर कैप्टन चकर मुराद उर्फ दिलीप जान शहीद हो गए। प्रवक्ता ने कहा कि जुस्क और मंगचर की इन दो लड़ाइयों में पाकिस्तानी सेना के 9 लोगों की लोगों की मौत हो गई। कैप्टन चकर मुराद फरवरी 2021 में बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के मंच से आजादी के संघर्ष में औपचारिक रूप से शामिल हुए थे। वह कई साल जेल में रहे। जेल से रिहाई के बाद वह पूर्णकालिक रूप से बीएलए में शामिल हो गए।

नेपाल में लगातार बारिश से बिजली व्यवस्था गड़बड़ाई, कुल 1,303 मेगावाट क्षमता प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल के विभिन्न हिस्सों में बिजली प्रसारण और वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। बाढ़ के कारण प्रसारण लाइनों में फॉल्ट आने के साथ ही बिजली उत्पादन केंद्रों और सबस्टेशनों के उपकरणों में खराबी के चलते कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय के अनुसार पोखरा, बुटवल, हेटौंडा और काठमांडू क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ा है। विभिन्न लाइनों, बिजली उत्पादन और लोड में आई रुकावट से कुल मिलाकर करीब 1,303 मेगावाट क्षमता प्रभावित हुई है। हालांकि, यह एक ही समय में हुई बिजली कटौती का आंकड़ा नहीं है, बल्कि अलग-अलग समय और स्थानों पर हुई लाइन, उत्पादन तथा लोड संबंधी रुकावटों का कुल योग है। बाढ़ का सबसे ज्यादा प्रभाव पोखरा क्षेत्र में पड़ा है। कुश्माझ्नन्यू बुटवल 220 केवी प्रसारण लाइन में फॉल्ट आने से करीब 200 मेगावाट बिजली प्रभावित हुई। इसी तरह रौघाटझ्रदाना लाइन-1 और लाइन-2 में आई समस्या से करीब 155 मेगावाट प्रभावित हुआ। बाढ़ के कारण कालीगंडकी, अपर मादी, सुपर मादी, सिक्लेसझ्नामर्जुंग, सेती नदीझ्करुवासेट, अपर दोर्दी और मोदी सहित कई जलविद्युत परियोजनाओं का उत्पादन और बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। अकेले पोखरा क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं पर 400 मेगावाट से अधिक का असर पड़ा है। रौघाट क्षेत्र में भी न्यू बुटवलझ्कुश्मा 220 केवी लाइन में फॉल्ट के कारण करीब 110 मेगावाट प्रभावित हुआ। इस लाइन को सुबह 9:50 बजे फिर से चालू किए जाने की उम्मीद थी। बुटवल क्षेत्र में न्यू भारतपुरझ्नन्यू बुटवल 220 केवी प्रसारण लाइन पर पेड़ गिरने के कारण फॉल्ट आया। रिपोर्ट के अनुसार लाइन को सुबह 9:51 बजे चार्ज कर दिया गया। चापरझ्पथलैया 132 केवी लाइन बंद होने के कारण कावासोती सबस्टेशन में करीब एक घंटे तक लोड कटौती की गई। हेटौंडा क्षेत्र में भी बाढ़ से बिजली प्रणाली प्रभावित हुई। मांडू 66 केवी में बाढ़ के कारण करीब 32 मेगावाट बिजली प्रभावित हुई है। कावासोतीझ्भारतपुर 132 केवी लाइन के अंतर्गत भारतपुर सबस्टेशन में सीवीटी जल जाने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। इसके अलावा सिमरा सबस्टेशन में करीब 20 मेगावाट, जबकि अमलेखगंज, परवानीपुर और वीरगंज के उद्योगों में करीब 80 मेगावाट तथा काम्ने सबस्टेशन और उद्योगों में करीब 25 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।

नेपाल-यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा, बाढ़ सहायता के लिए जताया आभार

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। यूएई के संयुक्त राष्ट्र स्थित स्थायी मिशन में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री खनाल ने नेपाल में जलवायु-जनित विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित समुदायों के प्रति यूएई सरकार और वहां के लोगों की संवेदना एवं एकजुटता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए यूएई की ओर से उपलब्ध कराई गई महत्वपूर्ण मानवीय सहायता के लिए भी धन्यवाद दिया। खनाल ने विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद के लिए यूएई की ओर से अतिरिक्त 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 2.5 करोड़ डॉलर) की वित्तीय सहायता देने की नई प्रतिबद्धता का स्वागत किया और इसके लिए यूएई का आभार जताया। बैठक में दोनों नेताओं ने आपसी हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर रचनात्मक विचार-विमर्श किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान श्रम, व्यापार, निवेश, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, कनेक्टिविटी और संयुक्त राष्ट्र के तहत बहुपक्षीय सहयोग को प्रमुख क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने तथा नेपाल-यूएई संबंधों को और व्यापक बनाने के महत्व पर सहमति व्यक्त की।